CMYK

RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

वर्ष-10 अंक: 128 ता. 14 नवम्बर 2021, रविवार, कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

पहला कॉलम

पीएम मोदी ने दीवाली मिलन पर पीएमओ के अधिकारियों से बातचीत की

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज लोक कल्याण मार्ग स्थित पीएम आवास पर आयोजित 'दीवाली मिलन' के अवसर पर पीएमओ के अधिकारियों के साथ बातचीत की। उन्होंने इस अवसर पर सभी को दीपावली की हार्दिक बधाई दी।प्रधानमंत्री ने कोरोना महामारी के खिलाफ देश की लड़ाई की चर्चा की। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि कैसे देश ने ऐसे साझा दुश्मन से लड़ने में एकता और भाईचारे का प्रदर्शन किया है, जिसका कोई स्वरूप (चेहरा) नहीं है। उन्होंने महामारी के परिणामस्वरूप समाज और शासन में आए सकारात्मक बदलावों के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा कि इन परिवर्तनों ने समाज को अधिक लचीला बना दिया है। प्रधानमंत्री ने इस बात पर प्रकाश डाला कि कैसे कठिन समय अक्सर लोगों, प्रक्रियाओं और संस्थानों के बीच निहित क्षमता का एहसास कराता है। उन्होंने पीएमओ के अधिकारियों से इस भावना से प्रेरणा लेने का आह्वान किया। 2047 और उससे आगे के लिए देश की मजबूत नींव रखने की दिशा में इस दशक के महत्व पर प्रकाश डालते हुए, प्रधानमंत्री ने कहा कि पीएमओ में हम सभी को अपनी पूरी क्षमता से और साथ मिलकर काम करना चाहिए और देश को और अधिक ऊंचाइयां हासिल करने में मदद करनी चाहिए।

महाराष्ट्र के नक्सल प्रभावित गढ़चिरौली जिले में हुई मुठभेड़ में 26 नक्सली ढेर

मुंबई ।

सुरक्षाबलों ने महाराष्ट्र के नक्सल प्रभावित गढ़चिरौली जिले में हुई मुठभेड़ में 26 नक्सली ढेर कर दिए। उनकी लाशें मुठभेड़ स्थल से बरामद की गई हैं। इस एनकाउंटर में तीन जवान घायल हुए हैं, जिन्हें एयरलिफ्ट कर अस्पताल ले जाया गया है। जिले के एसपी अंकित गोयल ने इसकी पुष्टि की है। मुंबई से 900 किलोमीटर दूर पूर्वी महाराष्ट्र के गढ़चिरौली जिले में पुलिस के साथ मुठभेड़ के बारे में जिला पुलिस अधीक्षक ने कहा, हमने जंगल से अब तक 26 नक्सलियों के शव बरामद किए हैं। गोयल ने कहा कि मुठभेड़ सुबह मर्दिनटोला वन क्षेत्र के कोरची में हुई, जब सी-60 पुलिस कमांडो की एक टीम अतिरिक्त एसपी सौम्या मुंडे के नेतृत्व में तलाशी अभियान चला रही थी। हालांकि मारे गए माओवादियों की पहचान अभी नहीं हो पाई है, लेकिन सूत्रों के मुताबिक उनमें से एक के शीर्ष विद्रोही नेता होने का संदेह है। अधिकारियों ने पहले कहा था कि कार्रवाई में चार पुलिसकर्मी भी गंभीर रूप से घायल हो गए और उन्हें इलाज के लिए हेलीकॉप्टर से नागपुर ले जाया गया। बता दें कि महाराष्ट्र का यह जिला छत्तीसगढ़ की सीमा पर स्थित है।

मायावती को मातृशोक, योगी आदित्यनाथ ने शोक जताया

नई दिल्ली। बहुजन समाज पार्टी अध्यक्ष और यूपी की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती की माता का शनिवार को निधन हो गया. बहुजन समाज पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव सतीश चंद्र मिश्रा की ओर से जारी शोक संदेश में कहा गया है कि अति-दुःख के साथ यह सूचित किया जाता है कि बीएसपी की राष्ट्रीय अध्यक्ष, पूर्व सांसद व यूपी की पूर्व मुख्यमंत्री बहन कु. मायावती जी की पूज्य माता रामरती जी का लगभग 92 वर्ष की उम्र में आज हॉस्पिटल में हृदय गति रुकने से स्वर्गवास हो गया है. कुदरत सभी को इस दुःख को सहन करने की शक्ति दे. उनका अंतिम संस्कार बहन जी के दिल्ली पहुंचने व परिवार के एकत्र होने पर कल किया जाएगा. मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी अपने कू एप एकाउंट पर शोक संदेश भेजकर दुख व्यक्त किया है. मायावती की ओर से भी एक बयान जारी किया गया है. जिसमें उन्होंने अपनी माता के निधन की जानकारी दी है.

दिव्यांगजनों को हमारी सहानुभूति की नहीं, संवेदना की आवश्यकता होती है: उपराष्ट्रपति

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति एम वैंकेया नायडू ने एक समावेशी समाज के निर्माण पर जोर दिया, जो दिव्यांगजनों की आवश्यकताओं के प्रति संवेदनशील हो। उन्होंने कहा कि दिव्यांगजनों को हमारी सहानुभूति की नहीं, संवेदना की आवश्यकता होती है। आज आंध्र प्रदेश के नेल्लोर में 'दिव्यांगजनों के कौशल विकास एवं पुनर्वास के लिए अंगभूत क्षेत्रीय केंद्र (सीआरसी)' के कर्मचारी तथा प्रशिक्षुओं के साथ परस्पर बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि अगर उनके लिए अनुकूल और सक्षमकारी वातावरण सृजित किया जाए तो दिव्यांगजन किसी भी क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सकते हैं। हाल में आयोजित टोक्यो पैरा ओलिंपिक खेलों में भारत के उत्कृष्ट प्रदर्शन का उल्लेख करते हुए, उन्होंने कहा कि प्रतिभागियों द्वारा प्रदर्शित संकल्प और कड़ी मेहनत ने लाखों भारतीयों को प्रेरित किया है। उन्होंने सिद्ध कर दिया है कि दृढ़ता और इच्छाशक्ति के माध्यम से किसी भी प्रकार की विकलांगता दूर की जा सकती है। उपराष्ट्रपति ने बाधामुक्त यात्रा के लिए एक विकलांगता अनुकूल सार्वजनिक अवसंरचना के निर्माण की अपील की। कौशल प्रशिक्षण के जरिए दिव्यांगजनों को सशक्त बनाने के लिए सीआरसी की प्रशंसा करते हुए उन्होंने निजी क्षेत्र से सामने आने और दिव्यांगजनों को सक्रियतापूर्वक रोजगार उपलब्ध कराने का आग्रह किया। इस अवसर पर उपराष्ट्रपति ने दिव्यांग लाभार्थियों को उपकरणों तथा अप्लायंसेज का भी वितरण किया। नेल्लोर स्थित सीआरसी सिकंदराबाद के राष्ट्रीय बौद्धिक दिव्यांगजन सशक्तीकरण संस्थान (एनआईईपीआईडी) के प्रशासनिक नियंत्रण के तहत कार्य करता है तथा वर्तमान में डाटा एंट्री ऑपरेशन, सिलाई मशीन ऑपरेशन, कार्यालय सहायक प्रशिक्षण और एलईडी बोर्ड निर्माण जैसे विभिन्न व्यावसायिक विषयों में दिव्यांगजनों को कौशल विकास प्रशिक्षण उपलब्ध करा रहा है। सिकंदराबाद के राष्ट्रीय बौद्धिक दिव्यांगजन सशक्तीकरण संस्थान (एनआईईपीआईडी) के अधिकारी, नेल्लोर स्थित सीआरसी के कर्मचारी और प्रशिक्षु इस अवसर पर उपस्थित थे।

काशी एक सांस्कृतिक नदी है और देश के इतिहास को काशी से अलग करके लिख ही नहीं सकते: गृहमंत्री अमित शाह

नई दिल्ली (एजेंसी)।

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने आज वाराणसी में राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय द्वारा आयोजित अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन का शुभारंभ किया। सम्मेलन में केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री के साथ राज्य सभा के उपसभापति हरिवंश, उत्तर प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ, केन्द्रीय गृहराज्य मंत्री नित्यानंद राय, अजय कुमार मिश्रा, निशिथ प्रमाणिक और सांसदगण और सचिव राजभाषा सहित देशभर के विद्वानगण शामिल हुए। दो दिवसीय राजभाषा सम्मेलन के दौरान कई समानांतर सत्रों में हिंदी के प्रगामी प्रयोग को बढ़ाने के विषय में विचार और मंथन किया जाएगा। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि उनके लिए ये बेहद हर्ष का विषय है कि आज़ादी के अमृत महोत्सव के वर्ष में पहली बार राजभाषा सम्मेलन राजधानी के बाहर लाने में सफलता मिली है। उन्होंने कहा कि कोई भी सरकारी परिपत्र, अधिसूचना तब तक लोकभोग्य नहीं होती है जब तक वो जन आंदोलन में परिवर्तित नहीं होती है। राजभाषा को गति देने के लिए अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन को दिल्ली के गलियारों से बाहर ले जाने का निर्णय 2019 में ही कर लिया गया था और ये नई शुरूआत उस वर्ष में हो रही है जो हमारी आज़ादी का अमृत महोत्सव वर्ष है। अमित शाह ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि अमृत महोत्सव हमारे पुरखों द्वारा आज़ादी के लिए दिए गए बलिदानों, संघर्षों को स्मृति में पुनर्जीवित करके युवा पीढ़ी को प्रेरणा देने का मौका तो है ही, ये हमारे लिए संकल्प का भी वर्ष है। इसी वर्ष में 130 करोड़ भारतीयों को ये तय करना है कि जब देश की आज़ादी के 100 साल होंगे तो भारत कैसा होगा और हर क्षेत्र में कहां खड़ा होगा। 75वें साल से 100 साल तक

का काल अमृत काल होगा और ये अमृत काल हमारे सभी लक्ष्यों की सिद्धि का माध्यम होगा। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कहा कि हम सब हिन्दी प्रेमियों के लिए भी ये संकल्प का वर्ष रहना चाहिए। जब आज़ादी के सौ साल पूरे हों, तब देश में राजभाषा और हमारी सभी स्थानीय भाषाएं इतनी बुलंद हों कि किसी भी विदेशी भाषा का सहयोग लेने की ज़रूरत ना पड़े।

अपनी भाषा खो देने वाला देश अपनी संस्कृति भी खो देता है: अमित शाह

वाराणसी (एजेंसी)।

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा है कि भाषा जितनी समृद्ध होगी संस्कृति उतनी ही मजबूत होगी। युवाओं से उन्होंने अपील किया कि वे हिंदी में बोलने में गर्व महसूस करें। उन्होंने कहा कि एक समय ऐसा आएगा कि लोग हिंदी नहीं बोल सकेंगे तो लघुता महसूस होगी। जो देश अपनी भाषा को खो देता है तो वह संस्कृति को खो देता है। हिंदी अक्षर शब्द का प्रयोग है अर्थात जिसका कभी क्षरण न होने वाला। उन्होंने कहा कि हिंदी और हमारी सभी स्थानीय भाषाओं के बीच कोई अंतर्विरोध नहीं है। उन्होंने कहा कि मुझे गुजराती से ज्यादा हिंदी भाषा पसंद है। हमें अपनी राजभाषा को मजबूत करने की जरूरत है। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को यहां दो दिवसीय अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन का उद्घाटन किया। इस अवसर पर कहा कि यह सम्मेलन आजादी के अमृत महोत्सव के तहत पहली बार राजधानी से बाहर हो रहा है। यह नई शुरुआत है। आजादी का अमृत महोत्सव महत्वपूर्ण है। यह भविष्य के भारत के लिए संकल्प का समय है। यह संकल्प होना चाहिए कि हिंदी का वैश्विक स्वरूप हो। उन्होंने कहा कि स्थानीय भाषा और हिंदी पूरक है। राजभाषा विभाग की जिम्मेदारी है कि वह स्थानीय भाषा का भी विकास करे। गृहमंत्री ने कहा कि पहले हिंदी भाषा के लिए बहुत सारे विवाद खड़े करने का प्रयास किया गया था, लेकिन वो वक्त अब समाप्त हो गया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गौरव के साथ हमारी भाषाओं को दुनिया भर में प्रतिस्थापित करने का काम किया है। गृहमंत्री ने कहा कि जो देश अपनी भाषा खो देता है, वो देश अपनी सभ्यता, संस्कृति और अपने मौलिक चिंतन को भी खो देता है। जो देश अपने मौलिक चिंतन को खो देते हैं वो दुनिया को आगे बढ़ाने में योगदान नहीं कर सकते हैं। दुनिया में सबसे ज्यादा बोली जाने वाली लिपिबद्ध भाषाएं भारत में हैं। उन्हें हमें आगे बढ़ाना है।

राज्यों को अब तक 123 करोड़ से अधिक टीके उपलब्ध कराये गए

नई दिल्ली । केंद्र सरकार पूरे देश में कोविड-19 टीकाकरण के दायरे का विस्तार करने और लोगों को टीके लगाने की गति को तेज करने के लिये प्रतिबद्ध है। कोविड-19 का टीका सभी को उपलब्ध कराने के लिए नया चरण 21 जून 2021 से शुरू किया गया था। टीकाकरण अभियान की रफ्तार को अधिक से अधिक टीके की उपलब्धता के जरिये बढ़ाया गया है। इसके तहत राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को टीके की उपलब्धता के बारे में पूर्व सूचना प्रदान की जाती है, ताकि वे बेहतर योजना के साथ टीकाकरण की व्यवस्था कर सकें और टीके की आपूर्ति श्रृंखला को अधिक बेहतर बनाया जा सके। केंद्र सरकार देशव्यापी कोविड रोधी टीकाकरण अभियान के हिस्से के रूप में राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को निःशुल्क कोविड टीके प्रदान करके उन्हें पूर्ण सहयोग दे रही है। टीके की सर्व-उपलब्धता के नये चरण में, केंद्र सरकार टीका निर्माताओं से 75 प्रतिशत टीके खरीदकर राज्यों तथा केंद्र शासित प्रदेशों को निःशुल्क प्रदान करेगी। केंद्र सरकार द्वारा अब तक निःशुल्क और सीधे राज्य सरकार खरीद माध्यमों से टीके की 123 करोड़ से अधिक (1,23,19,12,030) खुराकें राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को उपलब्ध कराई गई हैं। राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के पास अभी भी कोविड-19 टीके की 18.53 करोड़ से अधिक (18,53,90,836) अतिरिक्त और बिना इस्तेमाल हुई खुराकें उपलब्ध है, जिन्हें लगाया जाना शेष है।

पब्लिक और प्राइवेट सेक्टर के बीच दूरी रखकर नहीं हो सकता देश का विकास- राजनाथ

लखनऊ। केन्द्रीय रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने कहा है कि इतिहास में कुछ कारण रहे जिनकी वजह से हमारे उद्योग उतना आगे नहीं बढ़ पाए, जितना होना चाहिए था। मगर पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेई के नेतृत्व वाली सरकार के बाद से भारतीय उद्योग ने जो रफ्तार भरनी शुरू की वह लगातार आगे बढ़ती जा रही। उन्होंने कहा कि देश का विकास पब्लिक सेक्टर और प्राइवेट सेक्टर के बीच दूरी रखकर किसी भी सूरत में नहीं किया जा सकता है। यही कारण है कि निजी क्षेत्र की अहमियत को समझते हुए उन्होंने अटलजी ने आज से 20 साल पहले डिफेंस सेक्टर में प्राइवेट सेक्टर के 100 प्रतिशत प्रतिभागिता की व्यवस्था की थी। पीटीसी इंडस्ट्री के लोकार्पण व नई इकाई के शुभारंभ अवसर पर शनिवार को यहां अपने सम्बोधन में रक्षा मंत्री एवं उप्र की राजधानी लखनऊ से सांसद राजनाथ सिंह ने कहा कि हमारे देश में आजादी के बाद देश की आर्थिक स्थिति में कैसे सुधार किया जा सकता है, इसे हमारे इन दूरदर्शियों ने पहले ही सोच लिया था। स्वदेशी उद्योगों को लेकर महात्मा गांधी के क्या विचार थे, यह हम सब जानते हैं। बाबासाहेब आंबेडकर, महामना मदन मोहन मालवीय की चर्चा करते हुए कहा कि उनके विजन के बारे में हर किसी को जानना जरूरी है। मदन मोहन मालवीय ने मेटलर्जी के क्षेत्र में हमारे देश के समृद्ध अतीत के कारण ही पुनः इस क्षेत्र में आगे बढ़ने की बात कही थी। जबकि विनायक दामोदर सावरकर ने देशवासियों को मशीनी युग के साथ चलने का आवाहन किया था।

तमिलनाडु में बारिश से राहत, लेकिन संकट टला नहीं तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में बारिश की चेतावनी

चेन्नई (एजेंसी)।

तमिलनाडु में हुई चार दिनों की बारिश के बाद हालात सुधरते दिख रहे हैं, लेकिन कई इलाकों में अभी भी हालात समान्य नहीं है। क्षेत्रीय मौसम विज्ञान विभाग (आरएमसी) चेन्नई ने कहा कि कन्याकुमारी, वेल्लोर, रानीपेट, तिरुपत्तूर, धर्मपुरी, तिरुवन्नामलाई, कल्लाकुरिची, नमक्कल, करूर, डिंडीगुल में अलग-अलग स्थानों पर भारी बारिश के साथ गरज के साथ बौछारें पड़ने की संभावना है। सेलम, नीलगिरी, कोयंबटूर, थेनी, पेरम्बलुर, तिरुचिरापल्ली, मदुरै, विरुधुनगर और थेनकासी जिले शामिल हैं।

तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल के बाकी हिस्सों में कई स्थानों पर गरज के साथ मध्यम बारिश होने की संभावना है। ग्रेटर चेन्नई कॉरपोरेशन ने कई क्षेत्रों में जलभराव के बाद वेक्टर जनित बीमारियों को रोकने के लिए मच्छर रोधी फॉगिंग की। नागरिक निकाय ने कहा कि 287 पोर्टेबल फॉगिंग मशीन और 479 बैटरी चालित स्प्रेयर के साथ-साथ अन्य उपकरण लगाए गए थे। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने बारिश प्रभावित चेंगलपट्टू और कांचीपुरम जिलों का दौरा कर चाय दुकान पर थोड़ी देर रूककर लोगों से बातचीत की। साथ ही, उन्होंने अपने दौरे पर जलमग्न इलाकों में गाद साफ करने में शामिल सफाईकर्मियों से भी बातचीत की। चेन्नई की तरह ही दोनों पड़ोसी जिले बारिश से प्रभावित हुए हैं। प्रशासन ने लोगों को राहत शिविरों में पहुंचाने और जलमग्न इलाकों से पानी निकालने के लिए त्वरित उपाय किये। चेन्नई और अन्य क्षेत्रों में हफ्ते भर से हो रही भारी बारिश के दौरान पूर्व तैयारी, दृढ़ संकल्प और सूझ-बूझ, बचाव कार्यों में लगे पुलिसकर्मियों और महिलाओं, नागरिक तथा वनकर्मियों के काम आई। अभी तक तमिलनाडु में बारिश से संबंधित घटनाओं में कम से कम 14 लोगों की मौत हो गई।वन्य अधिकारी ने बताया कि अभी तक पिछले कुछ दिनों में बारिश के दौरान 20 से अधिक सांपों को पकड़ा जा चुका है।

अधिकारियों ने बताया कि बारिश के दौरान सांपों को देखने जाने के बारे में कई सूचनाएं मिली। सांप पकड़ने में दक्ष लोगों को पर्याप्त संख्या में तैनात किया गया। तमिलनाडु पुलिस ने अपने 75,000 कर्मियों और तटीय सुरक्षा समूह के 350 कर्मियों को तैनात किया।

राज्यपाल ने कहा, भारत को पुनः विश्वगुरू बनने का समय आ गया

शिमला (एजेंसी) ।

राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर ने कहा कि भारत पुनः विश्वगुरू बने यह हर भारतीय का सपना है,इस हकीकत में परिवर्तित करने का समय आ गया है।इस सपने को पूरा करने के लिए आजादी का अमृत महोत्सव के अवसर पर हमें किसी न किसी रूप में योगदान करने का प्रण लेना चाहिए।यह बात राज्यपाल ने एक कार्यक्रम के दौरान कही। उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त की कि आज देश में उत्साह का माहौल है, परन्तु हमें यह चिन्तन करने की आवश्यकता है कि हमने 75 वर्षों में क्या खोया और क्या हासिल किया है। उन्होंने कहा कि भारत में हजारों वर्षों से समृद्ध संस्कृति रही है।उन्होंने कहा कि हमें 15 अगस्त, 1947 को स्वतंत्रता प्राप्त हुई। आजादी के बाद अपनी आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए हमने अन्य देशों से आशाएं रखीं और उनके माडल अनुकरण करना आरंभ किया। उन्होंने कहा कि आजादी से पूर्व लोगों के मस्तिष्क में देश प्रेम की जो भावना थी, उसमें आजादी के उपरान्त कहीं कमी नजर आने लगी। इसके प्रति आत्ममंथन करने की नितांत आवश्यकता रही। राज्यपाल ने कहा कि हम सभी का कर्तव्य है, कि इस वातावरण को बदलने के लिए प्रयास करें। आज देश को सशक्त नेतृत्व प्राप्त हुआ है, और देश में अलग तरह के वातावरण के निर्माण हुआ है। इस बदले परिवेश में हम सभी को देश के विकास के लिए अपना योगदान देना चाहिए। इस मौके पर शहरी विकास मंत्री सुरेश भारद्वाज ने कहा कि सुनील उपाध्याय ने समाज के लिए महत्वपूर्ण योगदान दिया और अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद को हिमाचल में मजबूत संगठन के रूप में स्थापित किया।

उन्होंने स्वतंत्रता आंदोलन से संबंधित अनेक ऐतिहासिक घटनाओं का जिक्र भी किया। उन्होंने कहा कि आज देश में पाश्चात्य विचारधारा को मानने वाले लोग हैं, लेकिन हमें अपने गौरवशाली इतिहास का अध्ययन करने और उसका अनुसरण करने की आवश्यकता है।

मणिपुर में आतंकियों के हमले में सेना के एक कर्नल, उनकी पत्नी, बेटे तथा चार अन्य जवान मारे गए

इंफाल (एजेंसी)।

मणिपुर में शनिवार को सेना के काफिले पर आतंकियों द्वारा घात लगाकर किए गए हमले में भारतीय सेना के एक कर्नल, उनकी पत्नी और बेटे तथा चार अन्य जवान मारे गए हैं। रक्षा सूत्रों ने यह जानकारी दी। मणिपुर पुलिस के खुफिया सूत्रों ने बताया कि इस हमले के पीछे इलाके में सक्रिय 3-4 आतंकवादी समूहों की एक संयुक्त टीम का हाथ हो सकता है। हमले में पहले आईईडी ब्लास्ट हुआ और फिर सड़क के दोनों ओर से भारी फायरिंग हुई। मणिपुर मुठभेड़ पर डीजी असम राइफल्स ने अपने बयान में कहा कि 13 नवंबर को 11 बजे असम राइफल्स के एक काफिले पर थिंगघाट, मणिपुर में विद्रोहियों द्वारा घात लगाकर हमला किया गया। 46 असम राइफल्स के कमांडिंग ऑफिसर कर्नल विप्लव त्रिपाठी सहित पांच जवानों ने ड्यूटी के दौरान सर्वोच्च बलिदान दिया है। घटना में कमांडिंग ऑफिसर की पत्नी और बच्चे की भी जान चली गई। डीजी और असम राइफल्स के सभी रैंक ने बहादुर सैनिकों और शहीदों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की है। सूत्रों ने बताया कि 46 असम राइफल्स के कमांडिंग ऑफिसर कर्नल विप्लव त्रिपाठी शनिवार को एक फॉरवर्ड कैंप गए थे और वहां से वापस लौट रहे थे जब उनके काफिले पर घात लगाकर हमला किया गया। माना जा रहा है कि इस हमले के पीछे मणिपुर के आतंकी समूह पीपुल्स लिबरेशन आर्मी का हाथ है। हालांकि अभी तक किसी भी समूह ने हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। मणिपुर के मुख्यमंत्री एन। बिरेन सिंह ने आर्मी अफसर और उनके परिवार की मौत की पुष्टि करते हुए कहा कि उग्रवादियों को पकड़ने के लिए काउंटर ऑपरेशन शुरू किया गया है। मुख्यमंत्री ने ट्वीट में लिखा, ÷46 असम राइफल्स के काफिले पर कायरतापूर्ण हमले की निंदा करता हूं, जिसमें कमांडिंग ऑफिसर और उनके परिवार के समेत कुछ जवानों की आज मौत हो गई है। राज्य पुलिस और पैरा मिलेट्री आर्तकियों को पकड़ने के काम में लगी हुई है। दोषियों को न्याय के कटघरे में खड़ा किया जाएगा।' केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने ट्वीट कर के कहा, ÷मणिपुर के चुराचांदपुर में असम राइफल्स के काफिले पर हुआ कायरतापूर्ण हमला बेहद दर्दनाक और निंदनीय है। देश ने सीओ 46 एआर समेत पांच बहादुर जवानों और दो परिवार के सदस्यों को खो दिया है। शोक संतप्त परिवारों के प्रति मेरी संवेदनाएं हैं। जल्द ही दोषियों को के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।' इससे पहले, साल 2015 में मणिपुर में आतंकियों के हमले में 20 जवानों की मौत हुई थी।

सार समाचार

30 नवंबर को मेरठ में जनसभा कर पश्चिम में चुनावी बिगुल फूंकेंगी प्रियंका गांधी

मेरठ। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी 30 नवंबर को मेरठ में चुनावी जनसभा करेंगी। अक्तूबर में प्रियंका का कार्यक्रम फाइनल हुआ था। लेकिन मौसम खराब होने के कारण ऐन वक्त पर कार्यक्रम कैंसिल हो गया था। शुक्रवार देर शाम पार्टी हाईकमान से फिर से प्रियंका गांधी की मेरठ रैली का कार्यक्रम जारी हुआ। हाईकमान से संदेश मिलते ही शुक्रवार को बुढ़ाना गेट पार्टी कार्यालय पर आकस्मिक बैठक की। बैठक में पार्टी कार्यकर्ताओं को रैली की तैयारियों में जुटने के लिए कहा गया है। प्रियंका की रैली की सूचना के बाद जिला महानगर कांग्रेस कमेटी की बैठक पार्टी कार्यालय पर हुई। बैठक में जिलाध्यक्ष अवनीश काजला, जाहिद अंसारी ने कार्यकर्ताओं को रैली में अधिक से अधिक भीड़ जुटाने का टार्गेट दिया है। संभवतः भैंसाली मैदान में प्रियंकां गांधी जनसभा करेंगी। बैठक में सीसीएसयू के छात्र प्रवीण पवार सहित अन्य छात्रों ने कांग्रेस की सदस्यता भी ली। जिलाध्यक्ष ने सभी कार्यकर्ताओं से कहा कि 30 नवंबर की रैली में अधिकतम भीड़ पहुंचे, शहर के अलावा देहात से भी लोगों को लाकर रैली को सफल बनाना है। जिला प्रभारी प्रदेश सचिव अजीत सिंह दोला व शहर प्रभारी प्रदेश सचिव नसीम खान, हरिकिशन मौजूद रहे।

तीन बेटियों के हत्यारे पिता को मिली फाँसी की सजा

नई दिल्ली। 3 बेटियों के हत्यारे पिता को कोर्ट ने एक लाख का जुर्माना लगाते हुए हत्या की सजा सुनाई है। 3 साल पहले पत्नी के मायके से न आने के कारण नाराज पति ने अपनी 3 नाबालिग बेटियों को हथौड़े से पीट पीट कर मार डाला था और शवों को पेट्रोल डाल कर आग लगा दी थी। मामले में सजा सुनाते हुए जज ने कहा कि यह जघन्य अपराध क्षमा योग्य नहीं है और अमानवीय कृत्य है। आपको बता दें कि 3 साल पहले ललितपुर के वीर गांव के निवासी छेदामी उर्फ छिद्दू कुशवाहा ने अपनी तीन बेटियों की शराब के नशे में क्रूरतापूर्ण हत्या कर दी थी, बेटियों के शव को पेट्रोल डाल कर आग भी लगा दी थी। ग्रामीणों की सूचना पर पुलिस ने मामला दर्ज करते हुए छेदामी को हत्या का आरोपी बनाते हुए गिरफ्तार किया था।

कश्मीर में हाड़ कँपाने वाली ठंड का सितम, बीएसएफ की महिला जवानों को मिले आधुनिक बैरक

श्रीनगर। वैसे तो पूरे उत्तर भारत में ठंड पड़ने लगी है लेकिन जम्मू-कश्मीर में सर्दी ने अभी से सितम ढाना शुरू कर दिया है। जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर शहर में इस मौसम की सबसे ठंडी रात दर्ज की गई है। अधिकारियों ने बताया कि वार्षिक अमरनाथ यात्रा के आधार शिविर पहलगाम में न्यूनतम तापमान शून्य से 3.4 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया। यह कश्मीर का सबसे ठंडा स्थान भी रहा। उत्तरी कश्मीर के कुपवाड़ा में भी पारा शून्य से नीचे 0.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। अधिकारियों ने कहा कि श्रीनगर में बृहस्पतिवार रात न्यूनतम तापमान 0.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो इस मौसम का सबसे कम तापमान है। घाटी का प्रवेश द्वार कहे जाने वाले काजीगुंड शहर में तापमान 0.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि कोकरनाग में बृहस्पतिवार रात न्यूनतम तापमान 1.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। बारामूला जिले के गुलमर्ग रिसॉर्ट में न्यूनतम तापमान 0.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

महिला जवानों को मिले आधुनिक बैरक

दूसरी ओर, सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जम्मू फ्रंटियर के महानिरीक्षक (आईजी) डीके बूरा ने आरएस पुरा क्षेत्र में बल की महिला जवानों के लिए अलग बैरकों का उद्घाटन किया। अधिकारियों ने बताया कि बीएसएफ ने जम्मू, पंजाब और राजस्थान में अंतरराष्ट्रीय सीमा पर महिला कर्मियों को तैनात किया है जो पुरुष जवानों के साथ पाकिस्तान से लगी सीमा पर पहरा देती हैं। अधिकारियों के अनुसार अंतरराष्ट्रीय सीमा पर बेहतर और सुगम रहन-सहन की सुविधाएं प्रदान करने के बल के प्रयासों के तहत बूरा ने जम्मू क्षेत्र के उप महानिरीक्षक सुरजीत सिंह के साथ जम्मू में कावा चाक और सुचेतगढ़ क्षेत्रों में अग्रिम इलाकों में अंतरराष्ट्रीय सीमा पर सीमा संबंधी बुनियादी ढांचों का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि इनमें महिला जवानों के लिए बैरक और अन्य आवासीय सुविधाएं शामिल हैं।

सांप्रदायिकता को बढ़ावा नहीं देता हिंदुत्व, आरएसएस और भाजपा ने इसे कर लिया हाईजैक: महबूबा मुफ्ती

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री और पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने शनिवार को हिंदुत्व के मुद्दे पर अपनी राय रखते हुए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि हिंदुत्व कभी सांप्रदायिकता को बढ़ावा नहीं देता।

देश के लोगों को लड़ाना चाहती है भाजपा

समाचार एजेंसी एएनआई के मुताबिक, पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने कहा कि हिंदुत्व कभी सांप्रदायिकता को बढ़ावा नहीं देता। यह आरएसएस, जनसंघ और भाजपा है जो देश में लोगों को लड़ाना चाहती है। उन्होंने हिंदुत्व को हाईजैक कर लिया है, उन्हें लगता है कि हिंदुत्व और हिंदू धर्म का मतलब भाजपा और आरएसएस है, जो की नहीं है।

पीडीपी प्रमुख ने कहा कि भाजपा और आरएसएस जो लोगों को पढ़ाना चाहते हैं, वह ना तो हिंदू धर्म है और ना ही हिंदुत्व। जो सांप्रदायिक पार्टी हैं उसकी तुलना आतंकी संगठनों के साथ की जा सकती है। जो धर्म के नाम पर लिंचिंग करते हैं उसकी तुलना आईएसआईएस क्या किसी भी आतंकवादी संगठन से कर सकते हैं।

सलमान खुर्शीद की किताब से खड़ा हुआ विवाद

दरअसल, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सलमान खुर्शीद की नई किताब के 'सैफरन स्काई' नामक अध्याय में हिंदुत्व की तुलना आईएसआईएस और बोकोहरम जैसे जिहादी इस्लामी संगठन से की गई। जिसके बाद भाजपा ने सलमान खुर्शीद और कांग्रेस पर निशाना साधा।

300+ पार का नारा लेकर चुनावी अभियान की रणनीति बनाएंगे गृहमंत्री अमित शाह

वाराणसी। (एजेंसी)।

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह शुक्रवार के दिन दो दिवसीय वाराणसी दौरे पर पहुंच गए हैं। शाम के करीब साढ़े चार बजे गृहमंत्री वाराणसी एयरपोर्ट पर पहुंचे । एयरपोर्ट पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह ने अमित शाह का स्वागत किया।अमित शाह बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी में महामना की पुण्?यतिथि पर उनकी प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किए और उन्हें श्रद्धांजलि दिया और जनता के अभिवादन को स्वीकार किया। वहां उपस्थित कार्यकर्ताओं और जनता ने हर-हर महादेव के उद्घोष से शाह का स्वागत किया।

इसके साथ ही वह प्रदेश की चुनाव प्रबंधन टीम की बैठक के समापन सत्र में करीब तीन घंटे के मंथन में विधानसभा चुनाव में भाजपा की रणनीति को तय करेंगे।इसके बाद वह शाम को बड़ालालपुर स्थित ट्रेड फैसिलिटेशन सेंटर रवाना हो गए। जहां अमित हस्तकला संकुल में भाजपा के चुनाव प्रबंधन की टीम के साथ विधानसभा चुनाव से पहले अपनी रणनीति को तय करेगी। इस बैठक में गृह मंत्री अमित शाह, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री आदित्यनाथ योगी , भाजपा प्रदेश अध्यक्ष, भाजपा के जिलाध्यक्ष और पदाधिकारी समेत अन्य अधिकारी भी शामिल होंगे। गृह मंत्री शनिवार को राजभाषा विभाग के पहले अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन का उद्घाटन भी करेंगे।इसके बाद वह दोपहर में आजमगढ़ जाएंगे और वहां चुनावी शंखनाद की गूंज को फैलाएंगे।

प्रथम सत्र को संबोधित करने के दौरान प्रदेश प्रभारी राधामोहन सिंह ने कहा कि किसान खेत की फसल तभी काट सकता है, जब उसके पास कोई धारदार हथियार हो। इसके साथ ही उन्होंने आगे कहा कि चुनाव की फसल काटने के लिए हम सबके पास मोदी - योगी द्वारा किए गए समाज कल्याण के कार्य धारदार हथियार के रूप में हैं।वही प्रथम सत्र की बैठक में प्रदेश महामंत्री (संगठन) सुनील बंसल ने काशी, गोरखपुर, अवध, कानपुर, पश्चिम और ब्रज क्षेत्र के क्षेत्रीय अध्यक्ष व प्रभारी, जिला अध्यक्ष, जिला प्रभारी एवं विधानसभा प्रभारी का वृत्त लिया। इसके अलावा उ?तर प्रदेश में भाजपा के दि?गज नेता और गृहमंत्री अमित शाह का मिशन 300+ पार का नारा लेकर चुनावी अभियान की शुरुआत में जुटी भाजपा पूर्वांचल से ही अपनी रणनीति बनाएगी।

क्षेत्र प्रभारियों के अलावा पार्टी के अन्य पदाधिकारियों सहित कुल 650 पदाधिकारियों से संवाद कर उत्तर प्रदेश में होने वाले विधानसभा चुनाव को जीतने का मंत्र देंगे। पार्टी की ओर से आगामी चुनावों के लिए बहुत पहले से ही कमर कसने और सरकारी योजनाओं के प्रचार प्रसार को जनता के बीच करने का संदेश दिया जा चुका है।इसके साथ ही पहले सत्र में केंद्रीय मंत्री व चुनाव प्रभारी धर्मेंद्र प्रधान इसकी अध्यक्षता करेंगे। दूसरे सत्र की अध्यक्षता केंद्रीय मंत्री अमित शाह करेंगे। इसमें छह सौ से ज्यादा पदाधिकारी उपस्थित रहेंगे और यहां अलग-अलग चरणों में पार्टी का शीर्ष के नेतृत्व पर चर्चा करेंगे।

प्रदूषित शहरों में दिल्ली ने किया टॉप, जहरीली हवा पर सुप्रीम कोर्ट सख्त, क्या लगेगा लॉकडाउन?

नई दिल्ली (एजेंसी)।

दिल्ली में दिवाली के बाद प्रदूषण का स्तर काफी बढ़ गया है।शनिवार सुबह वायु गुणवत्ता गंभीर की श्रेणी में रही और इस दौरान वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 473 रहा। वहीं, नोएडा और गुरुग्राम में एक्यूआई क्रमशः 587 और 557 दर्ज किया गया। बता दें कि, दिल्ली की हवा इतनी जहरीली हो गई है कि, अब यह दुनिया के 10 सबसे ज्यादा प्रदूषित शहरों में टॉप पर बनी हुई है। इस सूची में दिल्ली के अलावा मुंबई और कोलकाता शहर भी भारी प्रदुषित शहरों में शामिल हो गई है। शुक्रवार को चिंता जताते हुए अधिकारियों ने लोगों को बाहरी गतिविधियों को सीमित करने की सलाह दी है और सरकार समेत निजी कार्यालयों से वाहनों में कम से कम 30 प्रतिशत की कटौती करने को कहा है। दिल्ली- एनसीआर में वायु गुणवत्ता आपातकालीन स्तर पर पहुंच गया है। चार हजार से अधिक खेतों में पराली जलाए से एनसीआर और दिल्ली की वायु गुणवत्ता एकदम खराब स्थिति में पहुंच गई है। ग्रेडेड रिस्पॉन्स एक्शन प्लान (जीआरएपी) पर एक उप समिति के अनुसार 18 नवंबर तक प्रदूषकों के फैलने के लिए मौसम संबंधी स्थितियां अत्यधिक प्रतिकूल रहेंगी और संबंधित एजेंसियों को आपात श्रेणी के तहत कदम उठाने के लिए पूरी तरह से तैयार रहना चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट ने दी चेतावनी!

दिल्ली-एनसीआर में बढ़ते प्रदूषण को देखते हुए सुप्रीम कोर्ट ने इसे आपात स्थिति करार दिया है। स्ष्ट ने केन्द्र और दिल्ली सरकार को वायु गुणवत्ता में सुधार लाने के लिए उचित कदम उठाने को भी कहा है। प्रधान न्यायाधीश न्यायमूर्ति एन वी रमण की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि, प्रदूषण की स्थिति इतनी खराब है कि लोग अपने घरों के भीतर मास्क पहन रहे हैं। इस पीठ में न्यायमूर्ति डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति सूर्यकांत भी शामिल थे। इस पीठ ने कहा कि, हर किसी को किसानों को जिम्मेदार ठहराने की धुन सवार है। क्या आपने देखा कि दिल्ली में पिछले सात दिनों में कैसे पटाखे जलाए गए हैं? यह आपात स्थिति है, जमीनी स्तर पर कई कदम उठाने की जरूरत है।''

लॉकडाउन लगाया जाएगा?

वायु गुणवत्ता पर चिंता जताते हुए सर्वोच्च अदालत ने केन्द्र से जवाब मांगा है। न्यायालय ने इस तथ्य का भी संज्ञान लिया कि राष्ट्रीय राजधानी में स्कूल खुल गए हैं और प्रशासन से कहा कि वाहनों को रोकने या लॉकडाउन लगाने जैसे कदम तत्काल उठाए जाएं। केंद्र सरकार की तरफ से पैरवी कर रहे सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि पंजाब में पराली जलाई जा रही है। पीठ ने कहा, ''आपका मतलब यह लगता है कि सिर्फ किसान जिम्मेदार हैं। दिल्ली में प्रदूषण को नियंत्रित करने से जुड़े कदमों का क्या है?'' मेहता ने स्पष्ट किया कि उनका कहने का मतलब यह नहीं है कि सिर्फ किसान जिम्मेदार हैं।

मुख्यमंत्री ने कोविड टीकाकरण की दूसरी डोज के लक्ष्य को शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए

शिमला । (एजेंसी)।

मुख्यमंत्री जय राम ठाकुर ने आज राज्य के उपायुक्तों के साथ वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रदेश में कोविड-19 स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने सभी जिलों को 30 नवम्बर, 2021 तक कोविड-19 टीकाकरण की दूसरी डोज के लक्ष्य को पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने वृद्धजनों पर विशेष ध्यान केन्द्रित करने के निर्देश दिए, क्योंकि इस आयु वर्ग में बीमारी के कारण मृत्यु के मामले अधिक हैं।

उन्होंने कहा कि प्रदेश की 72 प्रतिशत जनसंख्या को कोविड टीकाकरण की दूसरी डोज दी जा चुकी है और पंचायती राज विभाग के लोगों को टीकाकरण के लिए प्रेरित करने के लिए 15 और 26 नवम्बर, 2021 को विशेष ग्राम सभाएं आयोजित करने के लिए कहा गया है। जय राम ठाकुर ने कहा कि होम आइसोलेशन में रहने वाले कोविड मरीजों की उचित देखभाल पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए क्योंकि इन मरीजों में अधिक मृत्यु दर देखने में आई है। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन को होम आइसोलेशन में रहने वाले मरीजों के साथ सम्पर्क में रहना चाहिए और गम्भीर मरीजों को अस्पताल स्थानान्तरित किया जाना चाहिए। उन्होंने बर्फबारी की सम्भावना को ध्यान में रखते हुए ऊँचाई वाले क्षेत्रों में प्राथमिकता के आधार पर टीकाकरण अभियान चलाने पर विशेष बल दिया। स्वास्थ्य मंत्री डॉ. राजीव सैजल, मुख्य सचिव राम सुभग सिंह, स्वास्थ्य सचिव अमिताभ अवस्थी ने बैठक में अपने बहुमूल्य सुझाव दिए।

सत्ता परिवर्तन का मन बना चुकी है जनता - शिवपाल सिंह यादव

संवाददाता रामलखन सहानी
बरहज/देवरिया

प्रसपा के राष्टीय अध्यक्ष शिवपाल सिंह यादव बरहज विधानसभा क्षेत्र के करमटार शेरखां में भाजपा सरकार की जन विरोधी नीतियों के खिलाफ परिवर्तन रथयात्रा के क्रम में आयोजित विशाल जनसभा को सम्बोधित करते हुए कहा कि वे पिछले दो साल से सपा से मिल कर पार्टी को नया आयाम देने का प्रयास कर रहे हैं, जो भी करना है अखिलेश जल्दी करें, चाहे गठबंधन करें या विलय करें लेकिन हमारे लोगों का सम्मान होना चाहिए, जो लोग हमारे साथ हैं, उनको सम्मानजनक तरीके से सीटें मिलनी चाहिए। निष्ठावान कार्यकर्ताओं की ताकत से ही सूबे में बदलाव आयेगा। सामाजिक परिवर्तन रथ यात्रा लेकर निकले प्रगतिशील समाजवादी पार्टी लोहिया के राष्टीय अध्यक्ष शिवपाल सिंह यादव का पार्टी नेताओं, कार्यकर्ताओं ने देवरिया में पहुंचते ही फूल मालाओं के साथ जिलाध्यक्ष गिरेन्द्र प्रताप यादव के नेतृत्व में स्वागत किया गया।ततपश्चात प्रसपा जिलाध्यक्ष गिरेन्द्र प्रताप यादव ने राष्टीय अध्यक्ष का माल्यार्पण कर उनके शीश को चांदी के मुकुट से नवाजा,और चित्र देकर भव्य स्वागत किया,हजारो की संख्या में पहुँची बरहज की जनता ने जिन्दाबाद के नारे लगाए,नारो से पूरा वातावरण गूँज रहा था।

शिवपाल सिंह यादव ने केंद्र व राज्य सरकार पर निशाना साधते हुये कहा कि जनता सत्ता परिवर्तन का मन बना चुकी है और भाजपा को परास्त करने के लिये वे हर स्तर पर प्रयास करेंगे। कहा कि कृषि कानून किसानों के हित में नहीं है, भाजपा अन्नदाता किसानों को मजदूर बनाने का षड़यंत्र कर रही है। प्रगतिशील समाजवादी पार्टी के राष्टीय अध्यक्ष शिवपाल यादव ने कहा कि उनकी सरकार बनी तो बेरोजगारी पर अंकुश के लिए तमाम योजनाएं दी जाएंगी। स्नातक पास होते ही सभी को पांच-पांच लाख रुपये दिए जाएंगे, आगे उन्होंने कहा कि पार्टी का एजेंडा है कि हर परिवार के एक बेटा या बेटी को सरकारी नौकरी दी जाएगी, किसानों के शोषण वाले सारे कानून वापस लिए जाएंगे। सभी को तीन सौ यूनिट बिजली भी निशुल्क दी जाएगी।

राष्टीय अध्यक्ष पत्रकारों से बातचीत के दौरान कहा कि वे यहां सामाजिक परिवर्तन रथ यात्रा लेकर आए हैं । भाजपा को हटाने के लिए वह बिना शर्त किसी भी दल से समझौता करने को तैयार हैं। समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव से वे इस मुद्दे पर सबसे पहले बात करेंगे। यदि बात बन गई तो पार्टी सपा के साथ मिलकर चुनाव लड़ेगी।

उन्होंने कहा कि फिलहाल अभी कोई शर्त नहीं रखी गई है, मगर समय आने पर इसका खुलासा होगा। भाजपा पर हमला करते हुए कहा कि जिन मुद्दों को लेकर सत्तारुढ़ भाजपा गद्दी पर पहुंची है। वह सब भुला दिया। सबका साथ सबका विकास केवल नारा बन कर रह गया है। सभी मुद्दों पर भाजपा फेल हो गई है। कहा कि भाजपा केवल धर्म आधारित एजेंडा लेकर काम करती है, जबकि अपने देश में सभी धर्म व जातियों के लोग रहते हैं। देश पर सबका अधिकार है। कहा कि बिना प्रसपा के कोई भी दल सरकार नहीं बना सकता। समाज हित में जितने भी मुद्दे हैं वही पार्टी का भी मुद्दा है।वही प्रसपा जिलाध्यक्ष गिरेन्द्र प्रताप यादव ने विशाल जनसभा को सम्बोधित करते हुए जनता से कहा कि आजतक गिरेन्द्र प्रताप आपका बेटा बनकर सेवा करता आ रहा हूँ और सत्ता में आने पर भी आपका बेटा बनकर ही सेवा करता रहूँगा

उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य जी का स्वागत हंण्डिया विधानसभा क्षेत्र में जय श्री राम वंदेमातरम के जयकारों से किया गया

संवाददाता लक्ष्मीकांत पाण्डेय,

आज उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य जी का हण्डिया विधानसभा क्षेत्र के पीजी कॉलेज परिसर में आगमन हुआ जिसमें भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता समेत कार्यकताओं द्वारा उनका भव्य स्वागत किया गया इस अवसर पर जिला अध्यक्ष डॉ कुंवर वीके सिंह जी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी क प्रयागराज के जिला अध्यक्ष ,धवल त्रिपाठी,अजय पाण्डेय,विनय कुमार पाण्डेय, अवधेश तिवारी समेत कई सम्मानित कार्यकता मौजूद रहे इस अवसर केशव प्रसाद मौर्य जी ने कहा कि हण्डिया विधानसभा का नाम उत्तर प्रदेश ही नहीं बल्कि भारत के हर कोने कोने में जाना जाता है महाभारत काल से लेकर आज तक लक्षागृह की पावन भूमि इसी हण्डिया विधानसभा क्षेत्र से से एक है, उन्होंने प्रदेश सरकार एवं भारतीय जनता पार्टी के केन्द्र सरकार की अनेकों जनकल्याणकारी योजनाओं को गिनाते हुए कहा कि हमारी सरकार ने अभी हाल में ही लक्षागृह में भीम सेतु निर्माण कार्य की योजना बनाई है जो बहुत ही जल्द आप सभी को समर्पित कर दिया जाएगा साथ ही उन्होंने कांग्रेस पार्टी एवं समाजवादी पार्टी समेत राजनीतिक पार्टियों पर हमला करते हुए कहा कि हमारी भारतीय जनता पार्टी के सरकार में लोगों को उनके अधिकार हक़ इमानदारी से मिल रहा है और जिनके सरकार में भ्रष्टाचार को बढ़ावा दिया गया जो दोषी है उनके लिए हम जेल के दरवाजे खोल दिए गए हैं और वो जेल भी गए हैं और यह सिलसिला जारी है जो भी अधिकारी भ्रष्टाचार को बढ़ावा देने का प्रयास करेंगे उन्हें भी कड़े शब्दों में कहा कि दरवाजे जेल के उनके लिए भी खुले हैं भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं ने जय श्री राम,जय हिन्द का नारा लगाते हुए हल्ला मचाया तो उन्होंने कहा कि हम आपके इस उत्साह को जानते हैं क्योंकि मैं आज जहा हूं उससे पहले एक कार्यकर्ता एवं संगठन का दायित्व निभा चूका हूं मै कल भी एक कार्यकर्ता था और आज भी हू और रहूंगा आपको कोई भी समस्या हो तो आप बेझिझक हमारे पास लिखित रुप से कागज के साथ देने का प्रयास करे क्योंकि कागज़ है दौडता है हम जरूर सुनकर समाधान करेंगे साथ ही उन्होने जय श्री राम और भारत माता की जय वंदेमातरम का जयकारा लगाते हुए कार्यक्रम को विराम दिया और कहा कि हम हण्डिया की धरती पर पुन: आपसे मिलने आता रहूंगा।।

सावधान हो जाएं! केरल में 11 छात्रों को हुआ नोरोवायरस, कितना खतरनाक साबित हो सकता है यह नया वायरस?

नई दिल्ली (एजेंसी)।

देश में अभी कोरोना महामारी से छुटकारा मिल नहीं रहा है वहीं अब केरल के वायनाड में नोरोवायरस नामक एक नए प्रकार के वायरस ने देश में दस्तक दे दी है। एक खबर के मुताबिक, वायनाड जिले में एक पशु चिकित्सा महाविद्यालय के 11 छात्र नोरोवायरस से संक्रमित हो गए है। केरल सरकार ने इसको लेकर शुक्रवार को अलर्ट जारी कर दिया है और लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी है। यह वायरस दूषित पानी और भोजन के जरिए फैलता है। यह एक पशु-जनित वायरस है जिससे उल्टी और दस्त होना शुरू होता है और सभी लोगों को संक्रमित करता है।

यह कैसे फैलता है: नोरोवायरस छोटे कणों के माध्यम से फैलता है। यह भी एक संक्रमित व्यक्ति से दूसरे में फैलता हैं। यह दूषित पानी और भोजन से भी फैल सकता है। वायरस से संक्रमित व्यक्ति अरबों नोरोवायरस के कण फैला सकता है। इशके कुछ ही कण ही दूसरे व्यक्ति को संक्रमित कर सकता है।

क्या है लक्षण: नोरोवायरस से संक्रमित व्यक्ति को पेट या आंतों में सूजन होने लगती है। एक व्यक्ति आमतौर पर वायरस के सपंर्क में आने के 12 से 48 घंटों के बाद लक्षण विकसित करना शुरू कर देता है, हालांकि, वह एक से तीन दिनों के भीतर ठीक भी हो जाते हैं। अन्य सामान लक्षणों की तरह इसमें भी थकान, उल्टी,और दस्त जिन में कई बार होते हैं। हालांकि, जिस व्यक्ति का रोग प्रतिरोधक शक्ति सही है तो उसे यह वायरस ज्यादा प्रभावित नहीं कर पाएगा। यह ज्यादातर छोटे बच्चों, बुजुर्गों या किसी भी प्रकार की बीमारी वाले लोगों को प्रभावित कर सकता है।

उपचार: इस समय इस वायरस को लेकर कोई सही दवाई नहीं बनाई गई है लेकिन वायरस से संक्रमित व्यक्ति को तरल प्रदार्थ का सेवन करने की सलाह दी जाती है। dehydration से बचने के लिए ज्यादा पानी पीने की सलाह दी जाती है। साथ ही dehydration को रोकना जरूरी है क्योंकि इससे गंभीर समस्या हो सकती है। अगर dehydration नहीं रूका तो व्यक्ति को अस्पताल में भी भर्ती कराने की आवश्यकता होती है।

रोकथाम: स्वच्छता का पालन किया जाए। हाथों को अच्छी तरह से धोना चाहिए, खासकर शौचालय का उपयोग करने के बाद, खाने से पहले और खाना बनाते समय भी हाथों को अच्छे से धोए। लक्षण शुरू होने से कुछ दिन पहले भी नोरोवायरस किसी व्यक्ति के मल में भी पाया जा सकता है। संक्रमण व्यक्ति के ठीक होने के बाद भी मल में वायरस पाया जा सकता है। सब्जियों, फलों और अन्य खाद्य पदार्थों को

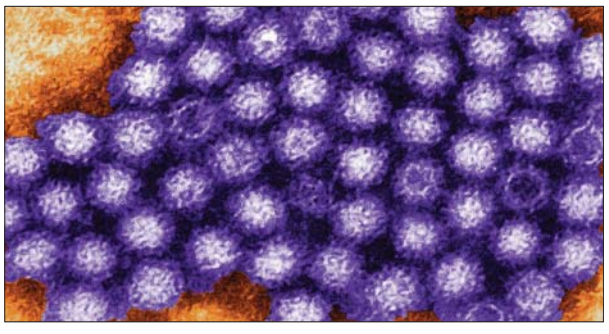

भी इस्तेमाल करने से पहले अच्छी तरह से धोएं। वहीं अगर आप मांसाहारी खाद्य पदार्थों का सेवन करते है तो उसे भी पकाने से पहले अच्छी तरह से धोएं और पकाए।

नोरोवायरस भी गर्मी प्रतिरोधी है, इसका मतलब है कि यह 62 डिग्री सेल्सियस तक तापमान में जीवित रह सकता है।इसके अलावा, इसके प्रसार को रोकने का एक और तरीका है कि आप अपने आस-पास साफ-सफाई रखें।

सार समाचार

टीपू सुल्तान के सिंहासन के सोने से जड़े मुकुट के लिए खरीददार ढूंढ रहा है ब्रिटेन, जानिए इसकी कीमत

लंदन। ब्रिटेन भारत में 18वीं सदी में मैसूर के शासक टीपू सुल्तान के सोने से बने सिंहासन का हिस्सा रहे सोने से जड़े बाघ के सिर को खरीदने के लिए देश का कोई खरीददार ढूंढ रहा है और इस कवायद में शुक्रवार को इसे अस्थायी रूप से प्रतिबंधित निर्यात की सूची में रखा गया। मुकुट के इस आभूषण की कीमत तकरीबन 15 लाख पाउंड है और ब्रिटिश सरकार द्वारा इसे प्रतिबंधित निर्यात की सूची में रखने से ब्रिटेन की किसी गैलरी या संस्थान को यह ऐतिहासिक वस्तु खरीदने के लिए वक्त मिल जाएगा। यह टीपू सुल्तान के सिंहासन पर लगे सोने से जड़े बाघ के आठ सिरों में से एक हैं। टीपू सुल्तान को ''मैसूर के शेर'' के नाम से भी जाना जाता है। ब्रिटेन के कला मंत्री लॉर्ड स्टीफन पार्किन्सन ने कहा, ''यह चमकदार मुकुट टीपू सुल्तान के शासन की कहानी दिखाता है और हमें अपने शाही इतिहास में ले जाता है। मुझे उम्मीद है कि ब्रिटेन का कोई खरीदार आगे आएगा ताकि हम भारत के साथ अपने साझा इतिहास में इस महत्वपूर्ण अवधि के बारे में और अधिक जान सकें।

नाबालिग को सेक्स टॉय का इस्तेमाल करने और टेलीग्राम पर फिल्में भेजने को किया मजबूर, कोर्ट ने सनुाई 10 माह की सजा

सिंगापुर। सिंगापुर में भारतीय मूल के एक शख्स को नाबालिग को यौन कृत्य करने के लिए मजबूर करने के जुर्म में 10 माह और चार हफ्ते की कैद की सजा सुनाई गई है। समाचार चैनल 'न्यूज एशिया' की खबर के मुताबिक पी अशोकन पचान (57) ने एक नाबालिग को 'सेक्स टॉय' का इस्तेमाल करने और टेलीग्राम पर उसे आपत्तिजनक फिल्में भेजने का आरोप स्वीकार किया ।पचान को सजा सुनाए जाने में अश्लील फिल्में अपने पास रखने और नाबालिग के साथ यौन संबंध बनाने के आरोपों को भी मद्देनजर रखा गया। पचान की 15 वर्षीय लड़की से ऑनलाइन जान-पहचान हुई और उसने पैसे के बदले यौन गतिविधियों के लिए उससे मिलने की व्यवस्था की। उसने एक सेक्स टॉय के साथ उस पर यौन कृत्य करने के बदले 250 सिंगापुरी डॉलर लेने के बाद पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। अदालत में शुक्रवार को दलील दी गई कि पचान एक चैट ऐप्लिकेशन के माध्यम से छात्रा के संपर्क में आया। उसने पीड़िता से पूछा कि क्या वह काम करती है या स्कूली शिक्षा प्राप्त कर रही है। जब पीड़िता ने कहा कि वह पढ़ रही है, तो पचान ने कहा कि उन्हें बहुत सावधान होना होगा। खबर में अभियोजक द्वारा अदालत में दी गई दलील में कहा गया, 'पैसों के लालच में आकर, पीड़िता ने उसकी पेशकश स्वीकार कर ली।' बाद में दोनों ने पचान के घर में यौन गतिविधियों को अंजाम दिया। अभियोजक ने पचान के लिए कम से कम 11 से 13 माह की जेल की कैद मांगी थी। उनका तर्क था कि घटना के वक्त पीड़िता की उम्र 14 वर्ष और पचान की 56 वर्ष थी।

यूनिसेफ ने अफगानी लड़कियों के बाल विवाह के खतरे को लेकर चिंता जताई

काबुल। यूनिसेफ की कार्यकारी निदेशक हेनरीएटा फोर ने युद्धग्रस्त देश में अफगान लड़कियों के बाल विवाह के बढ़ते खतरे पर गहरी चिंता व्यक्त की है। उन्होंने एक बयान में कहा, हमें ऐसी विश्वसनीय रिपोर्ट मिली है कि परिवारों ने दहेज के बदले में भविष्य में शादी के लिए 20 दिन की छोटी बेटी की पेशकश की है। समाचार एजेंसी रिपोर्ट के अनुसार, नवीनतम राजनीतिक अस्थिरता से पहले भी, यूनिसेफ के भागीदारों ने अकेले हेरात और बडघिस प्रांतों में 2018 और 2019 में 183 बाल विवाह और बच्चों की बिक्री के 10 मामले दर्ज किए। उन्होंने कहा कि बच्चों की उम्र छह महीने से 17 साल के बीच है। संयुक्त राष्ट्र एजेंसी का अनुमान है कि 15-49 वर्ष की आयु की 28 प्रतिशत अफगान महिलाओं की शादी 18 वर्ष की आयु से पहले कर दी गई थी। कोविड -19 महामारी, चल रहे खाद्य संकट और सर्दियों की शुरुआत ने परिवारों के लिए गंभीर स्थिति को और बढ़ा दिया है, उन्हें बच्चों को काम पर रखने और कम उम्र में लड़कियों की शादी करने जैसे हताश विकल्प बनाने के लिए मजबूर किया है। फोर ने कहा कि चूंकि अधिकांश किशोर लड़कियों को अभी भी स्कूल जाने की अनुमति नहीं है, इसलिए बाल विवाह का जोखिम अब और भी अधिक है।

तुर्की ने इराक, सीरिया, यमन के नागरिकों के बेलारूस जाने पर लगाया प्रतिबंध

अंकारा। तुर्की नागरिक उड्डयन प्राधिकरण ने घोषणा की है कि इराक, सीरिया और यमन के नागरिकों को तुर्की से बेलारूस के लिए उड़ान भरने की अनुमति नहीं होगी। समाचार एजेंसी रिपोर्ट के अनुसार, यूरोपीय संघ (ईयू)-बेलारूस सीमा पर वर्तमान में विकसित हो रहे प्रवासी संकट के बीच यह घोषणा की गई। विमान प्राधिकरण ने कहा, यूरोपीय संघ और बेलारूस के बीच अवैध सीमा पार की समस्या के कारण, यह निर्णय लिया गया है कि इराक, सीरिया और यमन के नागरिक, जो तुर्की के हवाई अड्डों से बेलारूस की यात्रा करना चाहते हैं, उन्हें टिकट खरीदने या बोर्डिंग करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। पोलैंड और फिर जर्मनी में शरण लेने के लिए हजारों शरणार्थी सीमा के बेलारूसी हिस्से में जमा हो रहे हैं। बेलारूस पर पोलिश सीमा पार करने के लिए दुनिया के विभिन्न युद्ध क्षेत्रों से भागने वाले लोगों को प्रोत्साहित करने का आरोप लगाते हुए, यूरोपीय संघ ने कहा कि यह बेलारूस के खिलाफ नए प्रतिबंध लगा सकता है, जो देश में शरण चाहने वालों को परिवहन करने वाली एयरलाइन कंपनियों को भी कवर करेगा। इस खबर पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कि तुर्की एयरलाइंस उन प्रतिबंधों से प्रभावित हो सकती है, जिसमें विदेश मंत्रालय ने गुरुवार को कहा कि अंकारा ने एक समस्या के हिस्से के रूप में चित्रित करने से इनकार कर दिया, जिसमें यह एक पार्टी नहीं है। हमें यह लगता है कि तुर्की एयरलाइंस जैसी विश्व स्तर पर प्रमुख कंपनी को लक्षित किया जाता है।

लेबनान में बिगड़े हालात, तेजी से बढ़ रही गरीबी; संयुक्त राष्ट्र ने जताई चिंता

बेरूत। (एजेंसी)।

संयुक्त राष्ट्र के एक विशेषज्ञ ने शुक्रवार को लेबनान संकट पर चिंता जताते हुए कहा कि लेबनान एक असफल देश है, उसने अपने लोगों को भी उन संकटों से जूझते हुए छोड़ दिया है जिनके कारण आबादी गरीब हो गयी है तथा अधिकारियों में विश्वास कम हो गया है। गरीबी पर संयुक्त राष्ट्र के विशेष दूत ओलिवियर डी शूटर ने लेबनान की 12-दिवसीय यात्रा के अंत में यह चिंता जताई। 'एसोसिएटेड प्रेस' के साथ साक्षात्कार में उन्होंने कहा कि यह महत्वपूर्ण है कि लेबनानी राजनेताओं को एहसास हो कि वे विदेशी सहायता और मानवीय सहायता पर अनिश्चित काल तक भरोसा नहीं कर सकते। डी शूटर ने कहा कि सरकार को 60 लाख की आबादी वाले इस देश में गरीबों की रक्षा में मदद के लिए कदम उठाने में अब भी देर नहीं हुई है। इनमें 10 लाख सीरियाई शरणार्थी शामिल हैं।

लेबनान में आर्थिक संकट को 150 वर्षों में दुनिया में सबसे खराब संकट में से एक के रूप में वर्णित किया गया है। इसने कुछ ही महीनों में आधी से अधिक आबादी को गरीबी में डुबो दिया है, राष्ट्रीय मुद्रा लगातार कमजोर हुई है और मुद्रास्फीति तथा बेरोजगारी बढ़ती गई। डी शूटर ने आगामी पीढ़ी की ''बर्बादी'' की ओर इशारा करते हुए कहा कि डॉक्टरों, नर्सों और शिक्षकों ने देश छोड़ दिया है, गंभीर ईंधन संकट के बीच स्कूल फिर से खोलने के लिए संघर्ष की स्थिति बनी हुई है और सबसे गरीब परिवार के लोग अपनी बेटियों की जल्दी शादी करने या अपने बच्चों को मंदी से निपटने के लिए काम पर भेजने के लिए मजबूर हैं। राजनीतिक संकट के कारण करीब एक साल से अधिक समय तक सरकार नहीं थी, जिसके बाद सितंबर में प्रधानमंत्री नजीब मिकाती के मंत्रिमंडल का गठन किया गया था। लेकिन असहमतियों ने एक बार फिर सरकार को पंगु बना दिया है और हफ्तों से कैबिनेट की बैठक नहीं हो पाई है। डी शूटर का मिशन पूर्व में मध्यम आय वाले इस देश के तेजी से गरीबी की गर्त में जाने की वजह तलाशने के लिए सरकार की योजनाओं का आकलन करना था। उन्होंने कहा कि सरकार के पास गंवाने के लिए वक्त नहीं है। उन्होंने कहा, ''अक्सर मुझे जो जवाब मिलते थे, वे लेबनान की आबादी को मानवीय सहायता, अंतरराष्ट्रीय दाताओं से सहयोग की आवश्यकता के संदर्भ में होते थे। हालांकि यह एक दीर्घकालिक रणनीति नहीं है।'' उन्होंने कहा, ''हम जानते हैं कि इस सरकार के पास सुधारों को शुरू करने और लागू करने के लिए सीमित समय है।''

डी शूटर ने यह भी कहा कि विश्व बैंक जैसे अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थानों से वित्त पोषण पर निर्भर सामाजिक सुरक्षा वर्तमान में आबादी का केवल दसवां हिस्सा कवर करती है। उन्होंने कहा कि देश के निराश्रितों की रक्षा के लिए एक राष्ट्रीय योजना होनी चाहिए, जो विदेशी सहायता पर निर्भर न हो। उन्होंने कहा कि वह संयुक्त राष्ट्र को सुधारों पर सहायता की शर्त, सामाजिक सुरक्षा का विस्तार करने और सार्वजनिक वित्त का बेहतर उपयोग करने की सलाह देंगे। डी शूटर ने कहा, ''अगर इन सुधारों को लागू नहीं किया जाता है तो मानवीय सहायता में पैसा लगाने का कोई मतलब नहीं है।'' सरकार ने कहा है कि एक सुधार योजना के लिए वह अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के साथ बातचीत को प्राथमिकता दे रही है, लेकिन लेबनान की सरकार एक बार फिर आंतरिक लड़ाई में घिरी है। सऊदी अरब ने लेबनान के सूचना मंत्री जॉर्ज कोर्डाही के विवादास्पद बयान के बाद बेरूत से अपने राजदूत को वापस बुला लिया है और लेबनानी दूत को देश छोड़ने के लिए कहा है। इसने लेबनान के आयात पर भी प्रतिबंध लगा दिया है। बहरीन, संयुक्त अरब अमीरात और कुवैत ने भी अपने शीर्ष राजनयिकों को लेबनान से बुला लिया है, जिससे विवाद गहरा गया है। कोर्डाही शुक्रवार को अपने पद पर अड़े हुए दिखाई दिए और कहा कि इस बात की कोई गारंटी नहीं है कि उनके इस्तीफे से विवाद सुलझ जाएगा। कोर्डाही ने यमन में सऊदी अरब की लड़ाई को ''बेतुका और आक्रामक'' बताया था, जहां सऊदी अरब ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों के खिलाफ लड़ाई लड़ रहा है।

भारत का अनाज पहुंचेगा अफगानिस्तान, पाकिस्तान के रास्ते जाने के लिए इमरान खान करेंगे विचार

इस्लामाबाद।(एजेंसी)।

प्रधानमंत्री इमरान खान ने शुक्रवार को कहा कि वह पाकिस्तान के जरिए भारतीय गेहूं के पारगमन को अनुमति देने के अफगानिस्तान के अनुरोध पर विचार करेंगे और उन्होंने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से युद्धग्रस्त देश के लोगों के सामने आ रहे मानवीय संकट को रोकने के लिए अपनी सामूहिक जिम्मेदारी निभाने का आग्रह किया। उनकी ये टिप्पणियां तब आयी है जब अफगानिस्तान के विदेश मंत्री आमिर खान मुत्तकी अपनी पहली विदेश यात्रा पर बुधवार को यहां पहुंचे और वह 20 सदस्यीय उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे हैं।

खान ने कहा, ''हम भारतीय गेहूं को पाकिस्तान के जरिए जाने देने के अपने अफगान भाइयों के अनुरोध पर भी विचार करेंगे।'' प्रधानमंत्री कार्यालय ने ट्वीट किया, ''प्रधानमंत्री ने यह बताया कि मौजूदा संदर्भ में पाकिस्तान, भारत द्वारा दिए गए गेहूं को मानवीय उद्देश्यों के लिए असाधारण आधार पर पाकिस्तान से गुजरने देने के अफगान भाइयों के अनुरोध पर विचार करेगा।'' भारत ने अफगान लोगों की मानवीय मदद देने में योगदान दिया है। इसमें पिछले दशक से लेकर अब तक

अफगानिस्तान को 10 लाख मीट्रिक टन से अधिक गेहूं देना भी शामिल है।

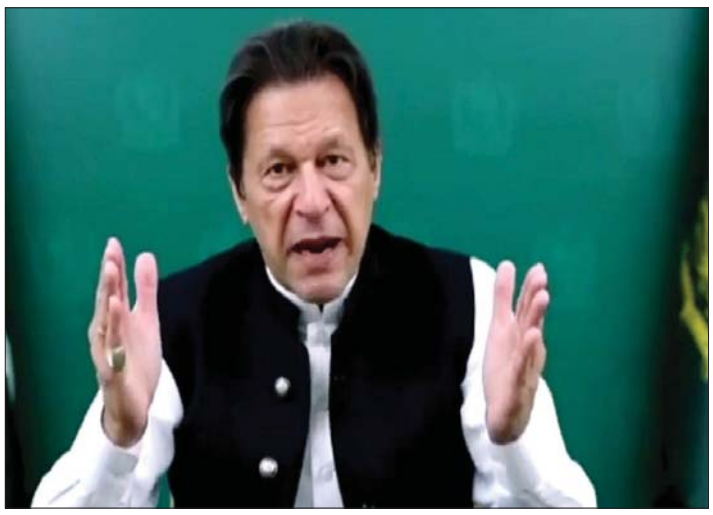

फ्रांस के राष्ट्रपति भवन में हुआ महिला सैनिक के साथ बलात्कार, आरोपी को पद से हटाया गया

नई दिल्ली(एजेंसी)।

फ्रांस के अधिकारी राष्ट्रपति आवास एलिसी पैलेस में इस साल की शुरुआत में एक महिला सैनिक से काथ बलात्कार किया गया। बता दें कि, मामले की जांच की जा रही हैं। इसकी जानकारी पेरिस अभियोजक कार्यालय ने शुक्रवार को दी है।एसोसिएटेड प्रेस से वार्ता करते हुए अभियोजक कार्यालय ने बताया कि, मामले की जांच 12 जुलाई को शुरू हुई थी। हालांकि, मीडिया में खबरों की तत्काल पुष्टि नहीं की गई है। गौरतलब है कि, पैलेस की सुरक्षा में तैनात महिला सैनिक ने आरोप लगाया था कि एक जुलाई को एक कर्मचारी ने उसके साथ बलात्कार किया था। फ्रांस की मीडिया ने यह खबर दी थी कि जब यह वारदात हुई उस वक्त राष्ट्रपति एमैनुअल मैक्रों पैलेस में नहीं थे, बल्कि उस दिन शाम को हुए एक कार्यक्रम में शरीक हुए थे। मैक्रों एलिसी पैलेस में रहते हैं। पेरिस अभियोजक कार्यालय ने कहा कि आरोपी से सहायता प्राप्त गवाह के तौर पर पूछताछ की गई है। इसका अर्थ है कि उससे ऐसे संदिग्ध के तौर पर पूछताछ नहीं की गई, जो संभावित आरोपों का सामना कर रहा हो।

आरोपी को हटाया गया पद से

एलिसी पैलेस में हुए बलात्कार मामले में आरोपी को पद से हटा दिया गया है और अधिकारी न्यायिक जांच के निष्कर्ष का इंतजार कर रहे है। अगर आरोप सही हुए तो आरोपी पर फिर आगे की कार्रवाई कर बड़ा फैसला लिया जाएगा। एक अन्य मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, आरोपी उस दिन पार्टी से लौटा था जिसमें राष्ट्रपति मैक्रों शामिल हुए थे। उसने पार्टी के दौरान काफी शराब पी ली थी।

राजा की तरह तैयार होकर सड़कों पर कंडोम बांटता है यह शख्स, वजह जानकर आप भी कहेंगे वाह!

नई दिल्ली (एजेंसी)।

दुनिया का हर एक देश बढ़ती आबादी और जनसंख्या नियंत्रण के लिए जरूरी कदम उठाते है। जनसंख्या काबू में करने के लिए सरकार कई तरह के जागरूकता अभियान भी चलाते है लेकिन इसके बावजूद लोगों में जागरुकता की कमी रह जाती है। आज भी ऐसे कई देश है जहां लोगों को कंडोम की जानकारी ही नहीं है। नेशनल हेल्थ स्टैटिस्टिक की एक रिपोर्ट के अनुसार, साल 2011 से 2015 तक केवल 15 साल से 44 साल के उम्र के केवल 33.7 फीसदी पुरूष ही कंडोम का इस्तेमाल करते थे। कंडोम की जानकारी प्राप्त करने में लोगों के बीच हिचकिचाहट आना भी एक बड़ी समस्या है।

इसी को देखते हुए अब केनिया से एक खबर सामने आ रही है जहां एक शख्स लोगों के अंदर से कंडोम को लेकर हो रही झिझक और शर्म को खत्म करने में लगा हुआ है। इस शख्स का नाम है स्टैन्ली गारा (स्र्ळड्ढठ्ठद्य4 ह्यद्दड्डह्ड्ड) जो कि केन्या में किंग के नाम से मशहूर है। यह किंग अपनी प्रजा के लोगों को कंडोम बांटता है। यह एकलौते शख्स है जो कंडोम किंग के नाम से मशहूर है और यह नायरोबी की गलियों में घूम-घूम कर हर एक शख्स को कंडोम देते है।

क्यों बांटते हैं निरोध?

अफ्रीका के लोगों में जागरुकता फैलाने के लिए स्टैन्ली गारा ने यह जिम्मा अपने सिर पर लिया है। बता दें कि, अफ्रीका में हर साल लाखों लोगों को एड्स होता है जिसके कारण कई लोगों की मौत हो जाती है। स्टैन्ली गारा के दोस्त की भी मौत एड्स से हुई थी जिसके बाद से उन्होंने लोगों के अंदर जागरुकता फैलाने का ठेका अपने हाथों लिया।

राजा की तरह होते हैं तैयार स्टैन्ली गारा

बता दें कि, स्टैन्ली गारा राजा की तरह तैयार होते है और फिर लोगों को सड़को पर घूम-घूम कर कंडोम बांटते हैं। वह इसके अलावा लोगों को जागरुक भी करते हैं। वह एचआईवी बीमारी के साथ-साथ एबॉर्शन की मुश्किलों को लेकर भी जागरुक फैलाते है।

भारत आ रहे मोदी के दोस्त पुतिन, कई अहम रक्षा समझौतों पर कर सकते हैं हस्ताक्षर

नई दिल्ली (एजेंसी)।

रूस और भारत में करीबी का एक समृद्ध इतिहास रहा है। पिछले 10 सालों में वैश्विक स्तर पर कई चीजें उलट-पुलट हुई हैं। रूस की पाकिस्तान के साथ नजदीकियां भी कुछ हद कर बढ़ी। लेकिन अब भारत रूस संबंधों के नए द्वार एक बार फिर खुलने की दिशा में कदम बढ़ने वाले हैं। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन 6 दिसंबर को भारत की यात्रा पर आ सकते हैं। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार पुतिन भारत से अहम रक्षा समझौते पर हस्ताक्षर कर सकते हैं। रूस से डील के बाद आर्कटिक इलाके में भारत की उपस्थिति और मजबूत हो जाएगी।

रूस के साथ टू प्लस टू

ये पहला मौका होगा 2018 के बाद कि पुतिन भारत आएंगे। कोविड महामारी के दौरान भारत की मदद की गई थी, उसी समय ये तय किया गया था कि रूस के राष्ट्रपति भारत आएंगे। इसके बाद चाहे वो एस-400, एके 203 व अन्य रक्षा सौदे के अलावा टू प्लस टू अगली कड़ी होगी। कहां ये जा रहा था कि प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति पुतिन की बैठक के बाद जब वो आएंगे उसके बाद रूस के साथ टू प्लस टू होगा। पहला मौका होगा क्वाड के बाहर के किसी देश के साथ भारत टू प्लस टू करने जाएगा।

आर्कटिक इलाके में उपस्थिति होगी मजबूत

भारत और रूस का सहयोग चाहे वो इकोनॉमिक फॉर्म में हो या रक्षा के क्षेत्र में उसे कैसे आगे बढ़ाना है उसको लेकर बातचीत हो सकती है। पुतिन की इस यात्रा के ऐलान से यह साबित हो गया है कि रूस के लिए भारत के साथ रिश्?ते कितने महत्?वपूर्ण हैं। इस दौरे पर रूस और भारत के बीच एक समझौता हो सकता है जिसके तहत भारतीय नौसेना को आर्कटिक इलाके में उपस्थिति दर्ज कराने का मौका मिल जाएगा। माना जाता है कि हिंद प्रशांत के बाद आर्कटिक ही दुनिया का अगला जंग का मैदान बनने जा रहा है।

ग्लासगो जलवायु सम्मेलन में छाया रहा कोयला और नकद का मुद्दा

ग्लासगो। ग्लासगो में संयुक्त राष्ट्र की जलवायु परिवर्तन पर चर्चा शुक्रवार को तय समय से अधिक देर तक चली। वार्ता के लिए एकत्रित हुए वार्ताकार अब भी कोयले का इस्तेमाल चरणबद्ध तरीके से समाप्त करने पर आम राय बनाने की कोशिश कर रहे हैं, वहीं विकासशील देशों के अनुसार अमीर राष्ट्रों को अपने उत्सर्जन-कटौती के वादों और विशेष रूप से आर्थिक मदद के संकल्प को पूरा करने की आवश्यकता है। मध्य अफ्रीकी देश गैबॉन के वन मंत्री ली व्हाइट ने कहा कि बातचीत में ''गतिरोध'' बना हुआ है और यूरोपीय संघ के समर्थन से अमेरिका बातचीत को रोक रहा है। लंबे समय से वार्ता के पर्यवेक्षक रहे जलवायु और ऊर्जा क्षेत्र से जुड़ी विचारक समूह (थिंक-टैंक) पावर शिफ्ट अफ्रीका के मोहम्मद एडो ने कहा कि जिस तरह से ब्रिटेन ने मसौदे तैयार किए हैं, वह ''सम्पन्न देशों'' की वार्ता बन गई है।

मसौदा में जो प्रस्तावित किया गया है उसे गरीब देश स्वीकार नहीं कर सकते। बैठक के मेजबान ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन के प्रवक्ता ने कहा कि उनका मानना है, ''एक महत्वाकांक्षी परिणाम मिलने की उम्मीद है।'' अपने चीनी समकक्ष के साथ देर रात की बैठक के बाद और भारत के मंत्री से बातचीत से पहले अमेरिकी जलवायु दूत जॉन केरी ने शुक्रवार रात कहा कि जलवायु वार्ता में ''निरंतर प्रयास जारी है।'' चीनी जलवायु दूत जी झेंहुआ ने केरी से कहा, ''मुझे लगता है कि वर्तमान मसौदा किसी नतीजे पर पहुंचने के अधिक करीब है।'' स्थानीय समयानुसार शाम छह बजे तक कोई समझौता नहीं हुआ। शुक्रवार को तीन मुद्दे लोगों को नाखुश कर रहे थे - नकद, कोयला और समय। गरीब देशों को जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए वित्तीय सहायता का प्रश्न एक महत्वपूर्ण मुद्दा बना हुआ है। सम्पन्न राष्ट्र सहमति के अनुरूप उन्हें 2020 तक सालाना 100 अरब अमेरीकी डॉलर देने में विफल रहे, जिससे वार्ता के दौरान विकासशील देशों में काफी नाराजगी थी। मसौदा उन चिंताओं को दर्शाता है जिसमें गहरा ''खेद'' जताया गया है कि 100 अरब अमेरीकी डॉलर का लक्ष्य पूरा नहीं किया जा सका और अमीर देशों से उत्सर्जन को कम करने और गरीब देशों के लिए अपने वित्त पोषण को बढ़ाने का आग्रह किया गया है। गरीब देशों का कहना है कि अफसोस काफी नहीं है।

जलवायु विज्ञान और नीति विशेषज्ञ तथा बांग्लादेश में जलवायु परिवर्तन और विकास के लिए अंतरराष्ट्रीय केंद्र के निदेशक सलीमुल हक ने कहा, ''उन्हें (अमीर देशों को) दाता देश न कहें। वे प्रदूषक हैं। उन पर यह पैसा बकाया है।'' मसौदे में जलवायु परिवर्तन के विनाशकारी प्रभावों का सामना करने वाले गरीब देशों को सहायता के मौजूदा स्रोतों का इस्तेमाल करने में मदद करने के लिए एक क्षतिपूर्ति कोष बनाने का भी प्रस्ताव है। लेकिन अमेरिका जैसे समृद्ध राष्ट्र, जो ऐतिहासिक रूप से मानव-जनित हरित गैस उत्सर्जन का सबसे बड़ा स्रोत रहे हैं, गरीब देशों को क्षतिपूर्ति करने के लिए किसी भी कानूनी दायित्व के विरोध में हैं। शिखर सम्मेलन में छोटे द्वीपों के गठबंधन के लिए प्रमुख वार्ताकार लिया निकोलसन ने कहा कि विकासशील देशों और चीन की इस पर ''एकजुट स्थिति'' रही है। शुक्रवार के

मसौदे में देशों से ''कोयले से बिजली उत्पादन को चरणबद्ध तरीके से कम करने और जीवाश्म ईंधन के लिए सब्सिडी'' में तेजी लाने का आह्वान किया गया। केरी ने कहा कि वाशिंगटन वर्तमान मसौदे का समर्थन करता है। ऑस्ट्रेलिया और भारत जैसे देशों ने जल्द ही किसी भी समय कोयले के इस्तेमाल को खत्म करने के आह्वान का विरोध किया है। वैज्ञानिक 2015 के पेरिस समझौते के अनुसार ग्लोबल वार्मिंग को 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित करने के लक्ष्य के लिए जीवाश्म ईंधन के उपयोग को जल्द से जल्द समाप्त करने की आवश्यकता से सहमत हैं। नेताओं, कार्यकर्ताओं और वैज्ञानिकों की कड़ी चेतावनी के बीच 31 अक्टूबर को लगभग 200 देशों के वार्ताकार ग्लासगो में ग्लोबल वार्मिंग पर चर्चा के लिए एकत्रित हुए हैं।

सुविचार हज़ार योद्धाओं पर विजय पाना आसान है, लेकिन जो अपने ऊपर विजय पाता है वही सच्चा विजयी है। - गौतम बुद्ध

संपादकीय

सख्ती सराहनीय

दिल्ली में पर्यावरण चिंता के साथ-साथ शर्म की भी एक बड़ी वजह है। प्रदूषण की पराकाष्ठा एक तरह से पराजय है, जिसे स्वीकार किए बिना सुधार की गुंजाइश नहीं है। ऐसे में, दिल्ली सरकार ने राष्ट्रीय भवन निर्माण निगम लिमिटेड (एनबीसीसी) पर जो जुर्माना लगाया है, वह स्वागतयोग्य है। पूर्वी दिल्ली के कड़कड़डूमा में एक परियोजना में धूल नियंत्रण नियमों का उल्लंघन करने के लिए पांच लाख रुपये का जुर्माना एक ऐसा कदम है, जिसे उदाहरण माना जा सकता है। दिल्ली सरकार ने धूल रोधी अभियान के दूसरे चरण की शुरुआत की है, जो 12 दिसंबर तक चलेगा। भला हो कि एनबीसीसी की एक परियोजना का निरीक्षण किया गया और पाया गया कि कुछ स्थानों पर धूल नियंत्रण के उपाय नहीं किए गए हैं। अव्वल तो दिल्ली में धूल के प्रकोप को रोकने के लिए शुरू किए गए इस अभियान की प्रशंसा करनी चाहिए, लेकिन इससे कई सवाल भी खड़े होते हैं। क्या यह काम पहले ही नहीं हो सकता था? क्या सरकार भवन निर्माताओं और धूल पैदा करने वाले अन्य कृत्यों पर पहले ही अंकुश नहीं लगा सकती थी? सवालों के बावजूद यह सख्ती सही दिशा में उठाया गया कदम है। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री ने कहा है कि सभी सरकारी विभागों को धूल रोधी प्रकोष्ठ बनाने और धूल रोधी संयुक्त कार्ययोजना को अमल में लाने के लिए दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति के साथ समन्वय में काम करना होगा। दुनिया देख रही है, दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में स्मॉग की समस्या और बढ़ गई है। कई जगह ऐसी स्थिति है कि 200 मीटर के बाद कोई चीज दिख नहीं रही है। राजधानी में नवंबर की शुरुआत से ही प्रदूषण के स्तर में वृद्धि से लोगों को परेशानी हो रही है। बीमारियों के संक्रमण के दौर में प्रदूषण से खासकर बुजुर्गों और सांस की तकलीफ वाले लोगों के लिए सांस लेना भी मुश्किल है। सब जानते हैं, हर साल 1 नवंबर से 15 नवंबर के बीच दिल्ली में लोगों को बेहद दूषित हवा में सांस लेनी पड़ती है। वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 450 के भी ऊपर चला जाता है। प्रदूषण कारक कण पीएम 2.5 की मात्रा 350 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर तक पहुंच जाती है। मतलब, हम कह सकते हैं कि राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में प्रदूषण अपनी सामान्य सीमा से करीब छह गुना ज्यादा हो जाता है। और तो और, इस मौसम में हवा भी धीमी रफ्तार से बहती है या लगभग ठहर सी जाती है, तो शहर में भर आया प्रदूषण बाहर नहीं निकल पाता है। लोगों के लिए खतरा बढ़ जाता है। इसमें कोई संदेह नहीं कि प्रदूषण निवारण के लिए सरकारों को सख्ती बरतते हुए आगे आना चाहिए। दिल्ली सरकार ने एक कदम उठाया है, लेकिन क्या यही एक कदम पर्याप्त है? बड़े पैमाने पर उन लोगों और संस्थानों पर जुर्माना लगाने की जरूरत है, जो तय मानकों का लगातार उल्लंघन कर रहे हैं। सरकारों को अपने सभी विभागों को निर्देश देना चाहिए कि सब अपने-अपने स्तर पर प्रदूषण में कमी लाने की पहल करें। जो लोग समझ नहीं रहे हैं, उन पर सख्ती ही बेहतर विकल्प है। तरह-तरह से प्रयास हुए हैं, सरकारों ने भी अपनी ओर से अभियान चलाए हैं, लेकिन उनमें कहीं न कहीं ईमानदारी की कमी है, दिखावा भी खूब हुआ है। वक्त आ गया है कि प्रदूषण फैलाने के लिए जिम्मेदार लोगों को कठघरे में खड़ा किया जाए।

बुद्धिमानी

जग्गी वासुदेव

फ्रेंच क्रांति के तुरंत बाद की बात है, फ्रेंच लोगों ने सिर काटने वाली एक मशीन 'गिलोटाईन' बनाई। वह बहुत सफाई से सिर काटती थी। जब ऐसी मशीन बनी तो वे उसका उपयोग भी ज्यादा से ज्यादा करना चाहते थे। जब भी उन्हें कोई सिर दिखता तो वे उसे काट डालना चाहते थे। एक दिन वहां तीन लोगों को मारने के लिए लाया गया-एक वकील, एक पादरी और एक इंजीनियर। उन्होंने वकील को तख्ते पर लिटाया, उसके सिर पर टोप पहनाया और ब्लेड खींचा लेकिन वह नीचे नहीं गिरा। किसी तकनीकी खराबी की वजह से। कानून के अनुसार उन्हें उसको तुरंत मारना था और ऐसा नहीं हो सका तो अब उसको प्रतीक्षा करने की यातना सहनी पड़ी, जिसका मतलब था कि वह उन पर अदालत में मुकदमा कर सकता था। तो उन्होंने उसे जाने दिया। फिर उन्होंने पादरी को तख्ते पर लिटाया और ब्लेड खींचा। फिर भी कुछ नहीं हुआ। अब उन्हें लगा कि यह कोई दैवी इशारा है, और उन्होंने उसे भी जाने दिया। अब बारी इंजीनियर की थी और वह बोला कि उसे टोप पहनाए बिना ही मारा जाए। जब वह नीचे लेटा और उसने ऊपर देखा तो बोल पड़ा,''अरे, मैं तुम्हें बताता हूं कि इसमें क्या समस्या है'? तो आजकल मनुष्य का तर्क इसी तरह से काम कर रहा है। यह उस बुद्धिमानी का विकृत रूप हो गया है, जो हमारे अंदर और सबके अंदर सृष्टि का स्रेत है। सब कुछ जिसे आप छूते हैं-खाने के लिए भोजन, सांस लेने की हवा, वह पृथ्वी जिस पर हम चलते हैं, और वह सारा आकाश जिसमें हम हैं-हर एक चीज में सृष्टिकर्ता का हाथ है, और इसे हर वह व्यक्ति स्पष्ट रूप से समझ सकता है, जो इस तरफ पर्याप्त ध्यान देता है। एक मनुष्य जो सबसे बड़ा काम कर सकता है, वह है कि वह इस बुद्धिमानी के साथ लय में रहे और यह सुनिश्चित करे कि वह सृष्टिकर्ता के काम को विकृत न करे। 'इस तरह क्या मैं अपना जीवन जी सकता हूं? क्या मैं जो चाहता हूं वह कर सकता हूं'? आप जो चाहें कर सकते हैं,वह भी सृष्टिकर्ता के काम को विकृत किए बिना इसके लिए आपको बस सृष्टिकर्ता के काम के साथ लय में होना होगा। यदि आप उसके साथ लय में नहीं हैं, तो आप अपने आप में एक अलग बुद्धिमान बन जाएंगे। सृष्टि में आपकी ऐसी बुद्धिमानी के लिए कोई स्थान नहीं है।

बच्चों को कैसा साहित्य परोस रहे हैं हम?

योगेश कुमार गोयल

जब भी हम बच्चों के बारे में कोई कल्पना करते हैं तो सामान्य रूप से एक हंसते-खिलखिलाते बच्चे का चित्र हमारे मन-मस्तिष्क में उभरता है लेकिन कुछ समय से बच्चों की यह हंसी, खिलखिलाहट और चुलबुलापन जैसे भारी-भरकम स्कूली बस्तों के बोझ तले दबता जा रहा है। पहले बच्चों का अधिकांश समय आउटडोर गेम्स अथवा एक्टिविटीज में ही बीतता था, हमउम्र बच्चों के बीच खेलकर उनका मानसिक एवं शारीरिक विकास भी तेजी से होता था लेकिन अब बच्चों के खेल घर की चारदीवारी में ही सिमटकर रह गए हैं। कोरोना महामारी के कारण लंबे समय से बंद स्कूलों ने तो बच्चों के मन-मस्तिष्क पर काफी बुरा असर डाला है। ऑनलाइन पढ़ाई के कारण अधिकांश बच्चे सारा समय घर की चारदीवारी में कैद होने के कारण अब टीवी और मोबाइल फोन के आदी हो गए हैं। नतीजा, इंटरनेट पर ऊलजलूल कार्यक्रम देखकर और हिंसात्मक गेम खेलकर बच्चों में हिंसात्मक व्यवहार और आक्रामकता बढ़ रही है। तरह-तरह की बीमारियां भी बचपन में ही बच्चों को अपनी चपेट में लेने लगी हैं।जहां तक बच्चों के प्रति हमारे समाज की जिम्मेदारियों की बात है तो बाल साहित्य का मामला हो या बाल फिल्मों का, हमारे यहां बच्चे सदैव ही उपेक्षित रहे हैं। प्रेम कहानियों और भूत-प्रेतों पर आधारित फिल्मों की तो हमारे यहां भरमार रहती है लेकिन कोई भी फिल्मकार अपने देश की बगिया के इन महकते फूलों की सुध लेना जरूरी नहीं समझता। जहां 'होम अलोन', 'चिकन रन' और 'हैरी पॉटर' जैसी विदेशी बाल फिल्में विदेशों के साथ-साथ भारतीय बच्चों द्वारा भी बहुत पसंद की जाती रही हैं, वहीं हमारे यहां ऐसी फिल्मों का सर्वथा अभाव रहता है, जिनसे बच्चों का स्वस्थ मनोरंजन हो और उन्हें एक नई प्रेरणा एवं दिशा मिल सके। प्रेमकथा पर आधारित या हिंसा और अश्लीलता से भरपूर फिल्में बनाकर मोटा मुनाफा कमा लेने की प्रवृत्ति ने ही अधिकांश फिल्मकारों को बाल फिल्में बनाने की दिशा में निरुत्साहित किया है। कुछ ऐसा ही हाल बाल साहित्य के मामले में भी है। बच्चों के मानसिक और व्यक्तित्व विकास में बाल साहित्य की बहुत अहम भूमिका होती है। बच्चों में आज नैतिक मूल्यों का जो अभाव देखा जा रहा है, उस अभाव को प्रेरणादायक बाल साहित्य के जरिये आसानी से भरा जा सकता है किन्तु अगर कोई बच्चा आज स्कूली किताबों से अलग कुछ अच्छा साहित्य पढ़ना भी चाहे तो उसे समझ ही नहीं आता कि आखिर वह पढ़े तो क्या पढ़े क्योंकि बच्चों के लिए सार्थक, सकारात्मक और प्रेरक साहित्य की कमी अब बहुत अखरने लगी है। आज जो बाल साहित्य रचा जा रहा है, वह बाल मन, बाल समझ या बाल मानसिकता से काफी दूर नजर आता है। बच्चों के लिए ऐसे स्तरीय बाल साहित्य का सर्वथा अभाव खटकता है, जिसके जरिये बाल मन के सवालों के जवाब रचनात्मक साहित्य के जरिये बच्चों को रोचक तरीके से मिल सकें और वे अनायास ही ऐसे साहित्य की ओर उन्मुख होने लगें। ऐसे स्तरीय बाल साहित्य की कमी के भयावह दुष्परिणाम बच्चों में बड़ों के प्रति सम्मान की कम होती भावना और हिंसा की प्रवृत्ति बढ़ते जाने के रूप में हमारे सामने आने भी लगे हैं। विदेशी साहित्यकारों की 'हैरी पॉटर' जैसी किताबें, जो खासतौर से बच्चों को ही ध्यान में रखकर लिखे गए जादुई कारनामों की वजह से दुनियाभर के बच्चों को आकर्षित कर सकती हैं, भारतीय बच्चों को भी अपना दीवाना बनाने में सक्षम हो जाती हैं लेकिन हमारे यहां ऐसा बाल साहित्य न के बराबर ही देखने को मिलता है, जिसके प्रति बच्चे इतने उत्साह के साथ आकर्षित हो सकें। छोटे पर्दे पर प्रसारित हो रहे कार्टून चैनलों की बात करें तो अधिकांश कार्टून चैनल्स की कहानियां ऐसी होती हैं, जिनसे बच्चों को कोई अच्छी सीख मिलने के बजाय उनमें आक्रामकता की भावना ही विकसित होती है। मनोवैज्ञानिक डॉ. वंदना प्रकाश कहती हैं कि मारधाड़ वाली फिल्मों और विभिन्न टीवी चैनलों पर प्रसारित होने वाले कार्यक्रमों के साथ-साथ ऐसे कार्टून नेटवर्क भी बच्चों में आक्रामकता बढ़ाने में ही अहम भूमिका निभा रहे हैं। इसके अलावा माता-पिता के बीच आए दिन होने वाले झगड़े भी बच्चों का स्वभाव उद्दंड एवं आक्रामक बनाने के लिए खासतौर से जिम्मेदार होते हैं। आज हम बच्चों के लिए कैसा बाल साहित्य परोस रहे हैं, इस बारे में एक वरिष्ठ बाल साहित्यकार कहते हैं कि आजकल बच्चों के लिए जो किताबें या पत्रिकाएं मिलती हैं, उनकी छपाई, सफाई और चित्रांकन तो बहुत सुंदर व आकर्षक होता है तथा ये पत्रिकाएं बहुधा रंगीन होती हैं, जिनके दाम भी बहुत ज्यादा नहीं होते लेकिन इनकी सामग्री उच्चस्तरीय नहीं होती। इन पत्रिकाओं में बाल पाठकों में नैतिक गुणों का विकास करने वाली सामग्री का अभाव अक्सर अखरता है। वह कहते हैं कि बच्चों के लिए छपने वाले अधिकांश सचित्र कॉमिक्स में प्रायः हास्य व्यंग्य से प्रसंग उपस्थित किए जाते हैं किन्तु ये प्रसंग बहुधा भौंडे किस्म के होते हैं। ये हमें हंसा तो देते हैं लेकिन संयत और अच्छे आचरण की ओर ले जाने वाले नहीं होते। एक उदाहरण देते हुए वह बताते हैं कि एक कॉमिक्स में चित्रांकन करके बताया गया है कि एक पंडित जी बाजार जा रहे हैं और एक दीवार पर कुछ शरारती बच्चे बैठे हैं, जो छतरी की डंडी या किसी तार से पंडितजी की चोटी को पकड़ने की कोशिश कर रहे हैं। यह दृश्य हंसाने के लिए तो उपयुक्त है किन्तु बाल पाठकों के मन में बड़ों के प्रति अनादर की भावना ही भरता है। एक निजी स्कूल की प्रिंसिपल सुधा वर्मा कहती हैं कि कुछ वर्ष पहले तक माता-पिता इस बात का खास ध्यान रखते थे कि उनका बच्चा क्या पढ़ रहा है? उस समय बच्चों द्वारा उपन्यास पढ़ना तो बहुत ही बुरा माना जाता था। सजग माता-पिता तब इस बात का खासतौर से ध्यान रखते थे कि कहीं बच्चा लुक-छिपकर उपन्यास तो नहीं पढ़ रहा है? सुधा कहती हैं कि अब यह बात न तो माता-पिता देखते हैं और न ही शिक्षक कि बच्चा क्या पढ़ रहा है। एक कॉलेज प्रोफेसर के मुताबिक छोटी उम्र में ही बच्चों पर किताबों का बोझ अब इस कदर बढ़ गया है कि उन्हें अब पहले की भांति खेलने-कूदने के लिए भी पर्याप्त समय नहीं मिल पाता। बच्चों के लिए छपने वाली पत्रिकाओं के बारे में अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करते हुए वह कहते हैं कि अब बाजार में अधिकांश ऐसी पत्रिकाएं ही नजर आती हैं, जिनके प्रकाशकों का मूल उद्देश्य इनके जरिये सिर्फ पैसा कमाना ही दिखाई देता है, उन्हें इस बात की कोई परवाह नहीं कि इन पत्रिकाओं का बाल पाठकों के मनोमस्तिष्क पर कैसा प्रभाव पड़ रहा है? कुल मिलाकर देखा जाए तो बच्चों के प्रति हम व हमारा समाज सही तरीके से अपनी भूमिका का निर्वहन नहीं कर पा रहे हैं। (लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

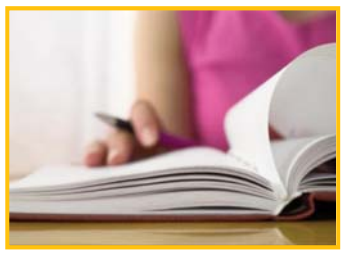

मध्यप्रदेश की नैसर्गिक विरासत है जनजातीय संस्कृति

- लक्ष्मीनारायण पयोधि

जनजातीय आबादी के मान से देश का सबसे बड़ा राज्य होने के कारण मध्यप्रदेश की सांस्कृतिक विरासत अत्यंत समृद्ध है। सच कहें तो यह संस्कृति इस प्रदेश की नैसर्गिक विरासत है,जिसमें निश्छल जीवन का आह्लाद और संघर्ष प्रतिबिंबित हैं।जनजातीय जीवन-शैली में आलोकित आनंद समूचे प्रदेश की ऊर्जा और उसका दैनंदिन संघर्ष सभी प्रदेशवासियों की प्रेरणा है। 'संस्कृति' शब्द अपने व्यक्तित्व की समग्रता में एक व्यापक अर्थबोध के साथ परिदृश्य में उपस्थित है।यह शब्द किसी एक व्यक्ति की नहीं, बल्कि समुदाय अथवा समाज की जीवनशैली,खानपान, परिधान,रहन-सहन,मान्यता, परंपरा, लोकविश्वास,धार्मिक आस्था,अनुष्ठान, पर्व-त्योहार,सामाजिक व्यवहार, नियम-बंधन, संस्कार, आजीविका के उद्यम आदि की विशेषताओं को प्रकट और रेखांकित करता है।इस पारिभाषिक स्थापना को जनजातीय संस्कृति के माध्यम से समझा जा सकता है। भौगोलिक दृष्टि से देश के केन्द्र में स्थित होने के कारण मध्यप्रदेश की सीमाएँ उत्तर प्रदेश,राजस्थान,गुजरात,महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ राज्यों को छूती हैं। पड़ोसी राज्यों से सांस्कृतिक समरसता के कारण उनके सबसे अधिक रंग मध्यप्रदेश के जनजातीय क्षेत्रों में बिखरे हैं।इसलिये इस प्रदेश की जनजातीय संस्कृति सप्तवर्णी इन्द्रधनुषी छटाओं से सुसज्जित है। अगर आपने कभी किसी जनजातीय क्षेत्र का प्रवास किया हो,वहाँ कुछ दिन ठहरने का अवसर मिला हो,या फिर आप किसी जनजाति बहुल गाँव के निवासी हों? तो आपकी स्मृति में यह मोहक दृश्य अवश्य अंकित होगा - ढोल की गमक के साथ निनादित मादल का उल्लासजटिमकी, ठिसकी, चुटकुलों, कुंडी, घंटी या थाली की संगत में दिशाओं को गुँजाती बाँसुरी की स्वर-लहरियाँ पाँवों में हवा के घुँघरू बाँधकर नृत्य-भंगिमाओं के साथ वृक्षों से लिपटतीं विभोर लताएँज.जंगल-पर्वत, नदी-झरनों का सम्मोहक संसार.रहस्यमय घाटियों से क्षितिज तक जाती टेढ़ी-मेढ़ी अनगढ़ पगडंडियाँ और इन सबके बीच धड़कता जनजातियों का संघर्षमय पर बिंदास जीवन। मध्यप्रदेश के अधिकांश जनजाति समुदाय प्राय- वनों के निकट निवास करते हैं।प्रकृति की रागात्मकता और लीला-मुद्राओं से उनका गहरा संबंध है। निसर्ग के लगभग सभी जीवनोपयोगी उपादान उनके आराध्य हैं। वे प्रकृति की छोटी से छोटी शक्ति में सर्वशक्तिमान की छवि पाते हैं। धरती, आकाश, सूरज, चंद्रमा, मेघ, वर्षा, नदी,पर्वत, वृक्ष, पशु, पक्षी, सर्प, केकड़े-यहाँ तक कि केंचुआ भी उनकी श्रद्धा का पात्र है, क्योंकि महादेव को धरती के निर्माण के लिये उसी के पेट से मिट्टी मिली थी। पशु-पक्षी और वनस्पतियों में से अनेक उनके गोत्र-देवता के रूप में पूज्य तो हैं ही। आस्था का यह निश्छल रूप ही अनुष्ठानों की प्रेरणा-भूमि है। पर्व-जात्रा, मेले-मड़ई, नृत्य-उत्सव, गीत-संगीत-सब परंपरा के रूप में आदिम आस्था का पीढ़ी-दर-पीढ़ी संतरण ही है। भील जनजाति समूह में हरहेलबाब या बाबदेव, मइड़ा कसूमर, भीलटदेव, खालूनदेव, सावनमाता, दशामाता, सातमाता, गोंड जनजाति समूह में महादेव, पड़ापेन या बड़ादेव,लिंगोपेन,ठाकुरदेव, चंडीमाई, खैरमाई, बैगा जनजाति में बूढ़ादेव, बाघदेव, भारिया दूल्हादेव, नारायणदेव, भीमसेन और सहरिया जनजाति में तेजाजी महाराज, रामदेवरा आदि की पूजा पारंपरिक रूप से प्रचलित है। पूजा-अनुष्ठान में मदिरा और पक्वान्न का भोग लगता है। भीलों के त्योहारों में गोहरी, गल, गढ़, नवई, जातरा तो. गोंडों में बिदरी, बकबंदी, हरढिली, नवाखानी, जवारा, छेरता, दिवाली आदि प्रमुख हैं। कोदो, कुटकी, ज्वार, बाजरा, साँवा, क्का, चना, पिसी, चावल आदि अनाज जनजाति समुदायों के भोजन में शामिल हैं।महुए का उपयोग खाद्य और मदिरा के लिये किया जाता है।आजीविका के लिये प्रमुख वनोपज के रूप में भी इसका संग्रहण सभी जनजातियाँ करती हैं।बैगा,भारिया और सहरिया जनजातियों के लोगों को वनौषधियों का परंपरागत रूप से विशेष ज्ञान है।बैगा कुछ वर्ष पूर्व तक बेवर खेती करते रहे हैं। जनजाति समुदायों के लोग अपने मकान प्राय:मिट्टी, पुआल, लकड़ी, बाँस, खाई, खपरैल, छींद या ताड़ पत्तों का उपयोग कर बनाते हैं। मकान अमूमन 30-35 फुट लंबा और 10-12 फुट चौड़ा होता है। कहीं-कहीं मकान के बीच में आँगन भी होता है। घर के एक हिस्से में गोशाला भी होती है। बकरियों के लिये 'बुकड़ कुड़िया' भी। मकान का मुख्य द्वार फरिका की नोहडोरा (भित्तिचित्र) से सज्जा की जाती है। सहरिया अपने श्रंखलाबद्ध आवास उल्टे 'यू' आकार का बनाते हैं, जो सहराना कहलाता है। भीलों के गाँव फाल्या कहलाते हैं। जनजातीय महिलाएँ हाथों में चुरिया धारण करती हैं। जुरिया,पटा, बहुँटा, चुटकी, तोड़ा, पैरी, सतुवा, हमेल, ढार, झरका, तरकीबारी और टिकुसी इनके प्रिय आभूषण हैं। भील स्त्रियाँ मस्तक पर बोर गूँथ कर लाड़ियाँ झुलाती हैं। कथिर के कड़े कोहनी से कलाई तक सजे रहते हैं। नाक में काँटा और कमर में कंदौरा। घुटनों तक कड़े और घुँघरू। जनजातीय पुरुष भी कान, गले और हाथों में विभिन्न आभूषण पहनते हैं। गोदना सभी स्त्रियों का प्रिय पारंपरिक अलंकार है। इतिहास की निरंतरता को बनाये रखने में जनजातीय संस्कृति की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। यह मानव-सभ्यता के विकास-क्रम की अनिवार्य कड़ी है। आज़ादी के बाद जनजातीय विकास को नयी दिशा मिली है। विकास के अभिनव और प्रभावी प्रयासों से विभिन्न जनजाति समुदायों के सामाजिक, आर्थिक एवं शैक्षणिक स्तर में अभूतपूर्व सुधार हुआ है। बस ध्यान यह रखा जाना है कि इन सारे प्रयासों के साथ विकास की मुख्यधारा में सम्मिलित होते हुए उनकी सांस्कृतिक परंपराओं और मातृभाषाओं में संचित वाचिक संपदा के साथ पारंपरिक ज्ञानकोश न खो जाये।

(लेखक वरिष्ठ साहित्यकार और जनजातीय संस्कृति के अध्येता हैं)

सू-दोकू नवताल -1960

	4	7		1		2		6
5			3				1	
		1			5			7
2					8	7	4	
1		6		4		5		9
	7	9	1					3
6			9			1		
	5				1			4
9		4		8		3	7	

सू-दोकू 1959 का हल

8	2	5	3	6	7	9	1	4
4	6	1	8	9	2	3	7	5
3	7	9	1	5	4	6	8	2
1	3	7	4	2	9	5	6	8
6	5	2	7	1	8	4	9	3
9	8	4	6	3	5	1	2	7
2	4	6	9	8	3	7	5	1
5	1	3	2	7	6	8	4	9
7	9	8	5	4	1	2	3	6

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3 X 3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।

फिल्म वर्ग पहेली-1960

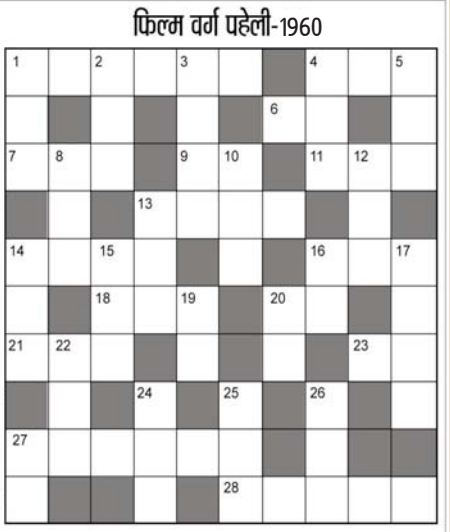

बायें से दायें:-

1. अभिषेक, सुनील, ऐश, शबाना की 'बहका दिया' गीत वाली फिल्म-4,2
4. 'दोस्ती हो गई रे' गीत वाली सुनील शेट्टी, सुष्मिता, नम्रता की फिल्म-3
6. 'छोड़ो मुझे' गीत वाली फिल्म 'जानू' में जैकी के साथ नायिका कौन थी-2
7. 'दिल खुश है आज उनसे' गीत वाली सुनीलदत्त, मीना कुमारी की फिल्म-3
9. फिल्म 'प्यार का साया' में राहुलराय के साथ नायिका कौन थी-2
11. एम. एफ. हुसैन की फिल्म 'गजगामिनी' में मुंशी प्रेमचंद की 'निर्मला' की भूमिका किसने की है-3
13. राजेंद्रकुमार, बबीता की 'रिमझिम के गीत सावन गाए' गीतवाली फिल्म-4
14. 'रामजी की निकली सवारी' गीतवाली ऋषिकपूर, जयाप्रदा की फिल्म-4
16. कमल हासन, श्रीदेवी की 'ऐ जिंदगी गले लगा ले' गीत वाली फिल्म-3
18. 'चोरी चोरी तेरे संग' गीत वाली मिथुन, आयशा जुल्का की फिल्म-3
20. लकी अली, गौरी कार्णिक की 'कभी शाम ढले तू मेरे' गीत वाली फिल्म-2
21. 'हमीं से मोहब्बत हमीं से' गीत वाली दिलीपकुमार, वैजयंती की फिल्म-3
23. अनिलकपूर, माधुरी की 'एक बात मान लो तुम' गीत वाली फिल्म-2
27. 'फूल सा चेहरा चाँद सी' गीत वाली प्रदीपकुमार, नर्गिस की फिल्म-2,2,2
28. देव आनंद, गिरीश, टीना मुनीम की 'आवाज सुरीली का' गीत वाली फिल्म-5

ऊपर से नीचे:-

1. सतीश, सुभाष घई, अर्चना की फिल्म-3
2. 'चलती है पुरवाई' गीत वाली फिल्म-3
3. 'तेरी चाहत में दीवाना हूँ' गीत वाली फरदीन खान, सेलिना की फिल्म-4
4. संजयदत्त, अतुल, रवीना, करिश्मा की 'काश तुम मुझसे एक' गीत वाली फिल्म-3
5. राजेश खन्ना, ऋषिकपूर, पूनम की फिल्म-3
8. 'तुम भी चलो हम' गीत वाली फिल्म-3
10. फारूख शेख, नसीरूद्दीनशाह, स्मिता पाटिल की फिल्म-3
12. अक्षयकुमार, रवीना टण्डन की 'एक लड़की एक लड़का' गीत वाली फिल्म-3
13. फिल्म 'पुष्पक' में कमल हासन के साथ नायिका कौन थी-3
14. प्रदीपकुमार, कल्पना की फिल्म-3
15. 'उड़ जा काले कावां' गीतवाली फिल्म-3
16. नसीर, अतुल अग्निहोत्री की फिल्म-2
17. शशि कपूर, शर्मिला टैगोर की फिल्म-2,2
19. अनिलकपूर, जैकी, अजय, मनीषा, माधुरी, सोनाली, रेखा की फिल्म-2
20. 'मेरा सेहरा तू है' गीत वाली फिल्म-2
22. सनी देओल, मीनाक्षी की फिल्म-3
24. 'चढ़ती जवानी मेरी चाल' गीत वाली फिल्म-3
25. फिल्म 'अजूबा' में 'शहजादी हिना' की भूमिका किसने की थी-3
26. 'तू लाली है सवेरे वाली' गीत वाली फिल्म-3
27. फिल्म 'शर्मीली' में शशिकपूर के साथ नायिका कौन थी-2

फिल्म वर्ग पहेली-1959

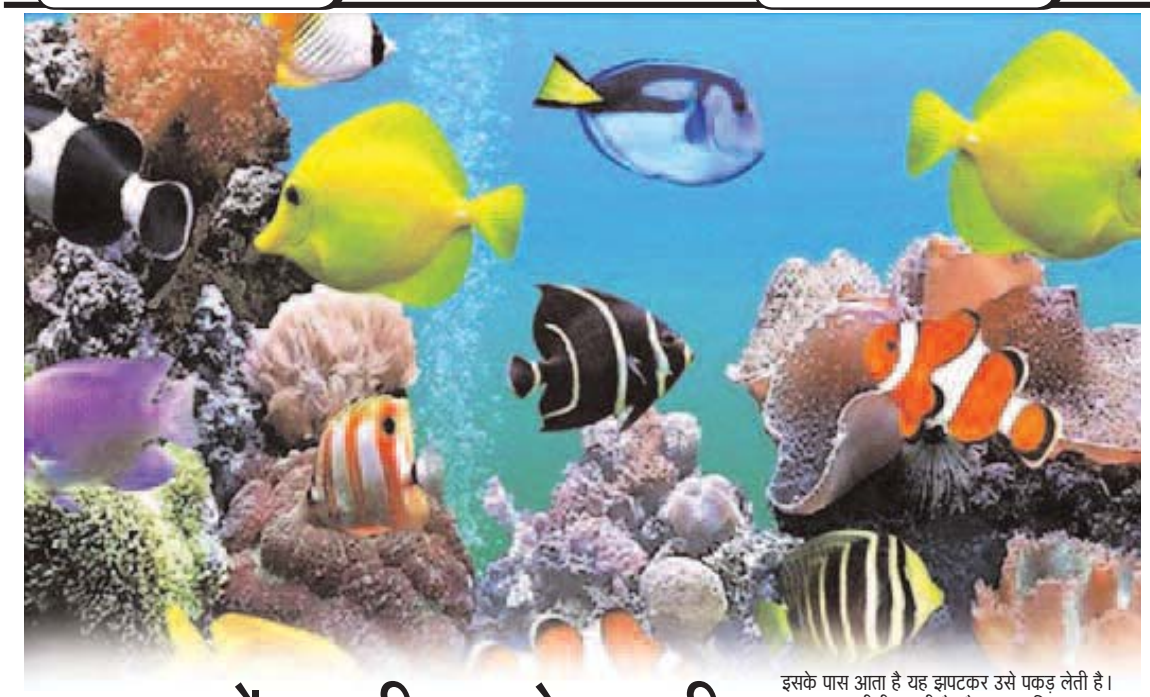

समुद्र में पायी जाने वाली कुछ विचित्र मछलियां

धरती के 70 प्रतिशत भाग में फैला हुआ सागर पृथ्वी की जलवायु को संतुलित रखने, भोजन और ऑक्सीजन प्रदान करने, जैव विविधता बनाये रखने और परिवहन के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। वैज्ञानिकों के मतानुसार धरती पर प्रारंभिक जीवन सागर से ही प्रारम्भ हुआ था और चरणबद्ध विकास के फलस्वरूप यह धरती पर भी पनपने लगा और वर्तमान में उपलब्ध जैव विविधताओं का कारण बना।

वाइपर फिश

बेहद गहरे पानी और उच्च दबाव वाले क्षेत्र में रहने वाली यह मछली देखने में काफी डरावनी लगती है। बेहद कठिन परिस्थितियों में रहने के कारण यह बहुत कम खाने पर भी लम्बे समय तक जिन्दा रह सकती है। इसके पास से गुजरने वाले किसी भी शिकार का इसके नुकीले दांतों से बचना नामुमकिन ही है।

सिलिकेन्थ

प्रागैतिहासिक युग के प्राणियों के सामान दिखने वाली यह मछली एक जीवित जीवाश्म ही है। वैज्ञानिकों के अनुसार यह ७ करोड़ वर्ष पहले मिलने वाली मछलियों की संरचना से काफी मिलती है।

इलेक्ट्रिक ईल

समुद्र में पायी जाने वाली यह ईल प्रजाति की मछली आकार में २ मीटर तक लम्बी और २० किलो तक वजनी हो सकती है। यह ६०० वोल्ट का तेज विद्युतीय झटका दे सकती है। वैज्ञानिकों के अनुसार यह अपने विद्युत का इस्तेमाल रास्ता खोजने में भी कर सकती है।

मिस्ट्री शार्क

दुनिया के सबसे गहरे समुद्री क्षेत्र के रूप में विख्यात मरियाना ट्रेंच में पाई जाने वाली यह अत्यंत दुर्लभ शार्क की तस्वीर है। यह एक प्रागैतिहासिक जीव है जिसे सबसे पहले जापानी वैज्ञानिकों ने देखे जाने का दावा किया था।

बिगफिन स्क्विड

स्क्विड प्रजाति से सम्बन्ध रखने वाला यह जीव गहरे पानी में पाया जाता है। यह स्क्विड आकार में १६ फीट तक लम्बा हो सकता है।

स्टार गैजेर्स

यह समुद्र में पायी जाने वाली एक जहरीली मछली है। यह खुद को रेत में अच्छी तरह छुपा लेती है और जैसे ही शिकार इसके पास आता है तेजी से झपट्टा मारकर उसे पकड़ लेती है। अन्य मछलियों के विपरीत इसकी ऑखें सामने की ओर होती हैं।

पफर फिश

पफर फिश अपने नाम के अनुसार खतरा महसूस होने पर ढेर सारा पानी अपने लचीले पेट में भरकर अपना आकार बढ़ा लेती है जिससे शिकार कंफ्यूज हो जाता है और यह मौके का लाभ उठाकर बच निकलती है। यह भी एक जहरीली मछली है।

फ्रिल्ड शार्क

बहुत गहरे पानी में पायी जाने वाली यह शार्क की अत्यंत दुर्लभ प्रजाति है जिसे देखने मात्र से ही भय उत्पन्न होता है। यह पत्थर की बनी हुई दिखती है और एक जीवित जीवाश्म है।

स्टोनफिश

हिन्द महासागर और पश्चिमी प्रशांत महासागर में पाई जाने वाली यह मछली एकदम पत्थर की तरह समुद्र की सतह पर निष्क्रिय पड़ी रहती है। जैसे ही कोई शिकार इसके पास आता है यह झपटकर उसे पकड़ लेती है। यह एक जहरीली मछली है और इसका शिकार हृदयाघात से बेहद दर्दनाक मौत मरता है।

वैम्पायर स्क्विड

यह गहरे पानी में पाया जाने वाला एक प्रकार का स्क्विड ही है जिसने अपने आप को गहरे पानी के अनुकूल ढाल लिया है। यह अँधेरे में बल्ब के सामान चमकीली संरचनाओं से प्रकाश उत्पन्न करता है। खतरा महसूस होने की स्थिति में यह चमकीली स्याही छोड़ता है जिससे शिकारी चौंक जाता है और यह मौके का लाभ उठाकर बच निकलता है।

मड स्किपर

यह ऐसे समुद्र तटीय क्षेत्रों में रहती है जहाँ ज्वार और भाटा निरंतर आता रहता है। यह खारे पानी और जमीन दोनों पर रह सकती है। यह एम्फीबियन प्रजाति की तरह ही त्वचा से साँस ले सकती है।

एंगलर फिश

लगभग सभी महासागरों में पाई जाने वाली यह मछली आकार में १ मीटर तक लम्बी हो सकती है। इसके सर पर चारे के सामान संरचना होती है जिसे यह जब हिलाती है तो जीवन के लिए संघर्ष करते हुए चारे के सामान प्रतीत होता है जिससे दूसरी मछलियां आकर्षित होती हैं और इसका आसान शिकार बन जाती हैं।

हैमर हेड शार्क

देखने में किसी दूसरी दुनिया के जीव सी लगने वाली यह शार्क सामान्य रूप से दुनिया भर के महासागरों में पाई जाती है। इसकी ऑखें शरीर से बहुत दूर होती हैं जो इसे ज्यादा क्षेत्र तक देखने में सक्षम बनाती हैं।

सोना सूख गया

चीन में हुनसेन नाम का राजा शासन करता था। वह बहुत कंजूस था। दान-पुण्य तो दूर, जनता की जरूरतें पूरी करने के लिए भी धन नहीं निकालता था। उसके पास सोने-चांदी का अपार भंडार था, लेकिन वह किसी की मदद नहीं करता था। राजा के महल से कुछ दूरी पर सिनचिन नामक एक वृद्ध की छोटी-सी झोंपड़ी थी। सिनचिन उस समय चीन का सबसे बुद्धिमान व्यक्ति माना जाता था। राजा की आदतों से वह भी परेशान था। अतः उसने राजा को सबक सिखाने की ठान ली।

एक दिन वह अपने मित्रों से सोने के नन्हे-नन्हे चार टुकड़े उधार लाया। उसने सोने के उन टुकड़ों को पीली चमकती हुई एक बड़ी छलनी में रखा और पास बहती नदी के किनारे जा बैठा। इस नदी पर राजा रोज स्नान करने आता था। सिनचिन ने दूर से ही राजा को आते हुए देखा। वह ऐसा अभिनय करने लगा, मानो छलनी में कुछ छान रहा हो। राजा ने उसके पास आकर पूछा, ल्लसिनचिन, यह क्या कर रहे हो? तुम्हें सुबह-सुबह रेत छानने की क्या आवश्यकता पड़ गई?

सिनचिन ने कहा, महाराज, मैं तो इस रेत में छिपा सोना ढूंढ़ रहा हूं।ङ्क

राजा कुछ कहता, इससे पहले ही सिनचिन ने छलनी भर रेत निकाली और छान दी। छलनी के ऊपर सोने के चार छोटे-छोटे टुकड़े चमक रहे थे। राजा ने आश्चर्य से पूछा, ल्लरेत में सोना! यह कैसे किया?

सिनचिन ने समझाते हुए जवाब दिया, ल्लहुजूर, आज से महीना भर पहले मैंने सोने का एक छोटा सा टुकड़ा इस जगह पर बोया था। देखिए हुजूर, पूरे चार टुकड़े निकले हैं। यदि मैं कुछ और सब्र करता, तो यहां बहुत से टुकड़े मिलते।

राजा ने चौंकते हुए कहा, ल्लक्या बकवास करते हो? भला क्या सोने की भी खेती की जा सकती है?

सिनचिन ने कहा, क्यों नहीं हुजूर? आप खुद ही देख लीजिए। मैं तो गरीब आदमी हूं। पिछले दस वर्षों से इसी प्रकार सोना बोता हूं और काट लेता हूं। इसी सोने से मेरा पेट पलता है।

राजा ने नाराजगी भरे स्वर में कहा, तुमने मुझे पहले क्यों नहीं बताया? मेरे पास तो सोने का ढेर है। मुझे पता होता, तो मैं सारा सोना बो देता। आज तक तो मेरा महल सोने से भर गया होता।

इस पर सिनचिन ने कहा, हुजूर, अब भी देर नहीं हुई है। आप अब भी बो लीजिए। छह महीने बाद देखिएगा, तो फसल लहलहाती नजर आएगी।

राजा ने सिनचिन के कंधे पर हाथ रखते हुए जवाब दिया, देखो सिनचिन, तुम तो एक अनुभवी आदमी हो। मेरी ओर से तुम सोने की खेती करो। इसके लिए तुम्हें जितना सोना चाहिए, तुम ले सकते हो। आज ही मेरे साथ महल में चलो। इस काम के लिए तो तुम मेरे सेवकों को भी साथ ले सकते हो।

सिनचिन तो मानो इस मौके की प्रतीक्षा में था। वह तुरंत राजी हो गया। वह महल में गया और सोने के ढेरों टुकड़े ले आया। राजा ने अपने दस सेवक भी सिनचिन को मदद के लिए दे दिए।

देखते ही देखते, नदी के किनारे खुदाई का काम शुरू हो गया। सिनचिन के कहे अनुसार, सेवकों ने वहां पर सोना बीज की तरह बो दिया। ऊपर रेत डाल दी। सिनचिन ने राजा को आश्वासन दिया कि छह महीने बाद बोए हुए सोने का तीन गुना सोना मिल जाएगा।

इस बीच सिनचिन रोज रात को नदी किनारे जाने लगा। वहां पर वह रोज थोड़ा सा हिस्सा खोदता और वहां दबा सोना अपने झोले में रख लाता। अगले दिन सुबह ही वह सारा सोना गरीबों में बांट देता था। धीरे-धीरे जनता की गरीबी मिटने लगी।

इधर राजा इंतजार करता रहा कि कब छह महीने पूरे हों और उसे बोए हुए सोने का तीन गुना सोना मिले। धीरे-धीरे छह महीने भी पूरे हो गए। राजा ने सिनचिन को दरबार में बुलाया। उसे आदेश दिया कि वह सारा सोना खोद लाए। सिनचिन ने इस काम के लिए कुछ सेवकों की मांग की। राजा ने इस बार बीस सेवक उसके साथ कर दिए। सेवकों ने उस स्थान पर काफी गहराई तक खुदाई की, रेत को छाना। लेकिन सभी यह देखकर आश्चर्य में पड़ गए कि उसमें सिवाय दो-चार सोने के टुकड़ों के कुछ नहीं था। सिनचिन भागा-भागा राजा के पास पहुंचा। रोते हुए बोला, हुजूर, आपकी किस्मत खराब थी। जमीन में सोने के दो-चार सूखे हुए टुकड़ों के अतिरिक्त कुछ भी नहीं निकला है।

राजा ने आश्चर्य से पूछा, ल्लसूखे हुए टुकड़े! तुम्हारा मतलब क्या है? सिनचिन ने जवाब दिया, हां हुजूर, इस बार सारा सोना सूख गया है। आप तो जानते ही हैं, इस बार बारिश बिल्कुल नहीं हुई। सारी फसल सूख गई। आपका बहुत नुकसान हो गया इस बार।

हुनसेन ने डांटते हुए पूछा, भला सोना सूख कैसे सकता है? यह तो ठोस चीज है।

सिनचिन ने मुसकराते हुए कहा, हुजूर, आपने इतनी बातों पर विश्वास कर लिया कि सोना बोया जा सकता है, सोने की फसल लहलहा सकती है, सोना काटा जा सकता है। फिर भला इतनी सी बात पर विश्वास क्यों नहीं करते कि सोना सूख गया?

राजा निरुत्तर हो गया। मंत्रियों से सलाह ली, तो उन्होंने कहा, सिनचिन ठीक कहता है। वाकई यदि सोना बोया जा सकता है, तो सूख भी सकता है। अब तो राजा से कुछ कहते नहीं बना। वह सिर पकड़कर बैठ गया। सिनचिन ने कंजूस राजा को अच्छा सबक सिखा दिया था।

बस्तर की जनजातियों से जुड़ी रोचक जानकारी

आधुनिक भारत में आज भी कई ऐसे स्थान है जहां पर बरसों से चली आ रही जनजातियां निवास करती हैयु तो भारतीय इतिहास में आदिवासी जनजाति संस्कृति का बहुत महत्व है. लेकिन समय के साथ बहुत सी जनजातियों ने स्वयं में बदलाव किये है.जैसे हलबा व भतरा जनजाति इत्यादि.अगर संपूर्ण विश्व की बात की जाए तो सबसे ज्यादा जनजातियां भारत में पाई जाती है जैसे कोल, भील, पहाड़िया, कमार, थारू जनजाति इत्यादि. लेकिन आज हम आपको बस्तर में पाई जाने वाली प्राचीन समय से लेकर अब तक चली आ रही जनजातियों के बारे में बताने जा रहे हैं.ये जनजातियां बस्तर व बस्तर के आस पास के इलाको में निवास करती है.तो जानते हैं इन जनजातियों के बारे में

जनजाति का अर्थ

जनजाति को समझने के लिए पहले हमें प्रकृति व जंगलों में रहने वाले मनुष्य के समुदाय को बारीकी से समझना चाहिए.जनजाति वह होती है जो सभी लोगों से दूर पर्वतों,जंगलों, वनो इत्यादि में निवास करती हैं. जिन की भाषा अलग होती है जो भूत-प्रेत, दैवी शक्तियों में बेहद विश्वास रखते हैं.जिन का व्यवसाय जंगली शिकार व जंगली पेड़ पोधो पर निर्भर रहता है जंगलो में पाई जाने वाली लगभग 90 % जनजातीय असभ्य व हिंसक होती हैजिस प्रकार जंगली जानवर अपने इलाके की रक्षा के लिए अपनी जान तक दे सकता है ठीक इसी प्रकार ये जनजातीया अपने इलाके की रक्षा करती है.अमूमन सभी जनजाती माँसाहारी होती है.

भारत के बस्तर इलाके में पाई जाने वाली जनजातियां

बस्तर में पाई जाने वाली जनजातियों से पहले आपको बस्तर इलाके के बारे में समझना होगा.बस्तर एक जिला है जो चार संस्कृतियों से घिरा हुआ है इसके चारों तरफ छत्तीसगढ़, आंध्र प्रदेश, उड़ीसा और महाराष्ट्र की सीमाएं लगती है.इस जिले के जंगलो में हजारों सालों से विभिन्न जनजातियाँ निवास करती हैं जिनमे से प्रमुख जनजातियों का विवरण इस प्रकार है :

1.माडिया जनजाति

माडिया जनजाति बस्तर के जंगलों में पाई जाने वाली जनजाति है.यह जनजाति बस्तर के पहाड़ी इलाकों व जंगलों में निवास करती है.माडिया जनजाति को दो भागों में बांटा गया है 1.अबुझ माड़िया 2.दण्डामी माड़िया (बाईसन होर्न माड़िया)

अबूझ मडिया पहाड़ों के घने जंगलों में निवास करती है व दण्डामी माड़िया समतल इलाके के जंगलों में निवास करती हैये लोग माड़िया भाषा बोलते है.

इन दोनों जनजातियों की संस्कृति आपस में मिलती जुलती है और यह दोनों ही जनजातियां बाहरी लोगों का अपने इलाके में आना पसंद नहीं करती.जब भी कोई व्यक्ति इनके इलाके में प्रवेश करता है तो यह असहज महसूस करते हैं व बाहरी व्यक्ति पर तीर कमान से हमला कर देते हैं.हमले के बाद इस जनजाति के लोग कर्कश ध्वनि के द्वारा अपनी ताकत का एहसास कराते हैं.माडिया जनजाति के पुरुषों का स्वभाव नटखट व नाच गाने वाला होता है.यह लोग शराब के शौकीन होते हैं.इस जनजाति लोग अच्छी फसल प्राप्त करने के लिए अपने देवताओं के सम्मान में लकड़ियों के द्वारा आग जला कर उसके चारों ओर नृत्य करते हैं.माडिया जनजाति सर्वाहारी जनजातियों की श्रेणी में आती है.इस जनजाति के लोग बहुत बहादुर होते है ८ इस जनजाति के पुरुष शिकार के लिए बाघ, भालू, तेंदवे से भी लोहा लेने से नहीं कतराते.यु तो माडिया जनजाति बाघ का बेहद सम्मान करती है परंतु जब बाघ इन पर हमला करता है तो आत्म रक्षा में बाघ को भी मार सकते है.माड़िया लोगो में घोटुल परंपरा का पालन होता है व यह लोग काकसार नाम के कुल देवता की अराधना करते हैं.

2.हलबा जनजाति

हलबा जनजाति छत्तीसगढ़ (बस्तर) में पाई जाने वाली एक विशाल जनजाति है इस जनजाति के लोग छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र के इलाकों में निवास करते हैं.प्राचीन समय में यह जनजाति भी जंगलों में रहती थी परंतु आज के समय में इस जनजाति के लोग गावो की तरफ भी पलायन कर रहे हैंहलबा जनजाति 17 वीं शताब्दी में बस्तर राज्य के प्रमुख और सबसे प्रभावशाली जनजातीय समूहों में से एक थीं ८ उस समय हलबा जनजाति बस्तर राज्य की राजनीति और सेना में सक्रिय थीं.देश के विभिन्न हिस्सों में प्रवास के बाद हलबा जनजाति ने अपनी आजीविका के लिए अलग-अलग व्यवसाय को अपना लिया .जैसे कृषि, बुनाई, मजदूरी इत्यादि हल्बा जनजाति की भाषा हल्बी है, जो मराठी और ओडिया का संयोजन से बनी है व ये लोग देवी माँ दंतेश्वरी की पूजा करते है.

3.भतरा जनजाति

भतरा जनजाति प्राचीन काल में सम्पूर्ण बस्तर जिले में फैली हुई थी इस जनजाति के लोग कला और नाटक प्रेमी होते थे.इन्हें पेंटिंग करना व नाच गाना पसंद था.परंतु समय के साथ इस जनजाति के लोगो ने खुद में बदलाव किया और यह भी समय की दौड़ के साथ चलना सिख गए.आज भतरा जनजाति के लोगों ने आधुनिक बनना शुरू कर दिया है.इस जनजाति के लोग आज कल शहरों में रोजगार की लिए निवास करते हैं. प्राचीन समय में इस जनजाति के लोगो का प्रिय भोजन केकड़ा व पक्षियों का मॉस था.

4.मुरिया जनजाति

मुरिया जनजाति को बस्तर की मूल जनजाति कहा जाता है अर्थात इस जनजाति के लोग हमेशा से इस इलाके में रहे हैं इस जनजाति के लोगों को श्रृंगार करना व कलात्मक वस्तुएं बनाना पसंद है.मुरिया जनजाति में माओपाटा के रूप में एक आदिम शिकार नृत्य किया जाता है जिसमे इस जनजाति के सभी पुरुष बढ़ चढ़ कर हिस्सा लेते है.नृत्य के समय युवा पुरुष नर्तक अपनी कमर में पीतल अथवा लोहे की घंटियां बांधे रहते है साथ में छतरी और सिर पर आकर्षक सजावट कर नृत्य करते है.

रियलमी ने भारत में लॉन्च किए 200 एक्सक्लूसिव स्टोर

नई दिल्ली (एजेंसी)।

स्मार्टफोन ब्रांड रियलमी ने शनिवार को कुल 200 एक्सक्लूसिव स्टोर्स के साथ पूरे भारत में अपनी मेनलाइन विस्तार की घोषणा की। स्टोर अब चालू हैं और यूजर्स को सभी लेटेस्ट रियलमी प्रोडक्ट का अनुभव करने में सक्षम बनाएंगे। कंपनी 2022 के अंत तक अपनी ऑफलाइन उपस्थिति को 1,000 से अधिक विशेष स्टोर तक विस्तारित करने पर भी विचार कर रही है। सीईओ, रियलमी इंडिया, वीपी, रियलमी और प्रेसिडेंट माधव शेठ, ने एक बयान में कहा, रियलमी के एक्सक्लूसिव स्टोर हमारी विकास रणनीति का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं और हमारे ग्राहकों को रियलमी उत्पादों का प्रत्यक्ष अनुभव प्रदान करने के हमारे फोकस के अनुरूप हैं। कंपनी ने कहा कि लंबी अवधि में ब्रांड के विकास के लिए ऑफलाइन उपस्थिति जरूरी है। उसी के अनुरूप, ब्रांड ने हाल ही में 8 अक्टूबर को एक दिन में 100 विशेष स्टोर का उद्घाटन किया और 2021 में पूरे भारत में कुल 300 अनन्य स्टोर खोलने का लक्ष्य रखा था।

शेठ ने कहा, हमारा ऑफलाइन विकास विस्तार सभी अवसर प्रदान करता है और ब्रांड के समग्र विकास में योगदान देता है। उन्होंने कहा, हमारे नए स्टोर के साथ, हम इस साल देश भर में 300 विशेष स्टोर खोलने के अपने लक्ष्य पर पूरी तरह तैयार हैं, और हम आने वाले वर्ष में इस संख्या को और बढ़ाने के लिए उत्साहित हैं। इन स्टोर्स में स्मार्टफोन, लैपटॉप, टैबलेट और अन्य गैजेट्स सहित रियलमी टेकलाइफ इकोसिस्टम के नवीनतम उत्पाद होंगे, जो ब्रांड को ग्राहकों के साथ अपने संबंधों को मजबूत करने में सक्षम बनाएंगे।

यूएस में फुल सेल्फ-ड्राइविंग मोड में क्रैश के बाद टेस्ला क्षतिग्रस्त

सैन फ्रांसिस्को (एजेंसी)।

कॉन्ट्रोवर्शियल फुल सेल्फ-ड्राइविंग (एफएसडी) बीटा मोड के परिणामस्वरूप लॉस एंजिल्स में टेस्ला मॉडल वाई दुर्घटनाग्रस्त हो गई, जो इलेक्ट्रिक कार निर्माता के ड्राइवर असिस्ट फीचर से जुड़ी पहली घटना हो सकती है। दुर्घटना में कोई घायल नहीं हुआ, लेकिन कथित तौर पर वाहन गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त हो गया। द वर्ज की रिपोर्ट के अनुसार, दुर्घटना की सूचना राष्ट्रीय राजमार्ग यातायात सुरक्षा प्रशासन (एनएचटीएसए) को दी गई। कार मालिक की रिपोर्ट के अनुसार, कार एफएसडी बीटा मोड में थी और बाएं मुड़ते समय कार गलत लेन में चली गई और एक अन्य चालक ने उसे टक्कर मार दी। इसके जारी होने के एक दिन से भी कम समय बाद झूठी क्रैश चेतावनियों और अन्य मुद्दों के कारण पिछले महीने, टेस्ला ने अपने एफएसडी बीटा सॉफ्टवेयर के लेटेस्ट वर्जन को अस्थायी रूप से वापस ले लिया था। एक ट्वीट में, मस्क ने कहा कि रोलबैक वर्जन 10.3 के साथ कुछ मुद्दों के कारण से हुआ। 10.3 के साथ कुछ समस्याएं देख रहे हैं, इसलिए अस्थायी रूप से 10.2 पर वापस आ रहे हैं। मस्क ने बाद में टेस्ला के एफएसडी बीटा 10.4 अपडेट के आगामी रिलीज की घोषणा की। टेस्ला एफएसडी बीटा का उद्देश्य टेस्ला वाहनों को केवल नेविगेशन सिस्टम में एक स्थान दर्ज करके राजमार्गों और शहर की सड़कों पर खुद को चलाने में सक्षम बनाना है, लेकिन इसे अभी भी लेवल 2 ड्राइवर सहायता माना जाता है क्योंकि इसके लिए हर समय ड्राइवर पर्यवेक्षण की आवश्यकता होती है। चालक वाहन के लिए जिम्मेदार रहता है और उसे स्टीयरिंग व्हील पर हाथ रखने और नियंत्रण लेने के लिए तैयार रहने की आवश्यकता होती है।

कई टेस्ला ऑटोपायलट से संबंधित दुर्घटनाएं हुई हैं, जिसकी वर्तमान में यूएस एनएचटीएसए द्वारा जांच की जा रही है।

गूगल के 2022 में नई पिक्सलबुक जारी करने की कोई संभावना नहीं

सैन फ्रांसिस्को (एजेंसी)।

एक मीडिया रिपोर्ट में कहा गया है कि टेक दिग्गज गूगल के 2022 में पिक्सलबुक का नया संस्करण लॉन्च करने की संभावना नहीं है। 9टु5 गूगल की रिपोर्ट के अनुसार, लंदन में हाल ही में एक क्वालकॉम प्रेस इवेंट में एक बयान से संकेत मिलता है कि 2023 तक मूल प्रीमियम पिक्सेलबुक में कोई अपडेट नहीं होगा।

गूगल में क्रॉमबुक के खुदरा प्रबंधक क्रिस सोलकी से जब संभावित 2022 पिक्सेलबुक रिलीज के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, अगले साल (2022) में कुछ भी नहीं लॉन्च होने वाला है।

भविष्य का मुझे नहीं पता। मूल पिक्सलबुक को 2017 में क्रोमबुक के लिए हाई-एंड इंटर्नल के साथ लॉन्च किया गया था, लेकिन तब से इसे गूगल स्टोर के माध्यम से बंद कर दिया गया है। हालांकि यह बुरी खबर है, आंतरिक रूप से विकसित गूगल टेंसर चिप की शुरूआत लाइन के कुछ बिंदु पर एक उच्च अंत सभी गूगल-संचालित क्रोमबुक के लिए कुछ आशा प्रदान कर सकती है। प्रारंभिक बिक्री वृद्धि धीमी हो गई है, लेकिन 2022 में एक उच्च अंत पिक्सलबुक मूल मॉडल के साथ रखने वालों के लिए एक स्वागत का विकल्प होगा। जबकि पिक्सलबुक गो में एक इंटेल आई7 प्रोसेसर कॉन्फिगरेशन शामिल है, इसमें एक टचस्क्रीन शामिल है, लेकिन इसमें टू-इन-वन फॉर्म फैक्टर का अभाव है जो 2017 संस्करण में पाया गया था। अभी बाजार में सबसे नजदीक एसर क्रोमबुक स्पिन 713 है।

फॉक्सकॉन को 2022 की दूसरी छमाही तक आपूर्ति-श्रृंखला के मुद्दों को सुलझाने की उम्मीद

सैन फ्रांसिस्को (एजेंसी)।

एप्पल के सबसे बड़े विनिर्माण भागीदार फॉक्सकॉन ने कहा कि वैश्विक आपूर्ति-श्रृंखला की कमी अगले साल की दूसरी छमाही तक चलने की उम्मीद है। हेडविंड का संकेत है कि इलेक्ट्रॉनिक्स शिपमेंट का सामना करना जारी रह सकता है। वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट के अनुसार, दुनिया की सबसे बड़ी इलेक्ट्रॉनिक्स अनुबंध निर्माता फॉक्सकॉन ने यह भी कहा कि उसे उम्मीद है कि उसके अक्टूबर-दिसंबर उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स राजस्व में साल दर साल गिरावट आएगी। टेक दिग्गज एप्पल पिछली कई तिमाहियों से चिप की कमी से जूझ रहा है, लेकिन इसने सबसे हालिया तिमाही में एप्पल के कारोबार को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित करना शुरू कर दिया है। मैकरूमर्स की रिपोर्ट के अनुसार, डब्ल्यूएसजे का हवाला देते हुए, चल रहे सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट से संबंधित विशिष्ट घटकों और उत्पादन बाधाओं की कमी ने आईफोन, आईपैड, एप्पल वॉच और मैक की उपलब्धता को प्रभावित किया है। एप्पल ने कहा कि इस पिछली तिमाही में, कमी ने इसे 6 बिलियन डॉलर का खर्च किया और यह उम्मीद करता है कि छुट्टियों के मौसम के लिए प्रभाव और भी महत्वपूर्ण होगा। रिपोर्ट में कहा गया है कि फॉक्सकॉन आईफोन के लिए एप्पल का सबसे बड़ा आपूर्तिकर्ता है और कुछ रिपोटरें से पता चलता है कि उत्पादन में सुधार हो रहा है, यह अभी भी पूरी तरह से सामान्य होने से काफी दूर है।

SBI क्रेडिट कार्ड यूजर्स को झटका, 1 दिसंबर से EMI ट्रांजेक्शन होने जा रहा महंगा

(एजेंसी):

एसबीआई के क्रेडिट कार्ड से अब **EMI** पर खरीद महंगी होने वाली है। **SBI** कार्ड्स, 1 दिसंबर 2021 से सभी **EMI** खरीद ट्रांजैक्शंस पर 99 रुपए प्लस टैक्स की प्रोसेसिंग फीस वसूलेगी। इस बारे में कंपनी ने अपने सभी ग्राहकों को ईमेल के जरिए सूचित किया है। ईमेल में कहा गया है कि मर्चेंट आउटलेट्स, ई-कॉमर्स वेबसाइट और ऐप पर एसबीआई क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल कर किए गए सभी ईएमआई खरीद लेनदेन के लिए प्रोसेसिंग शुल्क लगाया जाएगा। एसबीआई कार्ड्स के इस फैसले से क्रेडिट कार्डधारकों द्वारा ईएमआई पर की जा रही खरीदारी पर असर पड़ने की संभावना है। इससे 'बाई नाउ पे लेटर' (बीएनपीएल) विकल्प से खरीद और महंगी बन सकती है।

ब्याज के अतिरिक्त है यह प्रोसेसिंग शुल्क

यह प्रोसेसिंग शुल्क, क्रेडिट कार्ड से ईएमआई पर खरीद पर कार्ड प्रदाता द्वारा वसूली जाने वाली ब्याज राशि के अतिरिक्त है। यह प्रोसेसिंग शुल्क केवल उन लेनदेन पर लगाया जाएगा, जो सफलतापूर्वक ईएमआई लेनदेन में परिवर्तित हो गए हैं। ईएमआई ट्रांजेक्शन रद्द होने की स्थिति में प्रोसेसिंग फीस वापस की जाएगी। ईएमआई लेनदेन पर प्रोसेसिंग शुल्क की एग्लीकेबिलिटी के बारे में एसबीआई क्रेडिट कार्डधारकों को व्यापारियों की ओर से मिलने वाली चार्ज स्लिप (ऑफलाइन लेनदेन के लिए)/पेमेंट पेज (ऑनलाइन लेनदेन के लिए) के माध्यम से सूचित किया जाएगा।

इप्का लैब का शुद्ध लाभ छह फीसदी गिरकर 250 करोड़ रुपए रहा

नई दिल्ली: औषधि निर्माता इप्का लेबोरेटरीज का चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में समेकित शुद्ध लाभ 6.30 फीसदी घटकर 250.23 करोड़ रुपए पर आ गया। कंपनी ने शेयर बाजार को दी गई सूचना में कहा है कि पिछले वर्ष की समान अवधि में उसका शुद्ध लाभ 267.07 करोड़ रुपए था। इप्का को जुलाई-सितंबर 2021 की तिमाही में परिचालन से 1,544.43 करोड़ रुपए का राजस्व मिला जबकि एक साल पहले की समान अवधि में यह 1,361.10 करोड़ रुपए रहा था। कंपनी ने बताया कि उसके निदेशक मंडल ने अपने शेयरधारकों को प्रति शेयर आठ रुपए का लाभांश देने का भी फैसला किया है। इसके अलावा कंपनी के ÷निदेशक मंडल ने दो रुपए के अंकित मूल्य वाले हरेक शेयर को एक रुपए अंकित मूल्य वाले दो शेयरों में बांटने के प्रस्ताव को मंजूरी दी है।÷ इस प्रस्ताव को शेयरधारकों की मंजूरी के लिए 16 दिसंबर को बुलाई गई असाधारण आम सभा में रखा जाएगा। इप्का ने कहा कि कंपनी के शेयरों की तरलता बढ़ाने और छोटे निवेशकों के लिए भी इसे किफायती बनाने के मकसद से शेयर विभाजन का फैसला लिया गया है।

नई सुविधाओं के साथ अपडेट किया गया एप्पल स्टोर ऐप

सैन फ्रांसिस्को। टेक दिग्गज ऐप्पल ने आईओएस के लिए ऐप्पल स्टोर ऐप को एक नई सुविधा के साथ अपडेट किया है जो उपयोगकर्ताओं के लिए आइटम को सूचियों में सहेजना और उन सूचियों को एप्पल विशेषज्ञों के साथ साझा करना आसान बनाता है। एप्पलइनसाइडर की रिपोर्ट के अनुसार, एक बार जब कोई उपयोगकर्ता किसी आइटम या उत्पाद को सूची में सहेज लेता है, तो वे उन्हें एक नए सहेजे गए आइटम अनुभाग में ढूंढ सकते हैं जो कि एप्पल स्टोर खाता पृष्ठ से सुलभ है। उपयोगकर्ता सहेजे गए आइटम को किसी एप्पल विशेषज्ञ के साथ इन-स्टोर या ऑनलाइन भी साझा कर सकते हैं। किसी सूची से संबंधित सत्र समाप्त होने के बाद, उपयोगकर्ता नोट्स और सुझावों के साथ सत्र का संक्षिप्त विवरण देख सकते हैं। इसके अलावा, एप्पल स्टोर ऐप को उत्पादों के ऑडियो विवरण के साथ भी अपडेट किया गया है। यह सुविधा उपयोगकर्ताओं को विभिन्न एप्पल उपकरणों और उत्पादों के बारे में सुनने देती है, भले ही वे उत्पाद वीडियो को स्क्रीन पर देखने में असमर्थ हों। एप्पल स्टोर ऐप ऐप स्टोर से मुफ्त डाउनलोड किया जा सकता है।

हुआवेई 17 नवंबर को लॉन्च करेगी वॉच जीटी रनर

बीजिंग। चीनी टेक दिग्गज हुआवेई ने घोषणा की है कि वह 17 नवंबर को चीन में एक नई स्मार्टवॉच हुआवेई वॉच जीटी रनर का अनावरण करेगी। कंपनी ने अभी तक वॉच जीटी रनर के स्पेसिफिकेशंस के बारे में विस्तार से नहीं बताया है, लेकिन वीबो पर शेयर किए गए पोस्टर स्मार्टवॉच के सर्कुलर डिजाइन को एक बटन के साथ और दाईं ओर एक क्राउन के रूप में प्रकट करते हैं। जीएसएमअरेना की रिपोर्ट के अनुसार, हुआवेई वॉच जीटी रनर का लक्ष्य पेशेवर धावक हैं और यह उन्हें तय की गई दूरी और प्रति मिनट दिल की धड़कन के अलावा उनकी गति और चलने के प्रदर्शन सूचकांक के बारे में डेटा प्रदान करेगा। हुआवेई वॉच जीटी रनर भी डुअल-फ्रीक्वेंसी जीपीएस के साथ आएगा, जो 135 प्रतिशत बेहतर प्रदर्शन की पेशकश करेगा और कसरत मार्गों को ट्रैक करने के लिए स्मार्टफोन की आवश्यकता को समाप्त करेगा। वॉच जीटी रनर को हार्मनी ओएस चलाने के लिए इत्तला दी गई है। इस महीने, कंपनी ने अपनी नई स्मार्टवॉच हुआवेई वॉच फिट को भारतीय बाजार में 8,990 रुपये में लॉन्च किया था। स्मार्टवॉच कई रिस्ट स्ट्रैप कलर ऑप्शन के साथ आती है जिसमें सकुरा पिंक, आईसी ब्लू और साथ ही ग्रेफाइट ब्लैक शामिल हैं। विनिर्देशों के संदर्भ में, स्मार्टवॉच एक गोल रेक्टेंगुलर फेस के साथ आती है जिसमें 1.64-इंच एमोएलईडी एचडी डिस्प्ले है।

स्नूपी अगले साल नासा के आर्टेमिस आई मून मिशन पर भरेगा उड़ान

वाशिंगटन (एजेंसी)।

अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने घोषणा की है कि स्नूपी 2022 के लिए जीरो ग्रेविटी इंडिकेटर के रूप में आर्टेमिस आई मिशन पर सवार होगी। स्नूपी चार्ल्स एम. शुल्ज की कॉमिक स्ट्रिप मूंगफली में एक मानवरूपी बीगल है और अपोलो मिशन के बाद से 50 से अधिक वर्षों के लिए नासा के मानव अंतरिक्ष यान मिशन के लिए उत्साह में योगदान दिया है और नई शैक्षिक गतिविधियों के साथ आर्टेमिस के तहत जारी है। आर्टेमिस आई अंतरिक्ष प्रक्षेपण प्रणाली (एसएलएस) रॉकेट और ओरियन अंतरिक्ष यान का एक मानव रहित उड़ान परीक्षण है जो अंतरिक्ष यात्रियों के साथ मिशन से पहले 2022 की शुरुआत में चंद्रमा के चारों ओर लॉन्च हो रहा है। नासा ने शुक्रवार को एक बयान में कहा कि ओरियन में अंतरिक्ष यात्रियों के बिना, स्नूपी दुनिया के साथ यात्रा साझा करने में मदद करेगा क्योंकि वह केबिन में एक मैनीकिन और दो अन्य यात्रियों के साथ सवारी करता है। शून्य गुरुत्वाकर्षण संकेतक अंतरिक्ष यान पर ले जाने वाली छोटी वस्तुएं हैं जो एक दृश्य संकेतक प्रदान करते हैं जब एक अंतरिक्ष यान सूक्ष्म गुरुत्वाकर्षण की भारहीनता तक पहुंच जाता है। उड़ान के लिए, स्नूपी को एक कस्टम नारंगी उड़ान सूट में दस्ताने, जूते और नासा पैच के साथ पूरा किया जाएगा। अपोलो के समय में नासा के अंतरिक्ष यात्रा सुरक्षा पहल को प्रोत्साहित करने के लिए स्नूपी का उपयोग किया गया था। शुल्ज ने अंतरिक्ष में अमेरिका की उपलब्धियों के बारे में सार्वजनिक उत्साह को पकड़ते हुए, चंद्रमा पर स्नूपी की कॉमिक स्ट्रिप्स बनाई। नासा ने कहा कि आर्टेमिस क मिशन के लिए, मूंगफली अपने साथी गोनूडल के साथ पाठ्यक्रम और लघु वीडियो का एक नया सूट जारी कर रही है, ताकि बच्चों को गुरुत्वाकर्षण, टीम वर्क और अंतरिक्ष अन्वेषण के बारे में सीखने के लिए प्रोत्साहित किया जा सके, जबकि वे अपनी आर्टेमिस आई यात्रा पर स्नूपी का अनुसरण करते हैं। गुड़िया और स्लिवर स्नूपी पिन के अलावा, शुल्ज के पीनट्स स्टूडियो से एक पेन निब, ओरियन अंतरिक्ष यान पर उड़ान भरने के लिए नासा द्वारा चुने गए स्मृति चिन्हों के संग्रह के हिस्से के रूप में एक अंतरिक्ष थीम वाली कॉमिक स्ट्रिप में लिपटे आर्टेमिस आई पर ट्रेक बनाएगा। ऐप्पल टीवी प्लस पर स्नूपी इन स्पेस का एक नया सीजन भी जारी किया जाएगा जो ग्रहों की खोज करता है और ब्रह्मांड में जीवन खोजने के लिए कौन सी स्थितियां आवश्यक हैं उसका पता लगाता है।

आईआरईडीए को पहली छमाही में करीब 300 करोड़ रुपये का लाभ

नयी दिल्ली, सरकारी स्वामित्व वाली इकाई भारतीय नवीकरणीय ऊर्जा विकास एजेंसी (आईआरईडीए) ने वित्त वर्ष 2021-22 की पहली छमाही में 299.90 करोड़ रुपये का अब तक का रिकॉर्ड मुनाफा कमाया है। नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय ने शनिवार को जारी एक बयान में अपनी मातहत इकाई आईआरईडीए के अप्रैल-सितंबर 2021 के प्रदर्शन का ब्योरा पेश किया। इसके मुताबिक आईआरईडीए ने वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में 110.27 करोड़ रुपये का कर-पश्चात लाभ अर्जित किया है। बयान के मुताबिक, सार्वजनिक इकाई के निदेशक मंडल ने जुलाई-सितंबर 2021 की तिमाही के साथ पहली छमाही के वित्तीय नतीजों को भी स्वीकृति दे दी है। इससे पता चलता है कि ऊर्जा एजेंसी ने वित्त वर्ष की दोनों तिमाहियों को मिलाकर कुल 299.90 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया है। इसके एक साल पहले की पहली छमाही में आईआरईडीए ने 206.63 करोड़ रुपये का मुनाफा कमाया था। अप्रैल-सितंबर की अवधि में उसकी परिचालन आय भी बढ़कर 1,386.97 करोड़ रुपये पर पहुंच गई जबकि पिछले साल की समान अवधि में यह 1,284.94 करोड़ रुपये थी।

आरबीआई ने लक्ष्मी सहकारी बैंक पर लगाया अंकुश

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने लक्ष्मी सहकारी बैंक लिमिटेड सोलापुर पर कई अंकुश लगा दिए हैं। बैंक की खराब होती वित्तीय स्थिति के मद्देनजर केंद्रीय बैंक ने यह कदम उठाया है। बैंक के ग्राहकों के लिए अपने खातों से निकासी की सीमा 1,000 रुपए तय की गई है। रिजर्व बैंक ने कहा कि बैंकिंग नियमन अधिनियम 1949 के तहत लगाए गए अंकुश 12 नवंबर, 2021 को कारोबार के घंटे बंद होने के बाद छह महीने तक लागू रहेंगे। इस दौरान अंकुशों की समीक्षा की जाएगी। रिजर्व बैंक के निर्देशों के अनुसार लक्ष्मी सहकारी बैंक केंद्रीय बैंक की अनुमति के बिना न तो कोई ऋण दे पाएगा या ही कर्ज का नवीकरण करेगा। साथ ही बैंक न तो कोई निवेश करेगा और न ही किसी तरह का भुगतान करेगा या भुगतान की सहमति देगा। गौरतलब है कि रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने पिछले कुछ समय में कई बैंकों पर कई पाबंदियां लगाई हैं। इससे पहले आरबीआई बैंकिंग अधिनियमों और गाइडलाइंस के उल्लंघन मामले में कई बैंकों पर नकेल कस चुका है। इससे पहले इसी साल फरवरी में महाराष्ट्र के नासिक स्थित इंडिपेन्डेन्स को-ऑपरेटिव बैंक लिमिटेड, यस बैंक, लक्ष्मी विलास बैंक, पीएमसी समेत कई बैंकों पर भी इसी तरह से रोक लगाई गई थी।

36 प्रतिशत भारतीय बच्चों के पास कोविड लॉकडाउन के दौरान इंटरनेट की कमी थी : रिपोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)।

पिछले साल कोविड प्रेरित लॉकडाउन के दौरान, स्कूलों ने बच्चों को संक्रामक बीमारी से बचाने और उनके पाठों के सुचारू प्रवाह को बनाए रखने के लिए अपनी कक्षाओं को ऑनलाइन स्थानांतरित कर दिया था। हालांकि, शुक्रवार को एक नई रिपोर्ट से पता चला है कि उस अवधि के दौरान भारत में एक तिहाई से अधिक बच्चों की इंटरनेट तक पहुंच नहीं थी।

डिजिटल नीति के मुद्दों पर काम करने वाले एक क्षेत्रीय थिंक टैंक, लिरनेशिया की रिपोर्ट के अनुसार एक आर्थिक नीति थिंक टैंक, आईसीआरआईईआर के साथ साझेदारी में ने दिखाया कि नामांकित स्कूली बच्चों वाले सभी परिवारों में से 64 प्रतिशत के पास इंटरनेट का उपयोग था जबकि शेष 36 प्रतिशत के पास इंटरनेट की पहुंच नहीं थी। शोध में 350 गांवों और वार्डों सहित पूरे भारत में 7,000 घरों का एक सर्वेक्षण शामिल था। इंटरनेट वाले परिवारों में, 31 प्रतिशत बच्चों के किसी न किसी प्रकार की दूरस्थ शिक्षा प्राप्त करने की संभावना थी, जबकि इंटरनेट के बिना केवल 8 प्रतिशत परिवारों ने कहा कि उन्हें किसी प्रकार की दूरस्थ शिक्षा प्राप्त हुई है। उसी समय, लिरनेशिया द्वारा किए गए एक हालिया राष्ट्रीय सर्वेक्षण से पता चला है कि पिछले चार वर्षों में इंटरनेट का उपयोग दोगुना से अधिक हो गया है और यह कि कोविड से संबंधित लॉकडाउन ने कनेक्टिविटी की बढ़ती मांग में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। 15-65 आयु वर्ग की आबादी में, 49 प्रतिशत ने कहा कि उन्होंने इंटरनेट का उपयोग किया था, जबकि 15-65 आयु वर्ग की आबादी के केवल 19 प्रतिशत ने 2017 के अंत में इसका दावा किया था। इससे पता चला कि 2020 और 2021 में 130 मिलियन से अधिक उपयोगकर्ता ऑनलाइन आए। 2020 में इंटरनेट का उपयोग शुरू करने वाले लगभग 80 मिलियन में से 43 प्रतिशत या 34 मिलियन से अधिक ने कहा कि उन्होंने कोविड संकट के कारण ऐसा करना शुरू कर दिया। लिरनेशिया के सीईओ हेलानी गलपया ने एक बयान में कहा, अगर हम केवल लोगों के जुड़ने के बारे में सोचते हैं, तो भारत बहुत प्रगति कर रहा है। लेकिन डिजिटल इंडिया के वास्तविक लाभ लोगों तक पहुंचने से पहले व्यवस्थित और संरचनात्मक बदलाव की जरूरत है।

डूम टेक्नोलॉजी लाएगी आईपीओ, सेबी को दिया आवेदन

नई दिल्ली:

ऑटोमोबाइल ई-कॉमर्स कंपनी डूम टेक्नोलॉजी लिमिटेड पूंजी जुटाने के लिए प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाने की तैयारी में है और इसके उसने पूंजी बाजार नियामक सेबी को आवेदन दिया है। कंपनी ने सेबी को दिए आवेदन में बताया है कि प्रत्येक शेयर एक रुपए अंकित मूल्य का होगा और बिक्री के लिए 1000 करोड़ रुपए के शेयर की पेशकश की जाएगी। यदि निवेशकों से बेहतर प्रतिसाद मिला तो इसे बढ़ाकर 2000 करोड़ रुपए कर दिया जाएगा। इक्विटी शेयर को बीएसई और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) में सूचीबद्ध किया जाएगा। उसने बताया कि आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज लिमिटेड, एक्सिस कैपिटल लिमिटेड, एडलवाइस फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड, एचएसबीसी सिक्योरिटीज एंड कैपिटल मार्केट्स (इंडिया) लिमिटेड और नोमुरा फाइनेंशियल एडवाइजरी एंड सिक्योरिटीज (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड इस इश्यू के प्रबंधक होंगे। आईपीओ जारी करने के साथ कारों के कारोबार के बाद यह सार्वजनिक होने वाली दूसरी भारतीय ऑटोमोबाइल ऑनलाइन कंपनी बन जाएगी।

केन की हैट्रिक से इंग्लैंड का फीफा विश्व कप के लिए क्वालीफाई करना लगभग पक्का

लंदन। कप्तान हैरी केन की हैट्रिक गोल की मदद से इंग्लैंड ने फुटबॉल विश्व कप के यूरोपीय क्वालीफायर के मैच में शुक्रवार को अल्बानिया पर 5-0 की जीत के साथ अगले साल खेले जाने वाले वैश्विक टूर्नामेंट के लिए जगह लगभग पक्का कर लिया। अगले साल कतर में नवंबर में खेले जाने वाले विश्व कप में जगह पक्की करने के लिए टीम को ग्रुप आई के आगामी मुकाबले में सैन मारिनो को सिर्फ ड्रॉ पर रोकना है। सैन मारिनो फीफा रैंकिंग में सबसे निचले पायदान की टीम है। केन ने मैच के 18वें, 33वें और 45 (+1) वें मिनट में गोल किए। 28 साल का यह खिलाड़ी देश के लिए सबसे ज्यादा गोल करने वाले वायने रूनी से सिर्फ नौ गोल दूर है। रूनी ने 53 अंतरराष्ट्रीय गोल किए है जबकि केन का आंकड़ा 44 तक पहुंच गया। इंग्लैंड के हैरी मैगुइर (नौवें मिनट) और जॉर्डन हेंडरसन (28वां मिनट) ने भी गोल किये। इंग्लैंड ग्रुप आई में नौ मैचों में 23 अंक के साथ शीर्ष पर है। ग्रुप के अन्य मैच में हंगरी ने सैन मारिनो को 4-0 से हराया। हंगरी की नौ मैचों में यह चौथी जीत रही जबकि सैन मारिनो को नौ मैचों में नौवीं बार हार का सामना करना पड़ा।

नीरज चोपड़ा, सुमित अंतिल समेत 12 खिलाड़ी खेल रत्न से सम्मानित, 35 को मिला अर्जुन पुरस्कार

नई दिल्ली (एजेंसी।

ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता नीरज चोपड़ा, पैरालंपिक स्वर्ण पदक विजेता सुमित अंतिल और महिला क्रिकेटर मिताली राज सहित नौ अन्य खिलाड़ियों को शनिवार को यहां राष्ट्रपति भवन में देश के सर्वोच्च खेल सम्मान मेजर ध्यानचंद खेल रत्न से सम्मानित किया गया। वहीं, 35 एथलीटों को अर्जुन पुरस्कार से नवाजा गया। ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतने वाले चोपड़ा और पैरालंपिक हीरो को जोरदार तालियों के साथ राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद, कई मंत्रियों और गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में खेल रत्न पुरस्कार दिया गया। इस वर्ष इन पुरस्कारों के लिए बड़ी संख्या में नाम दिए गए थे, जिन पर इस महीने की शुरुआत में (सेवानिवृत्त) न्यायमूर्ति मुकुंदकम शर्मा की अध्यक्षता वाली चयन समिति ने फैसला लिया। खेल रत्न बारह खिलाड़ियों को मिला जिसमें, नीरज (एथलेटिक्स), रवि दहिया (कुश्ती), लवलीना बोरगोहेन (मुक्केबाजी), पीआर श्रीजेश (हॉकी), अवनी लेखारा (पैरा-शूटिंग), एंटील (पैरा-एथलेटिक्स), प्रमोद भगत (पैरा-बैडमिंटन), कृष्णा नगर (पैरा-बैडमिंटन), मनीष नरवाल (पैरा-शूटिंग), मिताली राज (क्रिकेट), सुनील छेत्री (फुटबॉल), और मनप्रीत सिंह (हॉकी)। इस बीच, टोक्यो 2020 पैरालंपिक स्वर्ण पदक विजेता कृष्णा नागर पुरस्कार समारोह में शामिल नहीं हुए। क्योंकि ऐसी बातें सामने आ रही थीं कि उनकी मां का शुक्रवार को निधन हो गया और इसलिए वह इस समारोह में नहीं पहुंच सके। इस समारोह में टोक्यो 2020 ओलंपिक में 41 साल बाद भारत को ऐतिहासिक कांस्य पदक दिलाने वाली पुरुष हॉकी टीम के सभी सदस्यों को श्रीजेश और मनप्रीत को छोड़कर अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित किया गया है, ये दोनों पहले ही इसे प्राप्त कर चुके हैं। अर्जुन पुरस्कार लेने वाले एथलीटों में अरपिंदर सिंह, सिमरनजीत कौर, शिखर धवन, भवानी देवी, मोनिका देवी, वंदना कटारिया, संदीप नरवाल, हिमानी उत्तम परब, अभिषेक वर्मा, अंकिता रैना, दीपक पुनिया, दिलप्रीत सिंह, हरमन प्रीत सिंह, रूपिंदर पाल सिंह, सुरेंद्र कुमार, अमित रोहिदास, बीरेंद्र लकड़ा, सुमित, नीलकांत शर्मा, हार्दिक सिंह, विवेक सागर प्रसाद, गुरजंत सिंह, मनदीप सिंह, शमशेर सिंह, ललित कुमार उपाध्याय, वरुण कुमार, सिमरनजीत सिंह, योगेश कथूनिया, निषाद कुमार, प्रवीण कुमार, सुहास यतिराज, सिंहराज अधाना, भावना पटेल, हरविंदर सिंह और शरद कुमार शामिल हैं। इस अवसर पर लाइफ टाइम श्रेणी के लिए द्रोणाचार्य पुरस्कार भी प्रदान किया गया। इसे कोचों में टीपी औसेफ (एथलेटिक्स), सरकार तलवार (क्रिकेट), सरपाल सिंह (हॉकी), आशान कुमार (कबड्डी) और तपन कुमार पाणिग्रही (तैराकी) को दिया गया।

जूनियर विश्व कप में बेहतर प्रदर्शन करेगी भारतीय टीम : विवेक प्रसाद

मुंबई (एजेंसी।

बहुत कम लोगों को ही विश्व कप में खेलने का दूसरा मौका मिलता है। भारत के विवेक सागर प्रसाद जो चोट के कारण 2016 सीजन में जूनियर विश्व कप खेलने से चूक गए थे। लेकिन अब 24 नवंबर से भुवनेश्वर में शुरू होने वाले जूनियर विश्व कप में टीम का नेतृत्व करेंगे। 2016 में भारतीय टीम ने जूनियर विश्व कप जीता था। लेकिन प्रसाद उस जीत का हिस्सा नहीं बन पाए थे। हालांकि यह पूरी तरह से एक अलग टीम है जिसका वह नेतृत्व कर रहे हैं। मध्य प्रदेश के होशंगाबाद में पैदा हुए प्रसाद (16) जूनियर विश्व कप में खेलने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ियों में से एक थे, लेकिन चोट के कारण उन्हें नहीं चुना गया था। जनवरी 2018 में उन्होंने सीनियर हॉकी टीम के लिए पदार्पण किया। इसके बाद, भारत का प्रतिनिधित्व करने वाले दूसरे सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बन गए। हालांकि, प्रसाद के लिए यह भूमिका नई नहीं है क्योंकि उन्होंने पहले भी भारत का नेतृत्व किया है और भुवनेश्वर में अपने पुराने साथियों के साथ एक बार फिर से कमान संभालते नजर आएंगे।प्रसाद ने कहा, यह मेरे लिए कोई नई भूमिका नहीं है क्योंकि मैंने पहले भी जूनियर टीम का नेतृत्व किया है। हां, सीनियर टीम का हिस्सा होने के कारण मेरी भूमिका थोड़ी अलग रही है। लेकिन टीम में हर खिलाड़ी की एक अलग भूमिका होती है, जिसके बारे में उन्हें पता होता है। मैं टीम में पहले एकजुटता और विश्वास के सिद्धांतों को विकसित करना चाहता हूं, जिसका मैंने सीनियर टीम में भी पालन किया है।

डब्ल्यूटीए फाइनल्स : एनेट कोंटावेट, गार्बाइन मुगुरूजा ने मैच जीते

गुआडालाजारा (मेक्सिको) । एस्तोनया की 25 वर्षीय एनेट कोंटावेट ने कैरोलिना प्लिस्कोवा को 6-4, 6-0 से हराकर डब्ल्यूटीए टेनिस फाइनल्स के सेमीफाइनल में स्थान सुनिश्चित किया। कोंटावेट ने पिछले 30 में से 28 मैचों में जीत हासिल की है। उन्होंने प्लिस्कोवा पर शुक्रवार को जीत के साथ लगातार 12वें मैच में जीत दर्ज की। दिन के अंतिम मैच में गार्बाइन मुगुरूजा ने बारबोरा क्रेजसिकोवा को 2-6, 6-3, 6-4 से हराया जिससे वह खिताब की दौड़ में बनी हुई हैं। अपने करियर में लगातार दूसरी बार सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई करने के लिए इस स्पेनिश खिलाड़ी को कोंटावेट के खिलाफ जीत दर्ज करनी होगी और साथ ही क्रेजसिकोवा के प्लिस्कोवा पर जीत की उम्मीद करनी होगी। फ्रेंच ओपन चैम्पियन क्रेजसिकोवा अभी बाहर नहीं हुई हैं लेकिन उन्हें दो सेट में प्लिस्कोवा को हराना होगा और साथ ही मुगुरूजा के हारने की उम्मीद करनी होगी। युगल में शुको ओयामा और एना शिबिहारा की दूसरी वरीयता प्राप्त टीम ने निकोल मेलिचार-मार्टिनेज और डेमी शुर की जोड़ी को 6-4 7-6 से हराया।

टी20 विश्व कप में पहली बार विजेता बनने के लिए ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड के बीच होगी खिताबी जंग

दुबई (एजेंसी।

आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप के फाइनल में रविवार को यहां दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड खिताबी जंग के लिए तैयार हैं। जो भी टीम यह टूर्नामेंट जीतेगी उनके सिर पर पहली बार ताज सजेगा। क्योंकि 2007 के सीजन से अब तक कभी भी ये टीम ट्रॉफी नहीं जीत पाई है।अब तक इन दो टीमों ने टी20 विश्व कप नहीं जीता है। हालांकि ऑस्ट्रेलिया 2010 में फाइनल तक का सफर तय किया था लेकिन विजेता नहीं बन पाई थी।न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया ने सेमीफाइनल में शीर्ष क्रम की दो टीमों को इंग्लैंड और पाकिस्तान को हराकर फाइनल में अपनी जगह बनाई है। इन दोनों के बीच हुए मुकाबले को देखें तो ऑस्ट्रेलिया टी20 में न्यूजीलैंड से ज्यादा मैच जीता हुआ है। कंगारूओं ने आठ तो कीवियों ने पांच मुकाबले जीते हैं। भारत में 2016 के टी20 विश्व कप सीजन में न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया का आमना-सामना हुआ था। जिसमें कीवियों ने कंगारूओं को धूल चटाई थी। इस मैच के हीरो मिशेल मैक्लेघन थे। जिन्होंने शानदार गेंदबाज करते हुए तीन विकेट अपने नाम किए थे। इससे पहले, दोनों टीमों की मुलाकात एकदिवसीय विश्व कप फाइनल में 2015 में हुई थी, जब दोनों पड़ोसियों ने टूर्नामेंट की सह-मेजबानी की थी। हालांकि ब्रेंडन मैकुलम की टीम माइकल क्लार्क की टीम से मेलबर्न के मैदान पर हार गई थी। उस मैच में न्यूजीलैंड 183 रन पर ही सिमट गई थी, जिसके बाद ऑस्ट्रेलिया ने खिताबी मुकाबले में सात विकेट से जीत दर्ज की थी और पांचवीं बार विश्व कप के खिताब पर कब्जा किया था। मैच में मिचेल जॉनसन और जेम्स फॉल्कनर ने तीन-तीन विकेट लिए, जबकि मिचेल स्टार्क ने दो विकेट चकटाए थे। रविवार को होने वाले फाइनल मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया के कप्तान एरोन फिंच पर सबकी नजरें होंगी। क्योंकि फिंच ने न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 मैचों में सबसे ज्यादा 251 रन बनाए हैं। जिसमें कीवियों के खिलाफ सात पारियों में दो अर्धशतक भी शामिल हैं। वहीं, ऑस्ट्रेलिया का हरफनमौला खिलाड़ी ग्लेन मैक्सवेल ने नौ पारियों में 157.25 स्ट्राइक रेट से 206 रन और डेविड वार्नर ने 156.43 के स्ट्राइक रेट से सात पारियों में 158 रन बनाकर कीवी टीम के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन किया है।दूसरी तरफ, ब्लैक कैप्स के मार्टिन गुप्टिल ने ऑस्ट्रेलिया टीम को चुनौती दी है।

संक्षिप्त समाचार

चंद्रपॉल बने वेस्टइंडीज अंडर-19 के बल्लेबाजी सलाहकार

एंटीगुआ। वेस्टइंडीज के दिग्गज खिलाड़ी शिवनारायण चंद्रपॉल को कैरेबियन में जनवरी-फरवरी 2022 में आयोजित होने वाले आईसीसी अंडर-19 क्रिकेट विश्व कप के लिए बल्लेबाजी सलाहकार नियुक्त किया गया है। जिससे आगामी टूर्नामेंट में खिलाड़ी बेहतरीन प्रदर्शन के लिए तैयार हो सकें। चंद्रपॉल वेस्टइंडीज के टेस्ट इतिहास में सबसे ज्यादा सफल खिलाड़ी रहे हैं। उन्होंने 164 मैच खेले हैं और 51.37 की औसत से 11,867 रन बनाए हैं। क्रिकेट वेस्टइंडीज (सीडब्ल्यूआई) ने शुक्रवार को कहा कि वह मुख्य कोच फ्लॉयड रीफर की अध्यक्षता में कोचिंग स्टाफ के नए सदस्य हैं और वर्ल्ड कप की तैयारियों का हिस्सा होंगे। इनका अभ्यास सत्र 15 से 28 नवंबर तक एंटीगुआ के कूलिज क्रिकेट ग्राउंड में चलाया जाएगा। जिमी एडम्स ने कहा, हम शिवनारायण चंद्रपॉल का राइजिंग स्टार्स अंडर-19 ग्रुप में स्वागत करना चाहते हैं और हम उनके साथ इस महत्वपूर्ण चरण में हमारे युवा खिलाड़ियों के विकास के लिए काम करने को लेकर उत्सुक हैं। शिव के पास जबरदस्त क्रिकेट का ज्ञान, अनुभव और जानकारी है। सर कर्टली एम्ब्रोस हमारे पास पहले से टीम में शामिल हैं और साथ ही साथ कई अन्य उत्कृष्ट कोच भी मौजूद हैं।

गौतम गंभीर ने की डेविड वार्नर की आलोचना

दुबई। पूर्व भारतीय क्रिकेटर गौतम गंभीर ने शुक्रवार को यहां आईसीसी टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल के दौरान पाकिस्तान के स्पिनर मोहम्मद हफीज की दो टप्पे की गेंद पर मिड-विकेट की ओर छक्का लगाने के लिए ऑस्ट्रेलियाई सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर की आलोचना की। मैथ्यू वेड, मार्कस स्टोइनिस और वार्नर की शानदार बल्लेबाजी के दम पर ऑस्ट्रेलिया ने गुरुवार को दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में खेले गए रोमांचक सेमीफाइनल में पाकिस्तान को पांच विकेट से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। रविवार (14 नवंबर) को खेले जाने वाले फाइनल में अब ऑस्ट्रेलिया का सामना न्यूजीलैंड से होगा। इससे पहले कीवी टीम ने पहले सेमीफाइनल में इंग्लैंड पर शानदार जीत दर्ज की थी। वार्नर जो अब टूर्नामेंट में अच्छे फॉर्म में दिख रहे हैं। उन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ 30 गेंदों में 49 रनों की महत्वपूर्ण पारी खेली। इस दौरान हफीज की एक दो टप्पे की आई गेंद को छोड़ने की वजाय उसे हिट कर दिया। इस पर गंभीर ने उनकी आलोचना की है। गंभीर ने इस शॉट को शर्मनाक बताते हुए ट्वीट कर कहा, वॉर्नर द्वारा खेल की भावना का खराब प्रदर्शन! उनके इस ट्वीट को आर अश्विन ने भी रीट्वीट किया। हालांकि, कमेंटेटर मार्क निकोलस ने इस हिट को अविश्वसनीय करार देते हुए कहा, मुझे नहीं लगता कि मैंने ऐसा पहले कभी देखा है।

टेस्ट और वनडे कप्तानी भी छोड़ सकते हैं विराट कोहली, रवि शास्त्री ने दिए संकेत

(एजेंसी)

भारत के बेहतरीन बल्लेबाज विराट कोहली अब टेस्ट और वनडे फॉर्मेट में भी भारतीय टीम की कप्तानी छोड़ सकते हैं. इस बात के संकेत पूर्व भारतीय हेड कोच रवि शास्त्री ने दिए. शास्त्री का मानना है कि विराट अंतरराष्ट्रीय टी20 के बाद कोविड-19 से जुड़े दबाव से निपटने के लिए अन्य फॉर्मेट की कप्तानी भी छोड़ सकते हैं. जब रवि शास्त्री से विराट कोहली की कप्तानी पर सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि कार्यभार के बेहतर प्रबंधन के लिए वह अन्य फॉर्मेट में भी नेतृत्व की जिम्मेदारी छोड़ सकते हैं. शास्त्री ने कहा- उनकी कप्तानी में टेस्ट क्रिकेट में भारत पिछले 5 साल से शीर्ष पायदान पर काबिज है. जब तक वह मानसिक रूप से थके हुए महसूस नहीं करेंगे तब तक अपनी कप्तानी नहीं छोड़ना चाहेंगे. लेकिन निकट भविष्य में वह बल्लेबाजी पर ध्यान केंद्रित करने के लिए कप्तानी छोड़ सकते हैं.रवि शास्त्री ने विराट कोहली को सबसे फिट क्रिकेटर करार दिया और कहा- बहुत से सफल खिलाड़ियों ने अपनी बल्लेबाजी पर ध्यान देने के लिए कप्तानी छोड़ दी. विराट में खेल में अच्छा करने की भूख अभी भी बरकरार है और वो टीम में किसी से भी ज्यादा फिट हैं. इस बारे में कोई शक नहीं है. उन्होंने यह भी माना कि मौजूदा समय में अलग-अलग कप्तान होना सही होगा. इससे खिलाड़ियों पर दबाव कम होगा. बहुत से खिलाड़ी ब्रेक लेना चाहते हैं. समय-समय पर खेल से आराम लेना चाहते हैं.

पाकिस्तान टीम टेस्ट और टी20 सीरीज खेलने के लिए पहुंची ढाका

ढाका (एजेंसी।

यूएई में आईसीसी टी20 विश्व कप में शानदार प्रदर्शन के बाद पाकिस्तान क्रिकेट टीम 19 नवंबर से शुरू हो रही टी20 और टेस्ट सीरीज के लिए शनिवार को ढाका पहुंच गई। बाबर आजम की अगुवाई वाली टीम बांग्लादेश के साथ यहां तीन टी20 और दो टेस्ट मैचों की सीरीज खेलेगी। पहला टेस्ट 26 नवंबर से चटगांव में खेला जाएगा, जबकि दूसरा टेस्ट 4 दिसंबर से ढाका में शुरू होगा। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने एक बयान में कहा, बाबर आजम और अनुभवी ऑलराउंडर शोएब मलिक 16 नवंबर को ढाका में टीम से जुड़ेंगे। वहीं, अन्य खिलाड़ी क्वारंटाइन में एक दिन बिताने के बाद अभ्यास शुरू करेंगे। पीसीबी ने घोषणा की थी कि वह आईसीसी टी20 विश्व कप खेलने वाली टीम को बरकरार रखने का फैसला किया था, सिवाय मोहम्मद हफीज के जिन्होंने टीम प्रबंधन से युवा खिलाड़ियों को अवसर देने के लिए बाहर रहने का अनुरोध किया था।हफीज के बाद मलिक ही मौजूदा पाकिस्तान टीम में दूसरे सबसे लंबे समय तक सेवा देने वाले क्रिकेटर हैं। 41 साल के हफीज ने नवंबर 2020 में संन्यास की योजना बनाई थी, लेकिन ऑस्ट्रेलिया में टी20 विश्व कप को देखते हुए अपना फैसला टाल दिया। मध्य क्रम में इफ्तिखार अहमद समेत हैदर अली और खुशदिल शाह को टीम में शामिल किया गया है। दो टेस्ट मैचों के लिए पाकिस्तान की टीम की घोषणा बाद में की जाएगी।

इटली और स्विट्जरलैंड के ड्रा खेलने के बाद बराबर अंक

रोम । यूरोपीय चैम्पियन इटली की टीम ने शुक्रवार को यहां फुटबॉल विश्व कप क्वालीफायर मुकाबले में स्विट्जरलैंड से ड्रा खेला जिससे उसे अंतिम मैच में बड़े अंतर से जीत हासिल करनी होगी। क्वालीफायर के अंतिम राउंड से पहले इटली की टीम स्विट्जरलैंड के खिलाफ 1-1 से ड्रा से खेलकर ग्रुप सी में गोल अंतर के हिसाब से शीर्ष पर पहुंच गयी। इससे उसके और स्विट्जरलैंड के समान 15 अंक हैं। पिछले विश्व कप में क्वालीफाई करने में असफल रही इटली की टीम सोमवार को उत्तरी आयरलैंड के खिलाफ बड़े गोल अंतर से जीत दर्ज करना चाहेगी। वहीं स्विट्जलरैंड का सामना मेजबान बुल्गारिया से होगा। ग्रुप में केवल शीर्ष पर रहने वाली टीम ही कतर में अगले साल होने वाले विश्व कप के लिये सीधे प्रवेश करेगी। दूसरे स्थान पर रहने वाली टीम मार्च में प्लेआफ खेलेगी।

अल्टीमेट कराटे लीग में खेलेंगे विश्व चैंपियन

लखनऊ (एजेंसी।

अल्टीमेट कराटे लीग (यूकेएल) में अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ियों का जमघट लखनऊ में लगेगा। यहां 3 दिसंबर से होने वाली लीग में विश्व चैंपियन और यूरोपीय चैंपियन हिस्सा लेंगे। सभी मैच बाबू बनारसी दास बैडमिंटन अकादमी में होंगे। देश में पहली बार यूकेएल यानी अल्टीमेट कराटे लीग का आयोजन 3 से 12 दिसम्बर तक होगा। इसमें देश विदेश के खिलाड़ी अपना जौहर दिखाएंगे।इंडियन प्रोफेशन कराटे काउंसिल के अध्यक्ष राजीव सिन्हा ने बताया कि सभी 6 फ्रेंचाइजी टीमों की घोषणा की गयी है। उन्होंने बताया कि पहले दिन दिल्ली ब्रेवहार्ट और यूपी के रेबल्स के बीच मुकाबले से शुरूआत होगी। प्रतियोगिता का आयोजन लखनऊ स्थित बाबू बनारसी दास बैडमिंटन अकादमी में होगा। इसका प्रसारण एक चैनल में 6 बजे से रात 8 बजे तक होगा। उन्होंने बताया कि लीग में खेलने वाली टीमें कुछ इस प्रकार से हैं। दिल्ली ब्रेवहार्ट, यूपी रेबल्स, बेंगलुरू किंग्स, मुंबई निंजा, पंजाब फाइटर और पुणे डिवाइन की टीमें भाग ले रही है। तीन दिसम्बर को दिल्ली ब्रेवहार्ट और यूपी रेबल्स के बीच मैच शुरू होगा। 4 दिसंबर मुंबई निंजा बनाम बेंगलुरू किंग्स और पंजाब फाइटर्स बनाम पुणे समुराई के बीच मुकाबला होगा। 5 दिसंबर बेंगलुरू किंग्स बनाम दिल्ली ब्रेवहार्टस और पुणे सेमुराई बनाम यूपी रेबेल्स। 6 दिसंबर पंजाब फाइटर्स बनाम मुंबई निंजा और दिल्ली ब्रेवहार्टस बनाम पुणे समुराई। 7 दिसंबर बेंगलुरू किंग्स बनाम पंजाब फाइटर्स और यूपी रेबेल्स बनाम मुंबई निंजा। 8 दिसंबर पंजाब फाइटर्स बनाम दिल्ली ब्रेवहार्ट स और मुंबई निंजा बनाम पुणे समुराई। 9 दिसंबर यूपी रेबेल्स बनाम बेंगलुरू किंग्स और दिल्ली ब्रेवहार्टस बनाम मुंबई निंजा। 10 दिसंबर पंजाब फाइटर्स बनाम यूपी रेबेल्स और पुणे सेमुराई बनाम बेंगलुरू किंग्स। 11 दिसंबर पहला सेमीफाइनल और दूसरा सेमीफाइनल। 12 दिसंबर फाइनल खेला जाएगा। राजीव सिन्हा ने कहा यूकेएल की स्थापना का मुख्य उद्देश्य मौजूदा और भविष्य के कराटे अभ्यासियों के बीच एक आकांक्षात्मक जुड़ाव को गति प्रदान करना था। यूकेएल का आयोजन सफल होता है तो 2024 में इसकी वर्ल्ड चैंपियनशिप की मेजबानी लखनऊ को मिल सकती है।

ओलिम्पिक पदक विजेता हॉकी स्टार रविवार को राष्ट्रीय शिविर से जुड़ेंगे

नई दिल्ली । ऐतिहासिक ओलिम्पिक कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय पुरूष हॉकी टीम के सदस्य ढाका में अगले महीने होने वाली हीरो एशियाई चैम्पियंस ट्राफी से पहले रविवार को भुवनेश्वर में चल रहे राष्ट्रीय शिविर से जुड़ेंगे जिसमें कप्तान मनप्रीत सिंह और अनुभवी गोलकीपर पी आर श्रीजेश शामिल हैं। राष्ट्रीय शिविर 10 नवंबर से शुरू हो चुका है जिसमें ओलंपिक कांस्य पदक विजेता टीम के सदस्य शामिल नहीं हुए थे। मनप्रीत और श्रीजेश को यहां शनिवार को मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा जिसके बाद वे शिविर के लिए रवाना होंगे। रविवार को शिविर से जुड़ने वाले अन्य खिलाड़ी हरमनप्रीत सिंह, दिलप्रीत सिंह, अमित रोहिदास, सुरेंदर कुमार, नीलकांत शर्मा, सुमित, हार्दिक सिंह, सिमरनजीत सिंह, गुरजांत सिंह, मंदीप सिंह, शमशेर सिंह, ललित कुमार उपाध्याय और वरूण कुमार हैं जिन्हें टोक्यो ओलिम्पिक में ऐतिहासिक प्रदर्शन के लिये अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। विवेक सागर प्रसाद भी अर्जुन पुरस्कार समारोह के लिए नई दिल्ली में हैं वह 24 नवंबर से पांच दिसंबर तक भुवनेश्वर में होने वाले एफआईएच पुरूष जूनियर विश्व कप में भारतीय जूनियर टीम के साथ अभियान के बाद सीनियर शिविर से जुड़ जाएंगे।तीस सदस्यीय कोर संभावित ग्रुप नौ दिसंबर तक भुवनेश्वर में शिविर में हिस्सा लेगा। कोर ग्रुप में आकाशदीप सिंह, गुरिंदर सिंह, जर्मनप्रीत सिंह, कृष्ण बी पाठक, सूरज करकेरा, जसकरण सिंह, नीलम संजीप जेस, राज कुमार पाल, गुरसाहिबजीत सिंह, दिप्सन टिर्की, शिलानंद लकड़ा, मंदीप मोर, आशीष कुमार टोप्नो और सुमन बेक शामिल हैं।

सुमूल डेयरी में टेम्पो चालक की हत्या के बाद परिजनों समेत अन्य टेम्पो चालकों ने किया हंगामा

सूरत।

सूरत की सुमूल डेयरी में बीते दिन पार्किंग के मुद्दे पर एक टेम्पो चालक की हत्या के बाद मृतक के परिजन समेत अन्य टेम्पो चालकों ने आज मुआवजे की मांग के साथ जबर्दस्त हंगामा किया। घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को तितर बितर करने के लिए हलका लाठीचार्ज भी किया। दूसरी ओर डेयरी संचालकों ने मामला और अधिक उग्र हो उससे पहले मृतक के परिजनों को रु. 12 लाख के मुआवजे का ऐलान कर दिया। जिसका विरोध कर रहे टेम्पो चालकों ने स्वागत किया और प्रदर्शन खत्म कर दिया। जानकारी के सूरत के मिलिन्दरनगर निवासी और सुमूल डेयरी में कोन्ट्रेक्ट बेज पर बतौर टेम्पो चालक काम करने वाले 30 वर्षीय सुनील गुप्ता नामक युवक की अन्य टेम्पो चालक रवि शुक्ला के साथ पार्किंग के मुद्दे पर कहासुनी हुई थी। मामूली बात हुई कहासुनी हिंसक हो गई और रवि शुक्ला ने चाकू निकाल कर सुनील गुप्ता पर कई वार किए। गंभीर रूप से घायल सुनील गुप्ता को निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां उपचार के दौरान सुनील दम तोड़ दिया। सुनील की मौत के बाद सुमूल डेयरी से टेम्पो चालकों में आक्रोश भड़क उठा। आज सुबह मृतक के परिवार समेत बड़ी संख्या टेम्पो चालकों के सुमूल डेयरी के मुख्य द्वार पर विरोध प्रदर्शन करने से माहौल तनावपूर्ण हो गया। घटनास्थल पहुंची पुलिस ने हालात पर काबू पाने का प्रयास किया। लेकिन टेम्पो चालकों ने मृतक के परिजनों का आर्थिक सहायता की मांग करते हुए विरोध प्रदर्शन जारी रखा। टेम्पो चालकों के टस से मस नहीं होने पर पुलिस ने उन पर हल्का बल प्रयोग कर हटाने का प्रयास किया। इस दौरान महिधरपुरा पुलिस ने चार-पांच टेम्पो चालकों को भी हिरासत

में ले लिया। दूसरी ओर मामला बिगड़ता देख डेयरी संचालकों के बीच बैठकों को दौर शुरू हो गया। विरोध प्रदर्शन और उग्र होने की आशंका को देखते हुए सुमूल डेयरी संचालकों ने मृतक सुनील गुप्ता के परिजनों को रु. 12 लाख रुपए बतौर मुआवजा देने का ऐलान कर दिया। जिसके बाद विरोध कर रहे टेम्पो चालकों ने डेयरी संचालकों के फैसले का स्वागत करते हुए अपना प्रदर्शन खत्म कर दिया।

गंगा की तर्ज पर अब नर्मदा नदी की होगी नियमित आरती, पीएम मोदी जल्द कराएंगे शुभारंभ

अहमदाबाद।

उत्तराखंड के हरिद्वार और उत्तर प्रदेश के बनारस में जिस प्रकार गंगा नदी की आरती की जाती है, उसी प्रकार अब गुजरात की जीवनदायिनी नर्मदा नदी की भी आरती होगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जल्द ही नर्मदा आरती का शुभारंभ कराएंगे। पीएम मोदी की महत्वाकांक्षी विचारधारा में शामिल इस योजना को अंतिम रूप दिया जा चुका है और जल्द ही इसके साकार होने की संभावना है। नर्मदा जिले के गोरा गांव में नर्मदा घाट पर नर्मदा आरती का ग्रांड रिहर्सल भी किया जा चुका है। इस कार्यक्रम के शुरू होने से अब गुजरात के लोगों को गंगा आरती का आनंद लेने के लिए हरिद्वार या बनारस नहीं जाना पड़ेगा। गुजरात में ही पवित्र नदी की आरती का लोगों का लाभ मिलेगा। गुजरात में भी गंगा आरती की भांति नर्मदा की नियमित आरती होगी।

नर्मदा आरती के लिए 11 करोड़ की लागत से 50 मीटर लंबा और 35 मीटर चौंड़ा विशाल घाट बनाया गया है। साथ ही पुजारी को खड़े रहने के लिए एक प्लेटफार्म बनाया गया है। जहां खड़े होकर पुजारी नर्मदा नदी की नियमित संध्या आरती करेंगे। इस घाट पर एक साथ 6 हजार श्रद्धालु नर्मदा आरती के दर्शन कर सकेंगे। नर्मदा नदी में म्युजिकल फाउन्टेन और लेसर शो भी होगा। आरती पूर्ण होने के पश्चात फाउन्टेन लेशर दिखाया जाएगा। नर्मदा आरती में काशी के खास पुजारी उपस्थित रहेंगे। नर्मदा नदी की सर्व प्रथम आरती प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी करेंगे, जिसे देखते हुए अभी से ग्रांड रिहर्सल शुरू कर दिया गया है। स्थानीय लोगों के मुताबिक नर्मदा जिले में स्टैच्यू ऑफ यूनिटी के बाद गोरा घाट पर नर्मदा नदी की आरती से भक्तों के साथ ही पर्यटकों की संख्या में वृद्धि होगी।

उतराण ब्रिज के निकट गैरेज के बाहर पार्क तीन कारें आग में जलकर खाक

सूरत।

शहर के उतराण ब्रिज के निकट गैरेज के बाहर पार्क कारों में अचानक आग लगने से स्थानीय लोगों में दहशत फैल गई। खबर मिलते ही दमकल की गाडियां मौके पर पहुंच गई और आग पर काबू पा लिया। हांलाकि तब तक तीनों कारें आग में स्वाहा हो चुकी थीं। गैरेज मालिक का आरोप है किसी ने उसे मानसिक रूप से परेशान करने के उद्देश्य से कारों में आग लगाई है। जानकारी के मुताबिक सूरत के मोटा वराछा क्षेत्र में उतराण ब्रिज के निकट जयंतीभाई भाणाभाई बारैया निराली मोटर्स नामक गैरेज चलाते हैं। शनिवार की तड़के गैरेज के बाहर पार्क की गई तीन कारें अचानक धू धूध कर जलने लगी। इसकी खबर मिलते ही जयंतीभाई ने तुरंत कापोद्रा फायर स्टेशन को जानकारी दी। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की गाड़ियां घटनास्थल पर पहुंच गई और त्वरित कार्यवाही कर आग पर काबू पा लिया। हांलाकि तब तक तीनों कार बुरी तरह जल चुकी थीं। गैरेज मालिक जयंतीभाई बार-या ने आशंका जताई है कि उनके गैरेज के बाहर पार्क कारों में आसपास के सांई हाईट्स और पार्क एवन्यू के किसी शख्स ने आग लगाई है। इन दोनों कॉलोनियों के निवासियों ने पहले भी उनके गैरेज के बाहर पार्क होनेवाली गाडियों को लेकर महानगर पालिका से शिकायत की है। शिकायत मिलने पर मनपा के कर्मचारी भी आते और सभी गाडियां सफेद पट्टी के भीतर होने की वजह से किसी प्रकार की कार्यवाही किए बगैर लौट जाते थे। ऐसी शिकायतों को देखते हुए आशंका है सांई हाइट्स और पार्क एवन्यू में रहनेवाले किसी शख्स ने आज सुबह तीन कारों में आग लगाई होगी। जयंतीभाई बारैया ने

बताया कि उनके गैरेज के बाहर कुल पांच कारें पार्क हैं, जिसमें बीते दिन दोपहर के वक्त एक अज्ञात शख्स ने एक गाडी में आग लगाई और बाद में बुझा दी। जिसके बाद रात 9 बजे भी ऐसी ही कोशिश की गई, लेकिन लोगों की आवाजाही के कारण सफलता नहीं मिली। जिससे साफ है कि सांई हाइट्स और पार्क एवन्यू में रहनेवाले किसी शख्स द्वारा आज सुबह तीन कारों में आग लगाई गई।

ट्रावेल्स कंपनी की बस में शराब तस्करी का पर्दाफाश

सूरत ।

राजस्थान के ट्रावेल्स कंपनी की बस में शराब तस्करी का पर्दाफाश करते हुए सूरत पुलिस ने दो ड्राइवर समेत तीन लोगों को गिरफ्तार कर लिया। साथ ही 2. 18 लाख रुपए की विदेशी शराब समेत कुल रु. 13.18 लाख का माल-सामान जब्त कर आगे की कार्रवाई शुरू की है। जानकारी के मुताबिक सूरत के पूणा पुलिस की टीम क्षेत्र में गश्त कर रही थी। उस वक्त नियोल चौक के निकट वाहनों की जांच के दौरान पुलिस को सूचना मिली राजस्थान की ट्रावेल्स कंपनी की यात्री बस में विदेशी शराब लाई जा रही है। सूचना के बाद हरकत में आई पुलिस ने नियोल चौक के निकट पहुंची राजस्थान के सांवरिया ट्रावेल्स कंपनी की लक्जरी बस की गहन जांच की। प्लास्टिक बोरियों में सोडा/गैस भरने के एल्युमिनियम के कैन से विदेशी शराब बरामद हुई। पुलिस ने विदेशी शराब और बियर समेत कुल रु. 2. 18 लाख की शराब, 40 हजार कीमत के 3 मोबाइल, रु. 10 लाख कीमत की लक्जरी बस और सोडा/गैस भरने के एल्युमिनियम के 8 कैन समेत कुल रु. 13.18 लाख माल-सामान जब्त कर लिया। साथ ही राजस्थान के नागौर जिला निवासी 35 वर्षीय देवीसिंह उर्फ सोनुसिंह

गणपतसिंह राठौड, सीकर जिले के भगवानसिंह उर्फ ओनारसिंह शेखावत, नागौर जिले के प्रकाश शिवभगवान मेघवाल समेत तीन लोगों को गिरफ्तार कर आगे कीकार्रवाई शुरू की। पुलिस पूछताछ में पता चला कि राज-स्थान के राजसमद में श्रीबालाजी होटल एन्ड गेस्टहाउस के निकट सफेद कार में आए अज्ञात शख्स ने पकड़े गए आरोपियों को सूरत पहुंचाने के लिए पार्सल दिए थे। सूरत पहुंचने के बाद अज्ञात शख्स ने फोन करने को कहा था।

३५० करोड़ रुपये के ड्रग्स मामले में दो आरोपी गिरफ्तार

देवभूमि द्वारका ।

द्वारका जिले से पकड़े गये ३१५ करोड़ रुपये के ड्रग्स मामले में और दो आरोपी के नाम खुले है। जिसमें से एक महाराष्ट्रीयन युवक सेजाद घोसी से १७ किलो ६५१ ग्राम ड्रग्स जब्त होने से सक्रिय हुई एसओजी द्वारा ड्रग्स सप्लाइर सलाया के कारा बंधु सलीम कारा और अली कारा को गिरफ्तार करके उनके पास से ४७ किलो का ड्रग्स जब्त होने पर ३१५ करोड़ रुपये का भारी जत्था जब्त करके सभी तीनों आरोपियों के ९ दिन का रिमांड मिलने पर रिमांड के पहले दिन ही चौंकाने वाला खुलासा सामने आया। यह खुलासे के अनुसार, द्वारका के रुपेण बंदरगाह से अली कारा ने एक महीने पहले से ही खरीदी फारूकी नाव के द्वारा ड्रग्स आया था। नाव के द्वारा ड्रग्स लाने के लिए कारा बंधु ने और २ आरोपी सलीम और इरफान जसराया को हायर करके उनको समुद्र मार्ग से रूपेण बंदरगाह से फीशिंग का टोकन निकलवाकर समुद्र मार्ग से जखौ भेजा गया था लेकिन डीलिवरी में देरी होने पर सलीम जसराया तथा इरफान जसराया ने वहां से टोकन लेकर समुद्र में जाकर पाकिस्तानी समुद्र क्षेत्र में जाकर ड्रग्स का जत्था लिया था और इसके बाद फारूकी नाम की नाव के द्वारा गुजरात के सलाया बंदरगाह पर ९ तारीख को आया था। यह नाव द्वारा लाया गया ड्रग्स का सभी जत्था अली कारा और सलीम कारा को सौंपा गया । फिलहाल ३१५ करोड़ का ड्रग्स मामले में आज नए २ और आरोपी गिरफ्तार होने पर अभी तक कुल ५ आरोपी ड्रग्स मामले में गिरफ्तार हुए थे और यह नए गिरफ्तार हुए दोनों आरोपी को कोर्ट के समक्ष रिमांड की मांग करके आगे की जांच बढ़ाई जाएगी। इस मामले में आज पुलिस प्रमुख सुनील जोशी ने प्रेस कॉन्फरन्स द्वारा यह मामले की जानकारी दी थी । पूरे मामले में मिली जानकारी के अनुसार यह ड्रग्स का जत्था ६६ किलो है। जिसमें १६ किलो हेरोइन है। जबकि ५० किलो एमडी ड्रग्स है। द्वारका के आराधना धाम से ज ब्त किए गए यह ड्रग्स की कीमत अंतर्राष्ट्रीय बाजार में करोड़ों की होती है।

सूरत में ज्वेलर्स के शो-रूम पर फायरिंग होने पर भगदड़

फायरिंग लूट के इरादे हुआ या निजी दुश्मनी में यह मामले में पुलिस-क्राइम ब्रांच द्वारा जांच शुरू की गई

सूरत ।

सूरत शहर में क्राइम लगातार बढ़ रही है कभी मासूम बच्चियों पर बलात्कार तो कभी लूट और हत्या जैसे मामले बनते हैं। गत दिन शाम के समय शहर के सरथाणा क्षेत्र में स्थित सुखराम ज्वेलर्स के शो-रूम पर फायरिंग की घटना सामने आई है। अज्ञात शख्स द्वारा ज्वेलर्स के शो-रूम के शीशे पर ३ राउंड फायरिंग करने पर पुलिस सक्रिय हो गई है। फायरिंग की पूरी घटना सीसीटीवी में कैद हो गई थी। सुखराम ज्वेलर्स के शो-रूम पर गुरुवार को शाम को ७.२२ बजे एक शख्स आ गया और शो-रूम पर फायरिंग शुरू कर दिया। इस समय में शो-रूम से एक युवक बाहर निकला था। फायरिंग होते हुए देखकर वहां से निकल गया। इसके बाद अन्य दो युवक शो-रूम से बाहर निकला था और शो-रूम बंद कर दिया था। इस समय में वहां से निकल रहे युवक पर बंदूक ताका। फायरिंग किया था। हालांकि, गोली नहीं लगी थी हाल सरथाणा पुलिस और सूरत क्राइम ब्रांच की टीम फायरिंग करने वाले शख्स की पहचान दिशा में काम कर रही है। फायरिंग से शीशा नहीं टूटने पर फायरिंग एयरगन जैसे हथियार से हुए होने का अनुमान लगाया जा रहा है। हालांकि, फायरिंग असली गन से या एयरगन से

हुआ इस मामले में एफएसएल के रिपोर्ट के बाद ही कहा जा सकता है हाल में पुलिस द्वारा ऐसे अनुमान के साथ जांच की जा रही है कि, यह फायरिंग लूट के इरादे से किया गया है या फिर निजी दुश्मनी में यह किया गया है। सूरत के वेसु क्षेत्र में इन्टिरियर डिजाईनिंग का व्यवसाय करती युवती मॉर्निंग में साइकलिंग कर रही थी। तब बाइक पर आये अपराधियों ने युवती के हाथ से मोबाइल और रुपया भरा पर्स लूट करके फरार हो गये। पूरी घटना सीसीटीवी में कैद हो गई है। यह मामले में शिकायत दर्ज कराई गई है।

विवाहिता ने विडियो बनाकर साबरमती नदी में कूद गई

अहमदाबाद ।

कुछ दिन पहले आयशा नाम की एक विवाहिता ने अंतिम विडियो बनाकर अपनी आपबीती बताई साबरमती नदी में कूदकर आत्महत्या की थी। इस केस में अत्याचार करने वाला इसके पति की गिरफ्तारी की गई थी। ऐसी ही एक और घटना सामने आई है। नदी में कूदकर आत्महत्या करने की घटना में पुलिस ने मृतक के पति के खिलाफ अपराध दर्ज करके इसे हिरासत में लिया है। समीमबानु नाम की ३० वर्षीय महिला ने १२ वर्ष पहले वटवा में रहते अब्दुल माजिद अंसारी नाम के युवक के साथ प्रेम विवाह किया था। वैवाहिक जीवन के दौरान महिला ने चार बच्चों को जन्म दिया था। जिसमें तीन बेटे और एक बेटी है। यह युवती ने प्रेम विवाह करने से इसके माइके वाले इसे शुरूआत में नहीं बुलाते थे। लेकिन करीब एक वर्ष बाद इसने बेटी को जन्म देने के बाद माइक वालों ने बुलाना शुरू किया था। तीन चार वर्ष तक इसके पति ने इसे अच्छे तरीके से रखा लेकिन बाद में झगड़ा करके अत्याचार करना शुरू किया। समीमबानु का पति अक्सर छोटी छोटी बातों में झगड़ा करके अत्याचार करने लगा था।

जबकि समीमबानु माइके में आये तब इसका पति अत्याचार करते होने की शिकायत करती लेकिन इसका घर संसार नहीं बरबाद हो इसके लिए इसके घरवाले समझाकर वापस भेज देते थे। फिर भी इसके पति ने अत्याचार देना शुरू कर दिया। समीमबानु का पति इसे वायर और पट्टे से भी मारता था। जिसकी वजह से समीमबानु ने वटवा पुलिस स्टेशन में अर्जी की थी। इसके बाद इसका पति आया और तुझे तलाक देकर ले गया। समीमबानु को इसका पति माइके में जाने नहीं देता जिसकी वजह से छिपकर माइके वाले को मिलने जाती थी। समीमबानु ने परिजनों को यह भी बताया है कि इसका पति किसी अज्ञात महिला के साथ बात करता है और पूछे तो इसे मारता है। समीमबानु का पति इसे कोई दवाई देता जिसकी वजह से इसे कुछ याद भी नहीं रहता था और लगातार सिर में दर्द हुआ करता था। कुछ दिन पहले समीमबानु ने फांसी लगाकर आत्महत्या का प्रयास किया था।

दुर्घटना में प्रेमी की मौत होने पर बांग्लादेशी युवती जेल में

महिला ने गुट्टा सोनू बिस्वास के नाम पर नकली आधारकार्ड-पानकार्ड तैयार करा लिया जिस पर युवती फंस गई

अहमदाबाद ।

सोशल मीडिया के द्वारा गुजराती युवक के प्रेम में पड़ गई बांग्लादेशी महिला ने शायद सपने में भी नहीं विचार किया हो एक दिन उसे जेल की हवा खानी पड़ेगी। ऐसे तो प्रेमी और प्रेमिका २०१७ से अहमदाबाद निकट के सनाथल में शांति से रहते थे और उनको एक बेटी का जन्म हुआ था। लेकिन २० दिन पहले खेडा निकट एक मार्ग दुर्घटना में प्रेमी की मौत होने पर उनके संसार में अलग मोड़ आया और अब बांग्लादेशी युवती चांगोदर पुलिस की कस्टडी में है। बांग्लादेश की सिरिना अख्तर हुसैन २०१७ में अहमदाबाद के हितेष जोषी के संपर्क में आई थी। सोशल मीडिया पर एक दूसरे के साथ चेटिंग करते हुए सिरिना और हितेष की दोस्ती प्रेम संबंध में बदल गई थी। आखिर में कुछ ही महीनों में सिरिना और हितेष को मिलने के लिए ९० दिन के टूरिस्ट वीजा पर आ पहुंची थी। हितेष और सिरिना ने अहमदाबाद में रहने का निश्चय किया था। हालांकि सिरिना की वीजा पर पूरी होने पर यह फिर से बांग्लादेश वापस आई थी। २०१७ के अंत में सिरिना वीजा रिन्यू कराकर फिर से भारत आई थी। इस बार उसने हैदराबाद से गुट्टा सोनू बिस्वास के नाम पर नकली आधारकार्ड-पानकार्ड तैयार करा लिया था। इसके बाद सिरिना और हितेष ने लीव-इन में रहना शुरू किया। हालांकि, अहमदाबाद आकर सिरिना ने सोना हितेष जोषी के नाम पर नया पानकार्ड और आधारकार्ड बनाया था। २०१८ में सिरिना ने हितेष की बेटी को जन्म दिया था। २०२० में उसने पासपोर्ट भी निकलवा लिया था, इस पर वह बांग्लादेश भी जाकर आई थी। अभी तक तो सब कुछ बराबर चल रहा है, लेकिन २० दिन पहले ही हितेष एक दुर्घटना में मौत होने पर सिरिना पर मुसीबत का पहाड़ टूट पड़ा।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)